जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 29 संख्याः 265 प्रभात अजमेर, रविवार 27 अप्रैल, 2025 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

सुरक्षा विशेषज्ञों की राय में, अभी भारत-पाक युद्ध की संभावना नहीं है

उनकी इस राय का आधार यह तथ्य है, कि दोनों देशों में सेना का वह ''मोबिलाइज़ेशन'' (भारी गतिविधि) नहीं दिख रहा, जो युद्ध के पहले देखा जाता है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 अप्रैल। पहलगाम की हाल ही की तनाव की घटनाओं और ''लाइन ऑफ कन्ट्रोल (एलओसी)'' पर चल रहे तनाव के बावजूद, आतंकवाद एवं सुरक्षा मामलों के प्रमुख विशेषज्ञों ने भारत एवं पाकिस्तान के बीच किसी बड़े युद्ध की संभावना को खारिज कर दिया है। उन्होंने जोर देते हुये कहा है कि स्थिति संवेदनशील बनी हुई है, लेकिन आशा की जाती है कि आगामी दिनों में स्थितियाँ स्थिर हो जायेंगी।

मीडिया से बात करते हुये, जाने-माने आतंकवाद -विश्लेषक अजय साहनी ने दावे के साथ कहा कि ऐसी संभावना नहीं है कि पाकिस्तान संघर्ष को और बढ़ायेगा। साहनी ने कहा, ''पाकिस्तान भारत के साथ सैन्य टकराव को कायम रखने की स्थिति में नहीं है। उसकी कमज़ोर आर्थिक स्थिति और घरेलू राजनैतिक चुनौतियों के

- पर, इन्टैलिजैन्स एजेंसियों का मानना है कि कुछ समय के लिये आतंकवादी हरकतें, जैसे सीमा पर घुसपैठ आदि, की संख्या बढ़ने की जरुर आशंका है। पर अभी तक भारत के सुरक्षा बल ने सख्ती से इन पर कंट्रोल कर लिया है।
- इस संदर्भ में रिटायर्ड ले.जनरल राकेश शर्मा के अनुसार, स्थानीय स्तर पर घुसपैठ के प्रयास कोई अनहोनी बात नहीं है, पर अभी तक दोनों तरफ से प्रतिक्रिया संयम बरतने की है, न कि ''टैन्शन'' (तनाव) को बढ़ाने की।
- गिरती आर्थिक स्थिति, अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अकेला पड़ने की संभावना व देश के अन्दर अस्थिरता की स्थिति के कारण, पाकिस्तान लम्बी लड़ाई लड़ने की स्थिति में नहीं है और भारत के विदेश मंत्रालय के इस वक्तव्य से, कि भारत का विश्वास इस पूरे क्षेत्र में शांति व स्थिरता बनाये रखने में है, आनन-फानन में युद्ध होने की संभावना क्षीण लगती है।

चलते, ऐसी आशा की जा रही है कि पाकिस्तान दुश्मनी को बढ़ाने के बजाय, अपने कदम पीछे हटायेगा।'' उन्होंने आगे कहा कि दोनों ही देश मौजूदा भू-राजनैतिक स्थिति में, किसी बड़े युद्ध के भयंकर परिणामों को बहुत अच्छी तरह जानते हैं।

तनाव में हाल ही हुई जबरदस्त वृद्धि की शुरुआत के पीछे जम्मू-कश्मीर के पहलगाम क्षेत्र में हुई उग्रवादी गतिविधि तथा सीमा पर हुये युद्ध-विराम के उल्लंघन की विभिन्न घटनाएं हैं। भारतीय सुरक्षा बलों ने सीमा पर हुये युद्ध विराम -उल्लंघनों का जवाब पूरी तत्परता एवं दृढ़ता से दिया है तथा यह सुनिश्चित किया है कि घुसपैठ या उत्तेजना पैदा करने वाली कोशिशों का जवाब असरदार तरीके से दिया जाये। लेकिन रक्षा अधिकारियों ने इस बात की पुष्टि की है कि हमारा जवाब संयत एवं संतुलित रहता है ताकि तनाव में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'गिरफ्तारी पर सुप्रीम कोर्ट के 1996 के दिशा निर्देशों की पालना करें'

जयपुर, 26 अप्रैल। राज्य मानवाधिकार आयोग ने राज्य सरकार को आदेश दिए हैं कि आपराधिक मामले में व्यक्ति की गिरफ्तारी को लेकर सुप्रीम कोर्ट की ओर से साल 1996 में दिए दिशा-निर्देशों की कडाई से पालना की जाए। इसके साथ ही आयोग ने इस आदेश की पालना के लिए आदेश की कॉपी मुख्य सचिव, डीजीपी, एसीएस गृह और दौसा कलेक्टर व एसपी को भेजी है। इसके साथ ही आयोग ने एक

- सूर्योदय से पूर्व महिला पुलिस कर्मियों की गैर-मौजूदगी में महिलाओं को गिरफ्तार करने में तत्कालीन सैंथल थानाधिकारी पर अनुशासनात्मक कार्यवाही के लिये कहा।

प्रकरण में परिवादी के परिजनों से मारपीट करने और महिला पुलिसकर्मी की गैरमौजूदगी में महिलाओं को सूर्योदय से पूर्व गिरफ्तार करने के दोषी तत्कालीन सैंथल थानाधिकारी एसआई अजीत बडसरा और कांस्टेबल धर्मसिंह के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करने को कहा है। आयोग सदस्य आरसी झाला ने यह आदेश विजेन्द्र की ओर से पेश परिवाद पर सुनवाई करते हुए दिए।

परिवाद में विजेन्द्र सिंह ने कहा कि सैंथल में पट्टाशुदा जमीन खरीद कर उस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत को चीन से सबक लेना पड़ेगा, पानी को पाकिस्तान जाने से रोकने के लिये

चीन दशकों से यह काम कर रहा है, ब्रह्मपुत्र नदी के पानी को भारत में प्रवेश करने से पहले ही ऊपर ही रोक कर अपने मैदान व फार्म लैण्ड्स तक पहुंचाने के लिये

- अंजन रॉय -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 26 अप्रैल। पानी में भी आग लग सकती है, वो भी बड़ी आसानी से। जब बात सिंधू नदी के जल की होती है, तो हम देख सकते हैं कि यह कितना ज्वलनशील हो सकता है - फिलहाल तो शब्दों में ही सही पर इसमें आग लगी हुई है।

यह एक व्यापक संघर्ष, यहां तक कि एक सशस्त्र युद्ध की चिंगारी भी बन सकता है। लेकिन कुछ सोचने योग्य बातें भी हैं। जहां तक सिंधू जल संधि की बात है, उसे अस्थायी रूप से निलंबित करना एक राजनैतिक दृष्टि से फायदेमंद हो सकता है। इसे वास्तव में लागू करना मुश्किल हो सकता है। और यहीं से इस कहानी की असली चुनौती शुरू होती है।

यदि इस संधि को दरकिनार कर दिया जाए और जल का प्रवाह बदला जाए, तो यह पाकिस्तान की जीवन रेखा को काटने जैसा होगा। वह देश पूरी तरह से इन नदियों के जल पर निर्भर है।

लेकिन यह फैसला पाकिस्तान को तभी कष्ट पहुंचा सकेगा, जब वास्तव में

- भारत व बांगलादेश की इस बारे में सभी आपत्तियों को चीन लगातार नज़र अन्दाज़ करता आ रहा है।
- भारी मेहनत, धन व तकनीकी क्षमता का उपयोग कर चीन अब दशकों बाद अपने इस प्रयास में कुछ सफलता प्राप्त करता दिख रहा है।
- पाकिस्तान को जाने वाले पानी को रोकने के लिये, भारत ने कभी सोचा ही नहीं था, अब तक, अतः भारत के पास आधारभूत ढांचा (बांध, स्टोरेज टैंक, नहरों का जाल नहीं है, पाकिस्तान जाने वाले पानी को रोकने के लिये।
- तो क्या, पाकिस्तान को जाने वाले पानी को रोकने की धमकी केवल धमकी तक ही सीमित रह जायेगी, या भारत तकनीकी क्षमता झोंक कर, पर्याप्त पैसा लगाकर यह क्षमता विकसित कर लेगा, जिससे इस पानी को पाकिस्तान जाने से रोका जाए और इसका उपयोग उत्तर भारत के गांव व शहरों के घरों में पेय जल उपलब्ध कराने व खेतों में सिंचाई के लिए किया जाए।

भारत से पाकिस्तान की ओर जाने वाले जल का प्रवाह रोका जाए। इसका अर्थ है कि भारत को इस लक्ष्य को पाने के लिए ठोस आधारभूत संरचना और उपकरणों की ज़रूरत होगी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रेल अधिकारियों ने कश्मीर में नए रेल प्रोजैक्ट्स का सुरक्षा की दृष्टि से पुनः मुआयना शुरु किया

इन नए प्रोजैक्ट्स में शमिल है भारत का सबसे बड़ा 12.77 किलोमीटर टनल (सुरंग), विश्व का सबसे ऊँचा रेलवे पुल। इस क्षेत्र का 87 प्रतिशत हिस्सा सुरंग से ही तय किया जा सकता है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 अप्रैल। पहलगाम हमले के बाद, कश्मीर में कटरा-श्रीनगर रेल-लाइन पर कॉमर्शियल ऑपरेशन शुरू करने को लेकर अधिकारियों में अनिश्चितता व्याप्त हो गई है, क्योंकि ऊधमपुर श्रीनगर बारामुला रेल लिंक परियोजना के तहत सुरक्षा उपायों को सख्त किया गया है।

कटरा-संगलदन रेल लाइन, जो कटरा से कश्मीर घाटी तक रेल लिंक को पूरा करेगी, अब तैयार है और रेल सुरक्षा आयुक्त (कमिश्नर ऑफ रेल सिक्युरिटी) ने कॉमर्शियल ऑपरेशन्स शुरू करने की मंजूरी दे दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 19 अप्रैल को रेल लिंक

- मुआयने के बाद आर.पी.एफ., जी.आर.पी., तथा राज्य की पुलिस के जवान, जो यहां तैनात हैं, को हिदायत दी गई है कि इन नई रेलवे लाइन्स पर सुरक्षा की दृष्टि से हर घंटे अपना ''इनपुट'' आपस में साझा करें।
- इन सुरंगों पर लगे सी.सी.टी.वी. फुटेज को मॉनिटर करने के लिये नए सेन्टर बनाये व सक्रिय किये गये हैं।

का उद्घाटन करना था, लेकिन उद्घाटन की तिथि को कथित तौर पर खराब मौसम के कारण स्थगित कर दिया गया।

पहलगाम हमले के बाद के तनावपूर्ण माहौल को देखते हुए, रेलवे और सुरक्षा अधिकारियों की संयुक्त टीमों ने क्षेत्र में सुरक्षा खतरों का पुनः आकलन करने की प्रक्रिया शुरू की है। उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक अशोक कुमार वर्मा ने बुधवार को कुछ सुरंगों और महत्वपूर्ण बुनियादी ढ ांचों का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पी.डब्ल्यू.डी. प्रमुख सचिव व मुख्य अभियंता को अवमानना नोटिस जारी

जयपुर, 26 नवंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने अदालती आदेश के बाद भी 30 जून को रिटायर हुए कर्मचारी को वेतन वृद्धि और अन्य सेवा परिलाभ नहीं देने पर पीडब्ल्यूडी विभाग के प्रमुख सचिव व मुख्य अभियंता सहित अन्य अफसरों को अवमानना नोटिस जारी किए हैं। जस्टिस विनोद कुमार भारवानी

- हाईकोर्ट ने 30 जून को रिटायर हुए कर्मचारी को वेतनवृद्धि व अन्य लाभ नहीं देने पर ये आदेश दिये।

ने यह आदेश भूरसिंह की अवमानना याचिका पर दिया।

याचिका में अधिवक्ता विजय पाठक ने बताया कि राज्य सरकार ने रिवाइज़ वेतन स्केल नियम 2008 व 2017 के तहत प्रदेश के सभी अफसरों व कर्मचारियों की वार्षिक वेतन वृद्धि में समानता लाने के लिए सालाना वेतन बढ ोतरी के लिए एक जुलाई की तारीख तय

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारी ''इन्सैन्टिव'' देने के बावजूद विदेशी मुद्रा व कम्पनियों का पलायन रुक नहीं रहा चीन से

''फॉरन डाइरैक्ट इन्वेस्टमेंट'' (विदेशी पूंजी निवेश) गत वर्ष की तुलना में 27.1 प्रतिशत कम हुआ

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 अप्रेल। बीजिंग द्वारा विदेशी पूंजी को फिर से आकर्षित करने के आक्रामक प्रयासों के बावजूद, अमेरिकी कंपनियाँ पीछे हट रही हैं, और भारत जैसे बाजारों की ओर रुख कर रही हैं, जहाँ राजनीतिक स्थिरता और बढ़ता उपभोक्ता वर्ग उन्हें अधिक सुरक्षित और लाभकारी भविष्य के लिए आश्वस्त करता है।

भारत एक प्रमुख विकल्प बनकर उभर रहा है, खासकर निर्माण और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में। इसकी अंग्रेजी बोलने वाली बड़ी आबादी, बेहतर हो रहा बुनियादी ढाँचा, और सरकार की पीएलआई योजनाओं जैसी प्रोत्साहन नीतियाँ, एप्पल, गूगल और टेस्ला जैसी

- ये कम्पनियां भारत के अलावा वियतनाम, मैक्सिको, फिलिपीन्स, मलेशिया, थाइलैंड, पोलैण्ड, व चैक गणराज्य को वैकल्पिक ''लोकेशन'' के रुप में देख रही हैं, अपने नए उद्योग व पूंजी लगाने के लिये।

बड़ी कम्पनियों के सप्लायर्स को आकर्षित कर रही हैं।

अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स इन चाइना (एम चैम चाइना) की एक कड़ी चेतावनी दर्शाती है कि राजनीतिक बाधाएं, नियामक अनिश्चितता और व्यापारिक टकराव उन फायदों से भारी पड़ रहे हैं, जिनके कारण कभी चीन दुनिया के सबसे आकर्षक बाजारों में से एक था। यूएस-चीन के बीच बढ़ते तनाव के माहौल में बीजिंग की 20-बिंदु की निवेश योजना भी कंपनियों की आशंकाओं को कम करन में असफल रही है।

एम चैम चाइना के 2025 का श्वेतपत्र जारी करते हुए चैम्बर के अध्यक्ष माइकल हार्ट ने स्पष्ट शब्दों में कहा: ''हमारी कंपनियाँ केवल दोनों देशों के बीच के राजनीतिक जोखिमों को लेकर ही चिंतित नहीं हैं, बल्कि व्यापारिक अवरोधों और चीन में निवेश को लेकर अनिश्चितताओं को लेकर भी परेशान हैं।'' यह रिपोर्ट 350 से अधिक अमेरिकी कंपनियों का सर्वे कर बनाई जाती है।

बिगड़ते यूएस-चीन संबंध लगातार पांचवे वर्ष व्यापारिक चिंताओं की सूची में शीर्ष पर रहे, जिसमें 63 प्रतिशत प्रतिभागियों ने भू-राजनीतिक तनाव को उनके काम करने में सबसे बड़ी चुनौती बताया। यह रिपोर्ट ऐसे समय आई है जब दोनों देशों के बीच संबंध और अधिक कटु हो गए हैं, विशेषकर तीव्र टैरिफ युद्ध के कारण। वर्ष 2024 के अंत से वॉशिंगटन और बीजिंग ने एक-दूसरे के उत्पादों पर शुल्क दोगुने से भी अधिक टैरिफ लगा दिया है, जिससे बहुराष्ट्रीय कंपनियों पर दबाव और बढ़ गया है।

हालांक हार्ट ने यह भी उल्लेख किया कि पर्दे के पीछे दोनों देश नुकसान

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मस्जिद पर पोस्टर विवाद : जौहरी बाजार में दुकानें बंद कराने वालों को पुलिस ने खदेड़ा

विधायक बाल मुकुंद आचार्य के खिलाफ दर्ज मामले की जांच सीआईडी सीबी को सौंपी

जयपुर, 26 अप्रैल। जौहरी बाजार में शुक्रवार देर रात हुआ पोस्टर लगाने का विवाद शनिवार की शाम उस समय और बिगड गया जब कुछ लोग जौहरी बाजार में प्रदर्शन के नाम पर जबरन दुकानें बंद कराने लगे। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने जबरन दुकानें बंद करवाले वालों को समझाया। प्रदर्शनकारियों के नहीं मानने पर पुलिस ने हल्का बल प्रयोग किया और दुकानें खुलवाईं। शांति व्यवस्था बनाए रखने के साथ ही यातायात को चालू करवाया गया। इसके साथ ही पुलिस ने जगह-जगह फ्लैग मार्च कर शांति बनाए रखने की अपील की। विवाद को लेकर माणक चौक थाने में हवामहल विधायक बालमुकदांचार्य खिलाफ दर्ज मामले की जांच सीआईडी सीबी को सौंपी गई है।

जयपुर कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि नारेबाजी करने के बाद उपजे विवाद के कारण इलाके में पुलिस और सुरक्षाबलों को तैनात किया गया है। शांति व्यवस्था कायम है। इलाके में एसटीएफ के अलावा भारी पुलिस बल तैनात है। पुलिस के अधिकारी लगातार गश्त कर स्थिति पर निगरानी कर रहे हैं।

सहायक पुलिस आयुक्त, माणकचौक पीयूष कविया ने बताया कि इलाके में शांति बनी हुई है। एहतियात के तौर पर पुलिस व सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है। प्रशासन लगातार हालात पर नज़र रखे हुए है और दोनों पक्षों से संयम बरतने की अपील की गई है। जौहरी बाजार, बड़ी चौपड़ और आसपास के इलाकों में पुलिस गश्त बढ़ा दी गई है।

- पुलिस ने जगह-जगह फ्लैग मार्च कर शांति बनाये रखने की अपील की।
- सुरक्षा बलों की तैनाती के बाद शांति व्यवस्था कायम हुई। पुलिस अधिकारी लगातार गश्त लगाकर स्थिति पर निगरानी रख रहे हैं।

गौरतलब है कि शुक्रवार देर रात पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध में विधायक बालमुकुंद आचार्य अपने समर्थकों के साथ प्रदर्शन के लिए बड़ी चौपड़ पहुंचे। यहां 'जय श्री राम' के नारे लगे और कई दीवारों पर पोस्टर चिपकाए गए। प्रदर्शनकारियों का काफिला जब जामा मस्जिद के सामने पहुंचा तो विवाद हो गया।

आरोप है कि विधायक आचार्य ने मस्जिद की सीढ़ि यों पर 'पाकिस्तान मुर्दाबाद' लिखे पोस्टर खुद चिपकाए और उन पर पैर भी रखा। उस वक्त मस्जिद के अंदर रात की नमाज चल रही थी, जिससे वहां मौजूद लोगों में आक्रोश फैल गया। देखते ही देखते बड़ी संख्या में लोग मस्जिद के बाहर जमा हो गए और विधायक के खिलाफ प्रदर्शन शुरू कर दिया। मस्जिद प्रशासन की शिकायत पर विधायक बालमुकुंद आचार्य के खिलाफ जयपुर के माणक चौक थाने में धार्मिक भावनाएं आहत करने, धार्मिक स्थल के सम्मान का उल्लंघन करने और शांति भंग करने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई है। बताया जा रहा है कि रात करीब 10 बजे एक पक्ष के लोग इकट्ठा होना शुरू हुए। बड़ी चौपड़ के पास नारेबाजी कर पोस्टर लगाकर विरोध जताने लगे। इस दौरान अन्य लोग भी एकत्रित हो गए। देखते ही देखते दोनों में विवाद हो गया।

इस पूरे प्रकरण को लेकर शनिवार को जामा मस्जिद कमेटी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि वह पहलगाम हमले की कड़े शब्दों में निंदा करते हैं। इस तरह का कायराना कृत्य करने वालों को कतई भी बख्शा नहीं जाना चाहिए। लेकिन शुक्रवार रात को हवामहल विधायक ने मस्जिद में जिस तरह से नारेबाजी और पोस्टर लगाए हैं वह सरासर गलत है। इस प्रेस वार्ता के दौरान मुस्लिम समाज के कई संगठनों के पदाधिकारी, विधायक अमीन कागजी और आदर्श नगर विधायक रफीक खान भी मौजूद रहे। इस दौरान मस्जिद के अंदर और बाहर बड़ी तादाद में मुस्लिम समाज के लोग मौजूद थे। एहतियात के तौर मस्जिद के बाहर पुलिस बल भी तैनात किया गया।

राजस्थान मुस्लिम फोरम महासचिव नाजीमुद्दीन ने कहा कि विधायक को इलाके के विकास पर काम करना चाहिए। इस तरह से धर्म विशेष के लोगों को टारगैट करने का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जौहरी बाजार में शुक्रवार देर रात हुए विवाद के बाद शनिवार शाम को कुछ लोग जौहरी बाजार में जबरन दुकानें बंद कराने लगे, जिसके बाद पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे लोगों को हल्का बल प्रयोग कर खदेड़ दिया।

विचार बिन्दु

आत्मा ही अपना स्वर्ग और नरक है। -उमर खैयाम

सुखायु और हितायु का वैज्ञानिक प्रमाण-आधार

आयुर्वेद में दीर्घायु का अर्थ सुखकारी व हितकारी आयु है, सिर्फ लम्बा जीना नहीं। दीर्घायु का तात्पर्य उस आरोग्य से है जिसके रहते हम जीवन में वह सब प्राप्त कर पाते हैं, जो प्राप्त करना चाहते हैं। जिस विद्या में सुखकारी आयु और हितकारी आयु तथा दु:खकारी और अहितकारी आयु का विचार हो तथा इन सबके उचित मानदण्डों का अध्ययन हो वह आयुर्वेद कहलाता है। स्वास्थ्य-रक्षण के द्वारा निरोगी बने रहना उपयोगी है, क्योंकि आरोग्य के बिना धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष कुछ नहीं मिल सकता। यदि व्यक्ति स्वस्थ नहीं है या बीमारियों को रोक नहीं पाये, तो ना तो वह अपनी मूल प्रकृति के अनुसार कुछ धारण कर सकता है, ना ही धन कमा सकता है, ना ही खाने-पीने, सोने या जीवन का कोई आनन्द ले सकता है, और ना ही शन्तिपूर्वक संसार से विदा हो सकता है। अत: भौतिकतावादी युग में भी स्वास्थ्य से बढ़कर कुछ भी नहीं है।

आयुर्वेद के 8 अंगों में काय-चिकित्सा, शल्य चिकित्सा, शालाक्य, भूतविद्या (मनोचिकित्सा), कौमारभृत्य, अगद्तंत्र, रसायन तथा वाजीकरण हैं। आयुर्वेद के दो मूल उद्देश्यों में प्रथम स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा है और दूसरा आतुर या बीमार के विकारों का प्रशमन या बीमारियों की चिकित्सा है। यहाँ स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा के संदर्भ में कुछ मूल सिद्धान्त, दर्शन या विवेचन हैं। इस चर्चा का महत्व यह है कि संहिताओं, वैज्ञानिक अध्ययनों, और अनुभवजन्य ज्ञान से प्राप्त प्रमाण हमें इस बात से आश्वस्त करने के लिये उपयोगी रहेंगे कि वर्तमान जनजीवन को स्वस्थ रखने के लिये संहिताओं, साइंस, तथा अनुभवजन्य-ज्ञान में प्रमाण-आधार सुदृढ़ है।

जहाँ तक सिद्धान्तों की समठाता का प्रश्न है, आयुर्वेद में स्वास्थ्य-रक्षण एवं चिकित्सा से जुड़े मूल सिद्धांतों और निर्देशों की संख्या बहुत अधिक है। तथापि, कुछ सिद्धांत और निर्देश जो स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा के संदर्भ में प्रत्यक्ष रूप से लागू होते हैं, उनमे से कुछ प्रमुख हैं: 1. सामान्य-विशेष, 2. गुण-कर्म, 3, त्रिदंड, 4. त्रिविध-हेतु, 5. त्रिदोष, 6. षड्रस, 7. पंचकर्म, 8. आहार मात्रा, 9. हिताहितसंसर्जनक्रम, 10. आदान-विसर्ग, 11. स्वस्थवृत्त, 12-धारणीय-अधारणीय वेग, 13. सद्वृत्त, 14. अन्नपान-विधि, 15. धातु-पोषण, 16. आहार विधिविशेषायतन, 17. आहार विधिविधान, 18. त्रिविध कुक्षीय, 19. रसायन, 20. जनपदोद्वंश आदि प्रमुख हैं। वस्तुत: इनमें से प्रत्येक के अंतर्गत, विचार-विमर्श में दिनचर्या, रात्रिचर्या, ऋतुचर्या सहित, अनेक विस्तृत विषय समाहित हैं जिन पर विस्तृत चर्चा आगे यथासमय होगी।

यहाँ एक महत्वपूर्ण प्रश्न यह उठता है कि आयुर्वेद की संहिताओं में उपरोक्त समस्त सिद्धान्तों का वर्णन तथा प्रयोग में लाये जाने की विधियाँ और उनकी उपयोगिता का विवेचन उपलब्ध है, परंतु आज समकालीन वैज्ञानिक युग में यह मानने का प्रमाण क्या है कि उक्त सलाह विज्ञान-सम्मत ही है। इस प्रश्न का उत्तर कई स्त्रोतों से दिया जा सकता है, जिनमें देश-विदेश के आयुर्वेदाचार्यों द्वारा की गई शोध से प्राप्त प्रमाण, आयुर्वेद का संदर्भ दिये बिना भी समान विषयों में विश्वभर में हुई शोध के निष्कर्षों का प्रमाण, और आयुर्वेदाचार्यों का अनुभवजन्य ज्ञान शामिल है।

प्राचीन ग्रन्थों के विपुल भण्डार की उपलब्धता के बावजूद आज हमें आधुनिक विज्ञान की ओर देखने की आवश्यकता क्यों पड़ रही है। दरअसल, वर्ष 2010 के अनुमान बताते हैं कि लगभग 15 लाख शोध-पत्र प्रति वर्ष विश्व की महत्वपूर्ण शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित हो रहे थे। सभी प्रकार के जर्नल्स को लें तो मैक्स प्लैंक सोसायटी और स्विस फेडरल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, ज्यूरिच में कार्यरत वैज्ञानिक लुत्ज़बॉर्नमान के अनुमान बताते हैं कि ज्ञान में वृद्धि की दर इतनी है कि अब विश्व का साइंटिफिक आउटपुट हर 9 साल में दोगुना हो रहा है। वर्ष 1600 के मध्य से वर्ष 2012 तक ज्ञान के उत्पादन को तीन चरणों में देखा जा सकता है। प्रत्येक चरण में पिछले चरण की तुलना में ज्ञान उत्पादन में तीन गुना वृद्धि पायी गयी है। प्रथम चरण, 16वीं शताब्दी के मध्य से 18वीं शताब्दी के मध्य तक, ज्ञान उत्पादन में वृद्धि की दर लगभग एक प्रतिशत थी। उसके बाद दो विश्वयुद्धों के मध्यवर्ती काल में 2 से 3 प्रतिशत, तथा अंतिम विश्वयुद्ध के बाद से लेकर वर्ष 2012 तक यह वृद्धि दर 8 से 9 प्रतिशत रही।

आज विश्व के अनेक डाटाबेस जैसे स्कोपस, वेब ऑफ नॉलेज और गूगल स्कॉलर आदि में सभी विषयों के कुल 4 से 5 करोड़ शोध पत्रों का भण्डार है। आयुर्वेद में भी नये ज्ञान का उत्पादन हो रहा है।वर्ष 1923 से 2022 के दौरान प्रकाशित कुल 46,616 शोधपत्रों में कहीं न कहीं आयुर्वेद का उल्लेख हुआ है। इनमें से 12,906 शोधपत्र विशेषकर आयुर्वेद पर केन्द्रित हैं। पिछले दो दशकों के दौरान भारत के कई दिग्गज वैज्ञानिकों और आयुर्वेदाचार्यों की शोध ने आयुर्वेद का प्रमाण-आधार बहुत मजबूत किया है। आयुर्वेदिक बायोलॉजी, आयुर्वेदिक जीनोमिक्स, समग्र-पद्धति या होल-सिस्टम क्लिनिकल ट्रायल्स आदि में उपयोगी कार्य हुआ है।

यहाँ कुछ उदाहरण उपयोगी होंगे। स्कोपस डेटाबेस, जो शोध-पत्रिकाओं में प्रकाशित उच्च कोटि के शोधपत्रों का विश्व में सबसे बड़े डेटाबेस में से एक है, में अकेले शहद पर ही 250 से अधिक क्नीनिकलट्रॉयल्स सहित विभिन्न पहलुओं पर 38,000 से अधिक शोधपत्र प्रकाशित हो चुके हैं। शहद पर आयुर्वेद का कथन कथनमधु श्लेष्मपित्तप्रशमनानाम् (च.सू. 25.40) को देखने पर ज्ञात होता है कि मूलत: आयुर्वेद के इस द्रव्य पर आयुर्वेद के सन्दर्भ सहित 122शोधपत्र हैं, जबकि विश्व भर में शहद पर 38,000 से अधिक शोधपत्र प्रकाशित हो चुके हैं। इनमें से 2900 से अधिक शोधपत्र शहद के औषधीय गुणों पर, व 8,000 से अधिक भोजन के रूप में शहद की उपयोगिता सिद्ध करते हैं।

मेटा-एनालिसिस के परिणाम स्पष्ट करते हैं कि व्यायाम से प्रसन्नता मिलती है। एक अन्य मेटा-एनालिसिस के परिणाम बताते हैं कि हरियाली और जलाशयों के पास व्यायाम मन को प्रसन्न रखता है। वस्तुतः व्यायाम त्रिदोष शामक है और इसके कारण विश्व में सालाना 3.9 मिलियन मौतें टल जाती हैं। एक अन्य मेटा-एनालिसिस से ज्ञात होता है कि प्राकृतिक वन और उपवन में व्यायाम न केवल मानसिक बल्कि शारीरिक स्वास्थ्य भी प्रदान करता है।

इसी प्रकार आमलकंवय:स्थापनानाम् (च.सू. 25.40) चरकसंहिता का एक महावाक्य है। अनेक शताब्दियों बाद आचार्य वाग्भट ने इसी वाक्य को वयस:स्थापने धात्री (अ.हृ.उ. 40.56) दोहराया है। विश्व की सर्वाधिक महत्वपूर्ण शोध-पत्रिकाओं में आमलकी पर 2,000 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं। इन शोध पत्रों में इन-वाइट्रो और इन-वाइवो अध्ययनों के अलावा कुछ क्लीनिकल ट्रायल्स भी हैं जो निर्विवाद रूप से आँवला में रसायन गुणों को प्रमाणित करते हैं।

इसी प्रकार रक्तशालि या लाल चावल पर 4,849 शोधपत्र विश्व की प्रमुख शोध पत्रिकाओं में 2022 तक प्रकाशित हो चुके हैं। वैज्ञानिकों ने लाल चावल को कैंसररोधी, डायबिटीज-रोधी, एंटीऑक्सीडेंट, एंटीजीनोटॉक्सिक, हिपेटोप्रोटेक्टिव, कार्डियोप्रोटेक्टिव, एंटीइन्फ्लेमेटोरी, एंटीडायबिटीज, एवं इम्यूनोमोड्युलेटरी पाया है।

वर्ष 2016 में विश्व-प्रसिद्ध शोध पत्रिका लैंसेट में 10 लाख से अधिक लोगों के संदर्भ में एकत्र आंकड़ों के आधार पर प्रकाशित एक मेटाएनलिसिस से ज्ञात होता है कि प्राय: कुर्सी में बैठे-बैठे काम करने वाले लोग यदि रोजाना 60 से 75 मिनट व्यायाम करें तो उनके असमय मरने का जोखिम कम हो जाता है। बात यदि मोटापा प्रबंध के सन्दर्भ में की जाये, तो समुचित खानपान के साथ ही सप्ताह में कम से कम 150 मिनट का व्यायाम लाभकारी है। मेटा-एनालिसिस के परिणाम स्पष्ट करते हैं कि व्यायाम से प्रसन्नता मिलती है। एक अन्य मेटा-एनालिसिस के परिणाम बताते हैं कि हरियाली और जलाशयों के पास व्यायाम मन को प्रसन्न रखता है। वस्तुत: व्यायाम त्रिदोष शामक है और इसके कारण विश्व में सालाना 3.9 मिलियन मौतें टल जाती हैं। एक अन्य मेटा-एनालिसिस से ज्ञात होता है कि प्राकृतिक वन और उपवन में व्यायाम न केवल मानसिक बल्कि शारीरिक स्वास्थ्य भी प्रदान करता है। एक मेटा-एनलिसिस बिलकुल साफ़ कर देती है कि व्यायाम करना आवश्यक है भले ही तीव्रता कम या ज्यादा कुछ भी हो। रोचक बात यह है कि आयुर्वेद व्यायाम की तीव्रता की बात नहीं करता बल्कि व्यायाम की अनिवार्यता की बात करता है और बल के आधे तक प्रतिदिन व्यायाम करने की सलाह देता है। आयुर्वेद चलने (चंक्रमण) की भी सलाह देता है किन्तु चंक्रमण ऐसा हो जो अति-पीड़ादायक नहीं होना चाहिये। व्यायाम और चंक्रमण ना तो बलार्ध से अधिक हो और ना ही पीड़ादायक हो, अन्यथा हानिकारक होता है। आयुर्वेद और समकालीन विज्ञान यहाँ एक जैसी सलाह के समीप आते दृष्टिगोचर होते हैं। एक अन्य अध्ययन के अनुसार, उम्रदराज लोगों में पांच वर्ष तक चले क्लिनिकल ट्रायल में व्यायाम की 'तीव्रता' व 'मृत्यु-दर' के बीच सम्बन्ध नहीं मिला। इसलिये 'तीव्रता' के चक्कर में पड़ने के बजाय अपने बल के आधे तक व्यायाम करते रहिये। समय की बात करें तो 30 मिनट प्रतिदिन से कम व्यायाम नहीं रहना चाहिये। सप्ताह में व्यायाम करते समय अगर 120 मिनट गार्डेन, पार्क या हरियाली वाली जगह में बिताया जाये तो व्यायाम का मानसिक स्वास्थ्य पर धनात्मक प्रभाव और भी बेहतर रहता है।

तीन सूत्र जो दवाई की आवश्यकता कम कर देते हैं, उनमें कालभोजन, व्यायाम और सत्वावजय प्रमुख हैं। कैलोरी व कदम गिनने की सनक आयुर्वेद का विषय नहीं। काल-भोजन और बलार्ध-व्यायाम कीजिये: ऊर्जस्प्रक्रम गणनातिनिष्ठानास्ति आयुर्वेदविषय:। समाचरेत्काल भोजनंबल स्यार्धव्यायामश्च। मोटापा की समस्या देखें तो यह गोलियां खाने से नहीं छंटता। आचार्य चरक कहते हैं कि मोटापा छांटने के लिये भोजन की मात्रा घटाने से उत्तम और कुछ नहीं है। आचार्य सुश्रुत कहते हैं इस काम के लिए व्यायाम से बेहतर कुछ नहीं है। दोनों मिलाकर तो मोटापा कम कर ही सकते हैं। बात साधारण है: हितकारी भोजन मात्रापूर्वक नियतकाल में दिन में केवल दो बार लीजिए और नित्य व्यायाम कीजिए। बस इस ज्ञान को काम से जोड़ने का पचड़ा है!

यही स्थिति सद्वृत्त में समाहित विविध विषयों की है। शोध-पत्रिकाओं में प्रकाशित लगभग 2 लाख शोधपत्र ऐसे हैं जहाँ मंगलकार्य, त्याग, उपहार, हवन, नियम, प्रायश्चित, उपवास, सस्वर पाठ, आध्यात्मिक लगाव, तीर्थाटन, क्षमा, दान आदि विषयों तथा इनका स्वास्थ्य रक्षण एवं रोगमुक्ति के संदर्भ में विश्लेषण है। योग के यम और नियम में भी सद्वृत्त के ही विविध विषय समाहित हैं। इन पर 25,000 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं।

दिनचर्या, रात्रिचर्या, ऋतुचर्या के रूप में समाहित विविध विषयों में पृथक पृथक शोध भी है। इनमें सबसे अधिक वैज्ञानिक शोध भोजन, भोजन द्रव्य, नस्य, पंचकर्म, मुख-स्वास्थ्य, कवल-गंडूष, अभ्यंग, मौसमी बीमारियों से बचाव, व्यायाम, पर्सनल-हाइजीन आदि पर उपलब्ध है। सारांश यह है कि भले ही शोध आयुर्वेद का नाम लेकर न की गई हो, लेकिन आहार स्वस्थवृत्त, सद्वृत्त, रसायन एवं पंचकर्म आदि में समाहित प्रयोगों एवं परिणामों को आधुनिक शोध के प्रकाश में देखने पर इस बात के निर्विवाद प्रमाण मिलते हैं कि आयुर्वेद के माध्यम से स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा संभव है।

इस सब चर्चा का हमारे लिये महत्व क्या है? मुख्य रूप से संहिताओं, साइंस एवं आयुर्वेदाचार्यों का अनुभवजन्य ज्ञान निर्विवाद रूप से सिद्ध करता है कि यदि कोई व्यक्ति आज कैंसर, डायबिटीज, हृदय रोग, मनोरोग या श्वसन तंत्र जैसी गैर-संचारी बीमारियों से पीड़ित नहीं है तो वह इन बीमारियों से आगे भी अपने आपको बचाये रख सकता है, बशर्ते आयुर्वेद की सलाह मानकर अपने जीवन में इस ज्ञान का उपयोग करे। हाँ, आयुर्वेद में स्वास्थ्य-रक्षण के सिद्धान्त और उन सिद्धान्तों का क्रियान्वयन योग्य आयुर्वेदाचार्यों की सलाह से ही किया जाना चाहिये ताकि समुचित परिणाम प्राप्त हो सकें। आयुर्वेद में लगभग 300 प्रकार की सलाह केवल सद्वृत्त में ही उपलब्ध हैं, और समकालीन वैज्ञानिक शोध में उन्ही विषयों पर 7 लाख से अधिक शोधपत्र प्रकाशित हो चुके हैं। शोध में उपलब्ध प्रमाणों के इस संक्षिप्त वर्णन, जो आयुर्वेद की समकालीन वैज्ञानिकता को दर्शित करता है, के बाद आगे यथासमय यहाँ प्रत्येक विषय पर पृथक-पृथक चर्चा तथा उपयोग-योग्य ज्ञान प्रस्तुत किया जाता रहेगा होगा।

-अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय,
(इंडियन फारेस्ट सर्विस से सेवानिवृत्त, वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान सहित अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंग प्रोफेसर)

(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।)

क्या भारत सेमीकंडक्टर क्षेत्र में ग्लोबल पहचान बना पाएगा?

अविनाश जोशी

भारतीय युवाओं के लिए अगला दशक प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अवसरों का दशक है, जिसे प्रधानमंत्री ने 'इंडिया डेकेड' का नाम दिया है। भारत को सेमीकंडक्टर राष्ट्र बनाने की दिशा में बीते सालो में हुई प्रगति उल्लेखनीय है। भारत आज बदलाव के महत्त्वपूर्ण मोड़ पर है। यह स्वतंत्र भारत के इतिहास का सबसे रोमांचक काल है, जब देश के युवाओं और छात्रों के लिए चाहे अंतरिक्ष का क्षेत्र हो या इलेक्ट्रानिक्स, इंटरनेट, एआइ या सेमीकंडक्टर, हर जगह जबर्दस्त अवसर हैं। प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में दुनिया में अग्रणी तकनीकी विकास की नई ऊंचाइयां अमेरिका प्रौद्योगिकी और सेमीकंडक्टर के अगले दशक के लिए भारत के साथ साझेदारी कर रहा है। यह बताता है कि भारत की प्रौद्योगिकी क्षमताएं कितनी बढ़ गई हैं, खासकर सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में, जहां दशकों से हमारी मौजूदगी अत्यल्प या बिल्कुल नहीं रही है। अवसर गंवाने, राजनीतिक और रणनीतिक दूरदर्शिता की कमी और अक्षमता के कारण इलेक्ट्रानिक्स और सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में भारत की दास्तान दशकों तक निराशाजनक रही। मसलन, 1960 के दशक में, भारत ने सेमीकंडक्टर पैकेजिंग इकाई स्थापित करने के लिए 'फेयरचाइल्ड सेमीकंडक्टर्स' जिनके संस्थापकों ने 'इंटेल' बनाया था के एक प्रस्ताव को नजरअंदाज कर दिया, जो बाद में मलेशिया चला गया।

सेमीकंडक्टर को सिलिकॉन चिप के नाम से भी जाना जाता है। यह किसी भी इलेक्ट्रोनिक उत्पादक का महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। इसके बिना कोई भी इलेक्ट्रोनिक उत्पाद नहीं बनाया जा सकता है। एलईडी बल्ब से लेकर मिसाइल और कार से लेकर मोबाइल और लैपटॉप में इसका इस्तेमाल किया जाता है। यह चिप की इलेक्ट्रोनिक आइटम की मेमोरी को ऑपरेट करने का काम करती है। सेमी कंडक्टर का इस्तेमाल स्मार्ट वॉच, मोबाइल, टीवी, लैपटॉप, ड्रोन, एविएशन सेक्टर से लेकर ऑटोमोबाइल सेक्टर में होता है।

सेमीकंडक्टर बनाना एक जटिल प्रक्रिया है। एक छोटे से सेमीकंडक्टर या चिप को बनाने की प्रक्रिया में 400-500 चरण होते हैं। इनमें से एक भी चरण अगर गलत हो गया तो करोड़ों रुपये का नुकसान हो सकता है। इसको बनाने के लिए जो जिन धातु और अन्य चीजों की जरूरत होती है वह कुछ ही देशों के पास है। वहीं इसकी डिजाइन की तकनीक भी चुनिंदा देशों के पास है। सेमीकंडक्टर माइक्रोचिप्स बनाने में इस्तेमाल होने वाली धातु पैलेडियम का सबसे बड़ा सप्लायर रुस है। भारत की बात करें तो दुनियाभर की सभी बड़ी आईटी और चिप निर्माता कंपनियों में भारतीय इंजीनियर काम करते हैं। यह इंजीनियर इन कंपनियों के लिए चिप डिजाइन करते हैं।

सेमी कंडक्टर बनाने के लिए एक चुनौती यह भी है कि कई कंपनियों ने अपने-अपने तरीके से कई तकनीकों का पेटेंट कराया है। यह कंपनियों अन्य कंपनियों से चिप का निर्माण कराती हैं। चिप निर्माण सेक्टर में तीन तरह की कंपनियां होती हैं। इनमें से कुछ कंपनियां चिप तैयार करती है। कुछ चिप बनाने के लिए जरूरी मशीन और सामान मुहैया कराती हैं और कुछ कंपनियां रिसर्च और डिजाइन का काम करती हैं। जिन कंपनियों में चिप का निर्माण होता है उन्हें फैब्स कहा जाता है। भारत में फिलहाल रिसर्च और डिजाइन से जुड़ी कंपनियां पहले से मौजूद हैं। भारत उपादन से जुड़ी कंपनियों पर अब जोर दे रहा है। पूरी चिप सप्लाई चेन के रेवेन्यू में चिप डिजाइनिंग, असेंबलिंग, टेस्टिंग, पैकेजिंग और मार्किंग की 50 फीसदी हिस्सेदारी है। ऐसे में भारत का फोकस इस क्षेत्र पर है।

दुनिया में जंगें अब सिर्फ देशों की सीमाओं पर नहीं लड़ी जातीं, आर्थिक मोर्चे पर भी होती हैं। अब जंग उच्च तकनीक के माध्यम से बाजार की ताकतों को अपने नियंत्रण में करने के लिए कौशल रूपी हथियार से लड़ी जा रही है। इस जंग में कई देश शामिल हैं, पर अमेरिका और चीन तकनीकी जंग के मोर्चे पर आमने-सामने खड़े हैं। यह जंग 'सेमीकंडक्टर' को लेकर है। यह एक चिप है, जो वास्तव में हमारे दैनिक जीवन की एक ताकत है। भविष्य में अमेरिकी, ताइवानी, चीनी और दुनिया की बाकी कंपनियों के बीच काफी रस्साकशी चलने वाली है। यह सब अत्याधुनिक 'लाजिक' और 'मेमरी चिप' उत्पादन के क्षेत्र में देखने को मिलेगा। अमेरिका चीन को नई खोज के संजाल से दूर रखना चाहेगा। वहीं चीन उन जगहों पर अपनी आपूर्ति शृंखला बनाने की कोशिश करेगा, जो अमेरिकी दबाव से मुक्त हैं।

सिलिकान का यह एक छोटा-सा टुकड़ा पांच सौ अरब डॉलर के उद्योग का केंद्र है, जिसकी कीमत 2030 तक दोगुनी होने का अनुमान है। इसकी आपूर्ति शृंखला को कौन नियंत्रित करेगा, इसको लेकर जंग जारी है। इन्हें बनाने वाली कंपनियों और देशों का एक पेचीदा संजाल है। इसकी आपूर्ति शृंखला का नियंत्रण ही वह कुंजी है, जो किसी को एक बेजोड़ महाशक्ति बना सकता है। चीन ये चिप बनाने की तकनीक चाहता है, पर अमेरिका, जो इस तकनीक का अधिकतर स्त्रोत अपने पास रखे हुए है, उसे पीछे धकेल रहा है।

सेमीकंडक्टर' का आविष्कार अमेरिका में हुआ था, लेकिन समय के साथ-साथ पूर्वी एशिया इसके 'उत्पादन केंद्र' के तौर पर उभर कर सामने आया। इसके लिए वहां की सरकारों की प्रोत्साहन राशि और सबसिडी जिम्मेदार थी। अमेरिका ने भी इस क्षेत्र में व्यापार विकसित करने के लिए रणनीतिक साझेदारियां कीं, क्योंकि रूस के साथ शीत युद्ध के समय से उसके इस क्षेत्र से संबंध कमजोर थे। एशिया-प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते दबदबे के बाद यह अब भी अमेरिका के लिए महत्त्वपूर्ण है। अब दौड़ इन चिपों को बड़े पैमाने पर अधिक छोटा और कुशल बनाने की है। अब चुनौती यह है कि एक छोटे से सिलिकान वेफर पर कितने 'ट्रांजिस्टर' फिट हो पाएंगे, जो अपने आप चालू और बंद हो सकें। खासकर समय के साथ ट्रांजिस्टर के घनत्व को दोगुना करना एक बहुत मुश्किल लक्ष्य है।

यह हमारे फोन को अधिक तेज बनाता, डिजिटल फोटो संग्रह को और बड़ा करता, 'स्मार्ट होम डिवाइसेस' को समय के साथ अधिक 'स्मार्ट' बनाता और सोशल मीडिया सामग्री का दायरा फैलाता है। 2022 के मध्य में सैमसंग ऐसी पहली कंपनी बनी, जो तीन नैनोमीटर की चिप बनाने में सफल हुई थी। इसी साल के आखिर में ताइवान 'सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कंपनी' भी यह करने में सफल रही। यह दुनिया की सबसे बड़ी चिप निर्माता कंपनी होने के साथ-साथ एप्पल की सबसे बड़ी आपूर्तिकर्ता है। यह चिप इंसानी बाल के किनारे से भी छोटी होती है, जो कि पचास से एक लाख नैनोमीटर बारीक होती है। यह छोटी 'खास धार' वाली चिप बेहद शक्तिशाली होती है।

'सेमीकंडक्टर' को लेकर तकनीक के मोर्चे पर नई जंग, अमेरिका और चीन आमने-सामने

भविष्य में अमेरिकी, ताइवानी, चीनी और दुनिया की बाकी कंपनियों के बीच काफी रस्साकशी चलने वाली है। यह सब अत्याधुनिक 'लाजिक' और 'मेमरी चिप' उत्पादन के क्षेत्र में देखने को मिलेगा। अमेरिका चीन को नई खोज के संजाल से दूर रखना चाहेगा। वहीं चीन उन जगहों पर अपनी आपूर्ति शृंखला बनाने की कोशिश करेगा, जो अमेरिकी दबाव से मुक्त हैं। जब भी कोई ताकतवर देश 'एडवांस्ड कंप्यूटिंग' तकनीक हासिल करता है, तो वह उसका प्रयोग 'इंटेलिजेंस' और सैन्य प्रणाली में करता है। ताइवान और दूसरे एशियाई देशों पर निर्भरता के कारण अमेरिका इसे बनाने में अब तेजी ला रहा है। बाइडन प्रशासन चिप बनाने की तकनीक में चीन के आगे रोड़ा अटकाने की कोशिश कर रहा है। उसने इसे नियंत्रित करने के लिए पिछले साल कुछ नियमों की घोषणा की थी, जिनमें चीन को चिप्स बेचने, चिप बनाने के उपकरण और अमेरिकी साफ्टवेयर बेचने पर रोक थी।

भारत की बात करें तो सेमीकंडक्टर की मांग लगभग 24 बिलियन डॉलर है। 2026 तक यह मांग बढ़कर 100 बिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगी। 2030 तक ये आंकड़ा 110 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा। इलेक्ट्रॉनिक्स गैजेट्स के लिए भारत फिलहाल पूरी तरह आयात पर ही निर्भर है। देश में पेट्रोल और गोल्ड के बाद सबसे ज़्यादा आयात इलेक्ट्रॉनिक्स का होता है। इनमें भी करीब 27 फीसदी आयात सिर्फ सेमीकंडक्टर का ही होता है। दुनियाभर के लिए चिप का कारोबार कितना बड़ा है इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है 2026 तक भारत अपने इस मिशन पर 10 बिलियन डॉलर खर्च कर रहा है। वहीं अमेरिकी अगले दो साल में 208 बिलियन डॉलर और चीन इस पर करीब 1.4 ट्रिलियन डॉलर का निवेश करेगा।

-अविनाश जोशी,
वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक

नानूवाली बावड़ी में कुंभाराम लिफ्ट परियोजना की पाइप लाइन लीकेज

पाइप लाइन लीकेज होने से रोजाना हजारों लीटर पानी व्यर्थ बह रहा है

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी उपखंड के नानूवाली बावड़ी में पानी की लाइन लीकेज होने से पानी बर्बादी का मामला सामने आया है। यहां कुंभाराम लिफ्ट परियोजना की पाइपलाइन लीकेज होने से रोजाना हजारों लीटर पानी व्यर्थ बह रहा है।

ग्रामीणों ने बताया कि यह समस्या दो-तीन महीने से चल रही है और इसके कारण वार्डवासी काफी परेशान हैं। ग्रामीण अशोक सैनी ने बताया कि कुंभाराम लिफ्ट परियोजना का पाइप लाइन लीकेज होने से एक किलोमीटर तक पानी व्यर्थ बहता है, जो रास्ते में आने से आमजन को भी काफी परेशानी होती है। खेतड़ी में पानी की कमी और बढ़ गई है। एक तरफ जहां हजारों लीटर पानी व्यर्थ बह रहा है, वहीं खेतड़ी में आठ से दस दिनों में एक बार पानी आता है। ग्रामीण चंदगीराम सैनी ने बताया कि

कुंभाराम लिफ्ट परियोजना की पाइपलाइन लीकेज होने से रोजाना हजारों लीटर पानी व्यर्थ बह रहा है।

खेतड़ी में दस रोज से एक बार पानी आता है और वह पानी भी पर्याप्त मात्रा में नहीं आता है, जिससे कस्बेवासी बहुत परेशान है। कस्बेवासी अपने स्तर पर पानी की व्यवस्था करते हैं और महंगे भाव से पानी के टैंकर डलवाकर अपना काम चला

■ खेतड़ी में आठ से दस दिन में एक बार पानी आता है, कस्बेवासी परेशान

रहे हैं। सरकार की ओर से कुंभाराम लिफ्ट परियोजना के तहत पानी की आपूर्ति की जा रही है, लेकिन पाइपलाइन लीकेज होने से यह पानी व्यर्थ बह रहा है। यह अधिकारियों की ओर से बड़ी लापरवाही है और इससे आमजन को काफी परेशानी हो रही है। पानी की बर्बादी से ग्रामीणों में आक्रोश है। वहीं ग्रामीण अधिकारियों से इस समस्या का समाधान करने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि अधिकारियों को पाइपलाइन की मरम्मत करनी चाहिए और पानी की बर्बादी को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाने चाहिए।

कक्षा नौ और ग्यारह के परीक्षा कार्यक्रम में फेरबदल

बीकानेर, (निसं)। प्रदेश के नौंवी और ग्यारहवीं क्लास की राज्य स्तरीय समान परीक्षा के कार्यक्रम में फेरबदल कर दिया गया है। माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने दो और तीन मई को होने वाली परीक्षा को अब सात से दस मई के बीच कराने का निर्णय किया है। पहली बार प्रदेशभर में नौंवी और ग्यारहवीं की परीक्षा एक साथ हो रही है।

माध्यमिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि दो मई को सुबह पौने आठ बजे से ग्यारह बजे तक होने वाली कक्षा नौ का सामाजिक विज्ञान का पेपर अब इसी समय में सात मई को होगा। इसी तरह कक्षा नौ का स्वास्थ्य शिक्षा का पेपर अब गुरुवार आठ मई को सुबह पौने आठ बजे से

■ 2-3 मई को होने वाला पेपर अब 7 से 10 मई के बीच होगा, यह फेरबदल क्यों किया गया है, इस बारे में स्थिति स्पष्ट नहीं की गई है

ग्यारह बजे तक होगा। इसी तरह कक्षा 11 के पेपर में भी फेरबदल किया गया है। कक्षा ग्यारह का दो मई को होने वाला कृषि रसायन, रसायन विज्ञान, व्यावसायिक अध्ययन और इतिहास का पेपर अब सात मई को सुबह की पारी में होगा। इसी तरह तीन मई को होने वाला ग्यारहवीं का गृह विज्ञान का पेपर अब दस मई शनिवार को सुबह की पारी में होगा। सुबह की पारी सुबह पौने आठ बजे से ग्यारह बजे तक है। ये फेरबदल क्यों किया गया है इस बारे में स्थिति स्पष्ट नहीं की गई है। इससे पहले शिक्षा विभाग ने पांचवीं और आठवीं के बोर्ड पैटर्न एग्जाम करवाए थे, इसमें भी बार-बार फेरबदल किया गया।

राशिफल रविवार 27 अप्रैल, 2025

पंडित अनिल शर्मा

वैशाख मास, कृष्ण पक्ष, अमावस्या, रविवार, विक्रम संवत 2082, अश्विनी नक्षत्र रात्रि 1:01 तक, प्रीति योग रात्रि 12:19 तक, चतुष्पद करण दिन 2:55 तक, चन्द्रमा आज मेष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मेष, चन्द्रमा-मेश, मंगल-कर्क, बुध-मीन, गुरू-वृष, शुक्र-मीन, शनि-मीन, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से रात्रि 11:34 तक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 7:33 से 9:10 तक, लाभ अमृत 9:10 से 12:24 तक, शुभ 2:02 से 3:38 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 5:56, सूर्यास्त 6:53

मेष

मन:स्थिति में सुधार होगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। परिवार में वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा।

वृष

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मिथुन

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। आज अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

कर्क

अपने आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

सिंह

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

कन्या

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। परिवार में वाद-विवाद बढ़ सकते हैं। यात्रा में दुर्घटना का भय है।

तुला

परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी।

वृश्चिक

स्वास्थ्य में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

धनु

आत महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में सोच-विचार हो सकता है। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। घर-परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

मकर

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी।

कुंभ

आवश्यक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। आज नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है।

मीन

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

कलैक्टर लोक बंधु ने नरेगा कार्यों का निरीक्षण किया

अजमेर जिला कलैक्टर लोक बंधु ने देराठूं के बामनिया बालाजी के पास चरागाह में नाडी निर्माण कार्य तथा आव खुदाई के कार्य का निरीक्षण किया।

अजमेर, (कासं)। अजमेर जिले में चल रहे नरेगा कार्यों का शनिवार को जिला कलैक्टर लोक बंधु ने निरीक्षण किया।

नसीराबाद के उपखंड अधिकारी देवीलाल यादव ने बताया कि जिला कलैक्टर लोक बन्धु ने शनिवार को विभिन्न नरेगा कार्यों के निरीक्षण किया। उनके द्वारा शुक्रवार को रात्रि चौपाल के उपरांत क्षेत्र में ही रात्रि विश्राम किया गया था। इसके पश्चात उन्होंने देराठूं ग्राम पंचायत में चल रहे नरेगा कार्यों का आकस्मिक निरीक्षण किया। देराठूं के बामनिया बालाजी के पास चरागाह में नाडी निर्माण कार्य तथा आव खुदाई के कार्य का अवलोकन विभागीय अधिकारियों के साथ किया गया। इस दौरान गर्मी को देखते हुए राज्य सरकार के निर्देशानुसार आवश्यक व्यवस्थाएं करने के निर्देश प्रदान किए गए। कार्य स्थल पर छाया, पानी की पर्याप्त व्यवस्थाएं थी। गर्मी और मौसमी बीमारियों के अनुसार मेडिकल किट नरेगा साइट पर पाया गया। उन्होंने बताया कि जिला कलैक्टर द्वारा श्रमिकों द्वारा किए गए कार्य की नाप ली गई। इस कार्य को करने के संबंध में श्रमिकों के साथ चर्चा की। कार्य स्थल पर उपस्थिति की जांच के दौरान पोर्टल खोलकर पिछली उपस्थितियों से तुलना की गई। समूह में नाप के अनुसार कार्य पूर्ण करने के लिए निर्देशित किया गया। श्रमिकों को दिए गए कार्य को पूर्ण करने पर पूरा भुगतान मिलता है। इस संबंध में श्रमिकों को जागरूक भी किया गया। नरेगा की गाइडलाइन के अनुसार कार्य किए जाने चाहिए। कनिष्ठ तकनीकी सहायक (जेटीए) द्वारा कार्य की पूरी ब्रीफिंग श्रमिकों के साथ नियमित रूप से होनी चाहिए। समस्त ब्लॉक स्तरीय अधिकारी लगातार कार्य स्थलों का निरीक्षण कर सीधी मॉनिटरिंग सुनिश्चित करेंगे।

उन्होंने बताया कि निरीक्षण के दौरान कमियां पाए जाने पर जिला कलक्टर ने विकास अधिकारी महेश चौधरी को संबंधित के विरुद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिए। सहायक अभियंता आर. डी. गुर्जर को नोटिस जारी किया जाएगा। इसी प्रकार चारों नरेगा मेटों को भी ब्लैक लिस्ट किया जाएगा।

सार-समाचार

शूटर धीविजा चौधरी ने स्वर्ण पदक जीता

शूटर धीविजा चौधरी ने 11वीं सम्राट पृथ्वीराज चौहान मेमोरियल शूटिंग चैंपियनशिप में दोहरी सफलता हासिल की।

अजमेर, (कासं)। अजमेर के एसपीसी रेंज पटेल स्टेडियम की प्रतिभाशाली शूटर धीविजा चौधरी ने हाल ही में अजमेर में आयोजित 11वीं सम्राट पृथ्वीराज चौहान मेमोरियल शूटिंग चैंपियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए दोहरी सफलता हासिल की है। उन्होंने सब-यूथ कैटेगरी में ओपन साइट एयर राइफल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर अपनी सटीकता का परिचय दिया, वहीं इसी कैटेगरी में पीप साइट एयर राइफल स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अपने नाम किया।

सत्यनारायण भूमलिया प्रदेश अध्यक्ष बने

भीलवाड़ा, (नि.सं.)। महाराष्ट्र नागपुर में अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस के आयोजित चुनाव में राजस्थान प्रदेश के सत्यनारायण भूमलिया को राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष के पद पर निर्वाचित किया गया है। अखिल भारतीय राष्ट्रीय सफाई मजदूर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष चरण सिंह टांक और चुनाव अधिकारी जय सिंह कछवाह ने सत्यनारायण भूमलिया को उनका नियुक्ति पत्र प्रदान किया। नागपुर में छीतर मल गेंगट ने राष्ट्रीय अध्यक्ष चरण सिंह टांक का स्वागत किया। सत्यनारायण भूमलिया ने अपनी जीत पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि आभारी हूं कि उन्होंने मुझ पर विश्वास जताया। मैं राजस्थान में सफाई कर्मचारियों के कल्याण के लिए पूरी निष्ठा से काम करूंगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष चरण सिंह टांव व चुनाव अधिकारी जय सिंह कछवाह ने भी सत्यनारायण भूमलिया को शुभकामना दी।

बाल विवाह रोकने के लिए जागरूक किया

भीलवाड़ा, (नि.सं.)। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा अक्षय तृतीया के अवसर पर होने वाले बाल विवाह को रोकने के लिए चलाए जा रहे बाल विवाह मुक्त अभियान के तहत बाल अधिकारिता विभाग एवं जिला बाल संरक्षण इकाई द्वारा तेलीखेड़ा गांव में जागरूकता गतिविधि आयोजित की गई। जागरूकता गतिविधि के दौरान महिलाओं को बाल बाल विवाह रोकने के प्रति जागरूक किया गया एवं बाल विवाह के दुष्परिमाण के बारे में बताया गया। महिलाओं के साथ बाल विवाह रोकथाम के लिए रैली निकाली गई एवं बाल विवाह की शपथ दिलाई गई। बाल विवाह की सूचना चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 पर देने के लिए बताया गया, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 पर सूचना देने वाले का नाम गोपनीय रखा जाता है। इस दौरान धर्मराज प्रतिहार सहायक निदेशक बाल अधिकारिता विभाग के निर्देशानुसार बाल अधिकारिता विभाग के संरक्षण अधिकारी अनुराधा तोलंबिया, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 के केस वर्कर सुमन साहू, आंगनवाड़ी सहायिका मंजू देवी सहित महिलाएं मौजूद रही।

छह कक्षाओं का निर्माण कार्य करवाया

भीलवाड़ा, (नि.सं.)। राउंड टेबल इंडिया की प्रमुख सामाजिक पहल 'फ्रीडम थ्रू एजुकेशन' के अंतर्गत, भीलवाड़ा के नारायणपुरा में छह कक्षाओं के निर्माण कार्य को सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। आज आयोजित एक भव्य समारोह में इन कक्षाओं को स्थानीय सरकारी विद्यालय को विधिवत रूप से सौंप दिया गया। इस कार्यक्रम में राउंड टेबल इंडिया के नेशनल प्रेसिडेंट चैतन्य देव सिंह, एरिया चेयरमैन (राजस्थान) अनुतोष संचेती, भीलवाड़ा यूनाइटेड राउंड टेबल 184 के चेयरमैन मेहुल रारा तथा भीलवाड़ा यूनाइटेड लेडीज़ सर्कल 96 की चेयरपर्सन मोनिका दरक विशेष रूप से उपस्थित रहे। टेबल सचिव मनीष गुप्ता, प्रोजेक्ट कन्वीनर गौरवजी दरक एवं संध्या शर्मा तथा सभी अतिथियों ने इस सफल पहल के लिए टीम की सराहना की और शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर योगदान की प्रतिबद्धता व्यक्त की। भीलवाड़ा यूनाइटेड राउंड टेबल 184 ने इससे पूर्व भी 9 स्कूल परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूर्ण किया है। इस नवीनतम परियोजना के साथ, संस्था ने अब तक कुल 10 स्कूलों का निर्माण कार्य कर शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है।

पहलगाम के शहीदों को श्रद्धांजलि दी

मदनगंज-किशनगढ़,(निस)।अजमेर जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक में पहलगाम में आतंकी हमले में शहीद हुए शहीदों को दो मिनिट का मौन रख श्रद्धांजलि दी और आतंकवाद का पुतला फूंका। राजीव गांधी स्मृति भवन में आयोजित बैठक में एआईसीसी सचिव व राजस्थान सह प्रभारी पूनम पासवान व जिला प्रभारी चेतन डूडी के किशनगढ़ पहुंचने पर स्वागत किया। विधायक विकास चौधरी के नेतृत्व में ब्लॉक कमेटी द्वारा अथितियों का राजस्थानी परंपरानुसार साफा पहनाकर व स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया। विधायक डॉ चौधरी ने कहा कि आंतकी हमला मानवता पर हमला है। दोषियों को गिरफ्तार कर सख्त से सख्त सजा दिलाने होगी। इस दौरान ब्लॉक अध्यक्ष सत्यनारायण बटेश्वर, नगर अध्यक्ष आजम कुरैशी, नगर परिषद प्रतिपक्ष नेता हमीदा बानो, मंडल अध्यक्ष रतन कस्बा, रामधन माली, ब्लाक महासचिव राजू गुर्जर, संगठन मंत्री मूलचंद शर्मा, जिला परिषद सदस्य गणेश गुर्जर, जगदीश गौरा, हनुमान गौरेली, सरपंच कानाराम, पार्षद सुशील अजमेरा, रामसिंह मीणा, गोविंद मेघवंशी आदि मौजूद रहे।

क्रिकेट प्रति. ऑडिट एवेंजर्स ने जीती

मदनगंज-किशनगढ़,(निस)। आईसीएआई शाखा की ओर से क्रिस्टल पार्क के सामने क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। साथ ही पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए निर्दोष लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त कर श्रद्धांजलि अर्पित कर शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट की। क्रिकेट प्रतियोगिता में ऑडिट एवेंजर्स, टैक्स टाइटन्स, क्रेडिट चैंपियंस, डेबिट डायनेमोस आदि टीमों ने भाग लिया। अध्यक्ष सीए विवेक गर्ग ने बताया कि सभी टीमो का प्रदर्शन सराहनीय रहा। ऑडिट एवेंजर्स टीम कप्तान अभिषेक कासलीवाल के नेतृत्व में फाइनल मुकाबला जीता। रनर-अप टैक्स टाइटन्स टीम कप्तान विवेक गर्ग ने किया। सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज अभिषेक कसलीवाल, चेतन लड्ढा व सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज अभिषेक कसलीवाल रहे। सचिव जितेश कोठारी के अनुसार रविवार को किशनगढ्ढ शाखा भवन पर जीएसटी पर सेमिनार का आयोजन होगा।

गांधी प्रांतीय मुख्य मीडिया प्रभारी बने

अजमेर, (कासं)। लायंस क्लब प्रांत 3233 ई 2 प्रांतपाल (2025-26)लायन रामकिशोर गर्ग ने एमजेएफ लायन राजेंद्र गांधी को डिस्ट्रिक चीफ मीडिया कॉर्डिनेटर नियुक्त किया है । लायंस क्लब अजमेर पृथ्वीराज के वरिष्ठ सदस्य लायन राजेंद्र गांधी इससे पूर्व भी लायंस के प्रचार प्रसार के लिए सेवाएं दे रहे है। पिछले 15 वर्षों से लायंस के मीडिया प्रभारी के साथ साथ प्रांत के विभिन्न पदों पर रह चुके है । गांधी का कार्यक्षेत्र राजस्थान एवं मध्यप्रदेश के 150 से अधिक क्लब्स एवं कार्यकाल 1 जुलाई 25 से 30 जून 26 तक रहेगा।

संकटमोचन हनुमान मंदिर के बाहर छाछ पिलाई

■ गर्मी से त्रस्त लोगों को शीतलता प्रदान करने की भावना से सेवा कार्य किया

भीलवाड़ा, (नि.सं.)। प्रचण्ड गर्मी से त्रस्त लोगों को शीतलता प्रदान करने की भावना से शनिवार को गोलप्याऊ के पास स्थित श्री संकटमोचन हनुमान मंदिर की ओर से मंदिर परिसर के बाहर हजारों लोगों को नि:शुल्क शीतल छाछ पिलाई गई।

मंदिर के महन्त बाबूगिरी महाराज की प्रेरणा से उनके सानिध्य में हनुमानजी महाराज के भक्तों के सहयोग से सुबह 10 बजे से छाछ का वितरण शुरू हुआ। आयोजन की शुरूआत हरिशेवाधाम के महामंडलेश्वर हंसाराम महाराज एवं महंत बाबूगिरी महाराज ने जय श्रीराम एवं संकटमोचन हनुमानजी महाराज के जयकारों की गूंज के बीच राहगीरों को छाछ पिलाकर कर की। क्षेत्र से गुजर रहे लोगों ने वहां पहुंच शीतल छाछ को पीकर गर्मी से राहत की अनुभूति की। विधायक अशोक कोठारी ने भी वहां पहुंच सेवा कार्य में सहयोग किया। लोगों ने गर्मी से राहत प्रदान करने के प्रयासों के तहत इस तरह की पहल को सराहनीय बताया। छाछ वितरण के लिए सरस डेयरी से पांच हजार लीटर छाछ का टेंकर मंगाया गया था। इसके माध्यम से दस हजार से अधिक लोगों को शीतल छाछ पिलाई गई। हजारों भक्तों को छाछ पिलाने के लिए मंदिर परिसर के बाहर छाया का भी विशेष प्रबंध किया गया था। आयोजन को सफल बनाने ओर लोगों को छाछ पिलाने के कार्य में मंदिर ट्रस्ट के महावीर अग्रवाल, रमेश बंसल, सांवरमल बंसल, गजानंद बजाज, पीयूष डाड, कन्हैयालाल स्वर्णकार, डॉ.उमाशंकर पुरोहित, बद्रीलाल सोमानी, रामेश्वरलाल ईनाणी, पार्षद ओम पाराशर,पिंकेश पुरी, रेखा परिहार, विक्रम सोनी, राजेश कुदाल, भानुप्रताप सिंह राणावत, दिलीप कोगटा, मुकेश मणियार, हेमन्त पुरी, विमल डागा, गगन जैन, दीपक सिंधी, आशीष पाराशर, रामकिशोर आदि ने सहयोग प्रदान किया। शीतल छाछ का वितरण दोपहर तक होता रहा। गौरतलब है कि श्री संकटमोचन हनुमान मंदिर महन्त बाबूगिरीजी महाराज की प्रेरणा से सेवा कार्यो में सदा अग्रणी रहा है। हनुमान जयंति, जन्माष्टमी व अन्नकूट जैसे अवसरों पर भव्य विशाल आयोजनों के मानव सेवा के कई कार्य हो रहे है।

राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय अजमेर के प्रिंटिंग टेक्नोलोजी ब्रांच के विद्यार्थियों ने कार्यवाहक विभागाद्यक्ष कृष्ण गोपाल एवं प्रवक्ता रविन्द्र सिंह के नेतृत्व में 9 नंबर पेट्रोल पंप पर स्थित शर्मा प्रिन्टर्स का औधोगिक भ्रमण किया। भूतपूर्व प्रिंटिंग विभाग के छात्र राकेश मिश्रा एवं सहायक चित्रांश शर्मा ने शर्मा प्रिन्टर्स के मालिक गुंजन शर्मा की ओर से फ्लेक्स बैनर डिज़ाइनिंग एवं प्रिंटिंग का लाइव डेमो देकर विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया व मुद्रण प्रकिया की जानकारी दी।

मनोहरपुरा में उपखंड स्तरीय रात्रि चौपाल लगी

सरवाड़, (निसं)। ग्राम पंचायत मुख्यालय मनोहरपुरा में उपखंड स्तरीय रात्रि चौपाल का आयोजन उपखंड अधिकारी गुरु प्रसाद तंवर की अध्यक्षता में आयोजित हुई की गई ।

इस अवसर पर गोपाल लाल धाकड़ ने उपखंड स्तरीय रात्रि चौपाल के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि रात्रि चौपाल में ग्रामीणों द्वारा 11 शिकायतें प्राप्त हुई।

वहीं प्राप्त शिकायतों में से 5 का मौके पर ही निस्तारण किया गया । उपखंड अधिकारी ने रात्रि चौपाल में जानकारी देते हुए बताया कि विभागीय आदेशानुसार रास्ता खोलो अभियान चलाया जा रहा है जिसमे खेतों के बंद रास्तों को खुलवाया जा रहा है रात्रि चौपाल में पशुपालन विभाग विद्युत विभाग कृषि विभाग राजस्व विभाग महिला एवं बाल विकास विभाग जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे वहीं रात्रि चौपाल में शेष रही 6 शिकायती आवेदनों को सम्बंधित विभाग को प्रेषित कर निवारण हेतु निर्देशित किया गया।

मौके पर नायब तहसीलदार राकेश कुमार, अतिरिक्त विकास अधिकारी संजय तोषनीवाल, उप प्रधान विष्णु प्रसाद शर्मा, कनिष्ठ अभियंता जन स्वास्थ्य सुरेश बैरवा, कनिष्ठ अभियंता एवीवीएनएल अभिषेक पारीक, उपखंड कार्यालय से गोपाल धाकड़, कृषि पर्यवेक्षक मुकेश कुमार मेघवंशी, भू अभिलेख निरीक्षक धर्मेंद्र पहाड़ियां, पटवारी भागचन्द कुमावत, ग्राम विकास अधिकारी दिनेश कुमार शेरावत, सहायक कृषि अधिकारी गोपाल लाल बैरवा व इंजीनियर विद्युत विभाग रमेश कुमार धाकड़ सहित अनेक अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

बिजली सप्लाई बाधित रहेगी

मसूदा, (नि.सं.)। रविवार को रामगढ़, लोडियाना व मसुदा जीएसएस से चलने वाले 11 केवी फीडर नाकोडा,लोडियाना शहरी, कुशालपुरा पर मरम्मत कार्य से विद्युत सप्लाई सुबह 7 से दोपहर 1 तक बंद रहेगी। इस संबंध में मसूदा विद्युत वितरण निगम के कनिष्ठ अभियंता ने जानकारी दी।

अंबेडकर नवयुवा मंच की कार्यकारिणी गठित

आसींद, (निसं)। शुक्रवार को आसींद नगर के युवाओं को बाबा साहेब अंबेडकर,वीर बिरसा मुंडा, महात्मा ज्योतिबा फुले की विचारधारा से जोड़ने, समाज को एकता के सूत्र में बांधने व समाज को जाग्रत करने के लिए आसींद नगर में अंबेडकर नवयुवा मंच की कार्यकारणी गठित की गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सर्व सहमति से बैठक में अंबेडकर नवयुवा मंच के अध्यक्ष पद पर हेमंत अटवाल को नियुक्त किया गया।

अध्यक्ष हेमंत अटवाल ने नवीन दायित्व प्राप्त कर कहा कि संगठन द्वारा प्राप्त पद के निर्वहन के लिए हमेशा बाध्य रहेंगे। आसींद कस्बे में डॉक्टर भीमराव अंबेडकर मूर्ति को लेकर नव नियुक्त अध्यक्ष हेमंत ने कार्यकर्ताओं को आश्वस्त किया कि बहुत जल्द प्रयास कर के आसींद बस स्टैंड पर बाबा साहब की मूर्ति स्थापित की जाएगी।

कार्यकारिणी में अध्यक्ष हेमंत अटवाल, महासचिव किशन भील, उपाध्यक्ष कमलेश बैरवा, महामंत्री,अविनाश अटवाल, संगठन मंत्री सागर अटवाल, संयोजक प्रहलाद रैगर, कोषाध्यक्ष ताराचंद कामड, मीडिया प्रभारी हेमराज अटवाल, सचिव आकाश अटवाल, सह संयोजक राकेश खटीक, सह सचिव नितेश रैगर, सह कोषाध्यक्ष पूरण रैगर, अंकेषक दिलीप भील, संरक्षक पद पर राजू मेघवंश, गणपत खटीक,सुनील रैगर, विनीत को नियुक्त किया गया। कार्यकारिणी विस्तार कार्यक्रम के इस मौके पर मुख्य अतिथि सोहन मेघवंशी और रामदेव मेघवंशी, अशोक,यशपाल व हीरालाल भील आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्रेम प्रकाश आश्रम में सत्संग प्रवचन

अजमेर, (कासं)। मानव जीवन का उद्देश्य परमात्मा का नाम जपने के लिए मिला है, यह दुर्लभ जीवन योनि है, अन्य योनियो में सतगुरू का संग संभव नहीं होता है। प्रेम प्रकाश मंडलाचार्य आश्रम के संत स्वामी ब्रह्मानंद शास्त्री ने अपने सत्संग प्रवचनों यह बात कही।

प्रेम प्रकाश मंडल आश्रम के संत स्वामी जस महाराज ने बताया कि श्रद्धालुओं द्वारा अपने गुरु की महिमा में महिला मंडल द्वारा भी सिन्धी में भी भजनो की प्रस्तुति दी गई। पूज्य सिन्धी पंचायत अजमेर के महासचिव रमेश लालवानी ने बताया कि आश्रम में अनेक सन्तो महात्माओ के सत्संग एवं भजन कीर्तन का आयोजन सन्त स्वामी ब्रम्हानन्द शास्त्री के सान्निध्य में आयोजन किए जा रहे है। आरती पूजन और पल्लव प्रार्थना के पश्चात प्रसाद वितरण किया।

आम सूचना

मेरी मां रुकमा पत्नी लालू जाट निवासी खंडाच तहसील किशनगढ़ जिला अजमेर की मृत्यु दिनांक 1 फरवरी 1982 को निवास स्थान पर हो गई। इनका मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने के लिये तहसील कार्यालय किशनगढ़ में आवेदन किया है। इस संबंध में किसी संस्था व्यक्ति को आपत्ति हो तो 7 दिवस में अपनी आपत्ति तहसीलदार किशनगढ़ के समक्ष दर्ज कराये, बाद मियाद कोई भी आपत्ति स्वीकार नहीं होगी। प्रार्थी- रिद्धकरण पुत्र लालू जाट गांव खंडाच

कार्यालय नगर परिषद पुष्कर जिला अजमेर राजस्थान
सदर बाजार बड़ी घाट के पास पुष्कर
E-mail:np.pushkar.nagarpalika@gmail.com Ph. 01452773025
क्रमांक: न.प.पु./भूमि/2025/42 **आपत्ति सूचना** दिनांक: 25/4/2025

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्न व्यक्ति द्वारा नामान्तरण हेतु आवेदन पेश किया है। अतः आवेदक के बख्शीशुदा/खरीदशुदा सम्पति हक हकुक एवं मालिकाना स्वामित्व संबंधी किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो इस विज्ञप्ति के प्रकाशन के तिथि से 7 दिवस में अपनी आपति मय प्रमाण प्रस्तुत करें। आपत्ति समयावधि बाद प्रस्तुत करने पर मान्य नहीं होगी तथा परिषद द्वारा नियमानुसार नामान्तरण की कार्यवाही प्रस्तावित की दी जायेगी, जिसके बाद में कोई आपति मान्य नहीं होगा। विवरण निम्नानुसार हैं।

क्रंस.	आवेदक/पिता/पति का नाम	स्थान जहां सम्पति स्थित है	चतुर्थ सीमा	
1.	श्री ओमप्रकाश पुत्र राधा किशन जाखेटिया निवासी- महादेव चौक, छोटी बस्ती पुष्कर	प्लॉट नं. 29 वाके आई.टी.एस.एम.टी. कॉलोनी के पास बूढा पुष्कर बाई पास लिंक रोड पुष्कर	पूर्व- प्लाट नं. 30 पश्चिम- प्लाट नं. 28	उत्तर- प्लाट सं. 38 दक्षिण- 40 फुट चौडा रास्ता

आयुक्त
नगर परिषद पुष्कर

कार्यालय ग्राम पंचायत कटसूरा, पंचायत समिति अरांई अजमेर
क्रमांक: ग्रा.प.क/निर्माण/2025-26/05-02 दिनांक: 24/4/2025
सीमित निविदा सूचना

पंचायत समिति अरांई की अधीनस्थ ग्राम पंचायत कटसूरा में कार्य का नाम 1. ग्राम कटसूरा में धौलपुरिया रोड पर चारागाह में हैण्डपम्प, 2. ग्राम कटसूरा में किशनगढ रोड पर रतन घासल की केबिन के पास हरडा में हैण्डपम्प 3. ग्राम कटसूरा बगीची में सार्व टयुबवेल मय मोटर स्थापना के लिए सिमित निविदाएं आमंत्रित कि जाती है। विस्तृत विवरण http://sppp.rajasthan.gov.in देखा जा सकता है।
NIB NO- ZAJ2526A0105
UBN NO- 1. ZAJ2526WSOB000105
2. ZAJ2526WSOB000106
3. ZAJ2526WSOB00107

ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत कटसूरा, पं.स.अरांई, जिला अजमेर
प्रशासक, ग्राम पंचायत कटसूरा, पं.स.अरांई, जिला अजमेर

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार
राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान
विशिष्ट श्रेणी के अंतर्गत मानित विश्वविद्यालय
मैं कैंपस: नाइलिट रोपर, बड़ा फूल, रूपनगर (रोपर), पंजाब-140001
आर.ई.एस.प्रोवि.सं.नाइलिट
कांस्टीट्यूएंट कैंपस: अगरतला, आइजोल, औरंगाबाद, कालीकट, गोरखपुर, इंफाल, इटानगर, केकरी (अजमेर), कोहिमा, पटना, श्रीनगर

हमारे बारे में — प्रवेश 2025-26 के लिए खुला

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (NIELIT) UGC (विश्वविद्यालय माने जाने वाले संस्थान) विनियम, 2023 के अनुसार विशिष्ट श्रेणी के अंतर्गत एक डीम्ड विश्वविद्यालय है। यह भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अंतर्गत आने वाला एकमात्र विश्वविद्यालय है। विश्वविद्यालय यूजी, पीजी और डिप्लोमा स्तर पर इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी कार्यक्रम प्रदान करता है, जो इसके मुख्य परिसर और 11 अन्य घटक इकाइयों में अनुसंधान और उद्योग-प्रासंगिक हैं।
सीबीसी 06141/12/0003/2526

मुख्य विशेषताएं
स्मार्ट लैब | साइबर फोरेंसिक लैब | आभासी अकादमी

27 इंडियाअल डाटा लैब
- कृत्रिम बुद्धिमत्ता कौशल के साथ भावी कार्यबल को सशक्त बनाना
- उच्च स्तरीय मशीनों वाली प्रयोगशालाएँ
- टियर 2 और टियर 3 शहरों में सेटअप

अभी अप्लाई करें

राउंड 1: आवेदन करने की अंतिम तिथि: 20/05/2025, प्रवेश परीक्षा तिथि: से 05/06/2025 से 12/06/2025
राउंड 2: आवेदन करने की अंतिम तिथि: 11/07/2025, प्रवेश परीक्षा तिथि: से 01/08/2025 से 08/08/2025

प्रस्तावित कार्यक्रम (2025-26)

मास्टर डिग्री कार्यक्रम	परिसर
आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में एम.टेक.	रोपर, इंफाल, औरंगाबाद
डेटा इंजीनियरिंग में एम.टेक.	अगरतला, रोपड़
ऑटोमोटिव इलेक्ट्रॉनिक्स में एम.टेक.	कालीकट, चिल्लाना
इलेक्ट्रॉनिक डिजाइन और प्रौद्योगिकी में एम.टेक.	कालीकट, गोरखपुर
एम्बेडेड सिस्टम में एम.टेक.	कालीकट
एम्बेडेड सिस्टम और वीएलएसआई डिजाइन में एम.टेक.	औरंगाबाद, गोरखपुर
साइबर फोरेंसिक में एम.टेक.	श्रीनगर
साइबर फोरेंसिक और सूचना सुरक्षा में एम.टेक.	चिल्लाओ, कोहिमा
IoT और सेंसर सिस्टम में एम.टेक.	चिल्लाहट
आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा साइंस में एम.टेक.	अजमेर
कम्प्यूटर एप्लीकेशन में मास्टर (एमसीए)	पटना, आइजोल, इंफाल, कोहिमा, श्रीनगर
जैव सूचना विज्ञान में एम.एस.सी.	इंफाल
कंप्यूटर विज्ञान में एम.एससी. (डेटा विज्ञान में विशेषज्ञता के साथ)	कालीकट, ईटानगर
आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग में एम.एससी.	श्रीनगर
सूचना प्रौद्योगिकी में एम.एस.सी.	अगरतला, इम्फाल

बैचलर डिग्री प्रोग्राम	परिसर
इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में बी.टेक.	औरंगाबाद
कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग में बी.टेक.	पटना, औरंगाबाद
कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग में बी.टेक. (एआई और एमएल)	चिल्लाहट
बी.टेक इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग - लेटरल एंट्री	औरंगाबाद
कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग में बी.टेक. - लेटरल एंट्री	औरंगाबाद, पटना
कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग में बी.टेक. (एआई और एमएल) - लेटरल एंट्री	चिल्लाहट
कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग में बी.टेक. (एआई और एमएल में माइनर के साथ)	गोरखपुर
इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग में बी.टेक. (पहनने योग्य इलेक्ट्रॉनिक्स में मामूली डिग्री के साथ)	गोरखपुर
कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग में बी.टेक. (ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी सहित IoT और साइबर सुरक्षा)	अजमेर
कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग में बी.टेक. (ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी सहित IoT और साइबर सुरक्षा) - लेटरल एंट्री	अजमेर
बैचलर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन (बीसीए)	अगरतला, पटना, अजमेर, आइजोल, इंफाल, कोहिमा, श्रीनगर
कंप्यूटर विज्ञान में बी.एस.सी.	इंफाल, कोहिमा
आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में बी.एससी. यंत्र अधिगम	श्रीनगर

पीजी डिप्लोमा कार्यक्रम	परिसर
पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन कंप्यूटर एप्लीकेशन (पीजीडीसीए)	इंफाल, कोहिमा

डिप्लोमा कार्यक्रम	परिसर
कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग	रोपर, अजमेर, आइजोल, इंफाल
कंप्यूटर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी	अगरतला
इलेक्ट्रॉनिक्स और दूरसंचार इंजीनियरिंग	अगरतला, आइजोल
इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार इंजीनियरिंग	इंफाल
इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन एवं रखरखाव	औरंगाबाद

जानकारी के लिए: https://nielit.ac.in/
प्रवेश संपर्क: अजमेर परिसर डॉ. एल. श्यामसुंदर सिंह 9856089205
@nielitindia संपर्क करें: www.nielit.gov.in

पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में चूरू, झुंझुनूं शांतिपूर्ण बंद रहे

विहिप और बजरंग दल के आव्हान पर व्यापारियों ने अपने प्रतिष्ठान पूरे दिन बंद रखे

चूरू, (निसं)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम के बैसरन घाटी में आतंकवादियों द्धारा 27 पर्यटकों की निर्मम हत्या करने के विरोध में शनिवार को चूरू के बाजार पूर्णतया: शांतिपूर्वक बंद रहे। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के आव्हान पर व्यापारियों ने अपने-अपने प्रतिष्ठान पूरे दिन बंद रखकर मृतक पर्यटकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। गढ़ चौराहे पर संगठन के कार्यकर्ताओं व सर्व समाज के लोगों ने इकट्ठा होकर इस्लामिक आतंकवाद और पाकिस्तान का पुतला फूंककर जमकर विरोध प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद के जिला उपाध्यक्ष मेजर विनोद शर्मा ने बताया कि जम्मू-कश्मीर में धारा 370 हटने के बाद आतंकवादियों ने पहलगाम घाटी में पर्यटकों को उनका धर्म पूछकर मौत के घाट उतार दिया, जिसकी संपूर्ण देश ने निंदा की है। केन्द्र सरकार ने तुरंत संज्ञान लेते हुए पाकिस्तान के साथ हुए सिंधु समझौते को बन्द कर दिया। साथ ही पाकिस्तान के लोगों को 24 घण्टे में भारत छोड़ने के निर्देश भी दिए थे।

इस घटना को लेकर चूरूवासियों में भी व्यापक आक्रोश देखने को मिला। इस दौरान जिला संघ संचालक ओम प्रकाश सैनी ने भी आतंकवाद को जमकर कोसा और प्रशिक्षु एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर शहर के अनेक स्थानों पर पुलिस प्रशासन मुस्तैद था। इस अवसर पर हरीश बजाज, महेश गौड़, विनोद राठी, कपिल चंदेल, विनोद औझा, गोपीराम शर्मा, बजरंग दल सह संयोजक कमलेश राव, सुनील भाऊवाला, सुरेश सारस्वत, मुकेश सैन, आशीष चोटिया, राकेश सोनी, प्रदीप सिंह ढाढ़र, विमला शर्मा, किशोर चंदेल सहित बड़ी संख्या में शहरवासी उपस्थित थे।

चूरू में व्यापारियों ने अपने-अपने प्रतिष्ठान पूरे दिन बंद रखकर मृतक पर्यटकों को श्रद्धांजलि दी।

- झुंझुनूं में मेडिकल, दूध व अन्य आवश्यक सेवाओं को बंद से बाहर रखा गया, लोगों ने आतंकी हमले की निंदा की

झुंझुनूं बंद को मुस्लिम संगठन और जनवादी संगठनों ने समर्थन दिया

झुंझुनूं, (निसं)। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध और मृतकों को श्रद्धांजलि देने के लिए शनिवार को झुंझुनूं शहर बंद रहा। झुंझुनूं शहर बंद पूरी तरह से सफल रहा। इस बंद का आव्हान हिंदूवादी संगठनों ने किया था, जिसके बाद मुस्लिम संगठन और जनवादी संगठनों ने भी इस बंद को अपना समर्थन दिया। बंद में निजी स्कूलें और आटो यूनियन भी शामिल रही। बंद के दौरान झुंझुनूं शहर में चारों तरफ सन्नाटा पसरा रहा। मुस्लिम इलाकों में भी बाजार पूरी तरह से बंद रहे और सन्नाटा पसरा रहा।

बंद सफल के बाद सभी संगठनों के प्रतिनिधि रैली के रूप में कलेक्ट्रेट पहुंचे, जहां पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाए और वक्ताओं ने इस घटना का बदला लेने के लिए केंद्र सरकार से अपील की। वक्ताओं ने कहा कि इस तरह की घटना ने पूरे देश को हिला दिया है। अब समय आ गया है कि पाकिस्तान को मुंह तोड़ जवाब देना चाहिए। इसके बाद राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन दिया गया। अब तक ऐसे किसी ज्ञापन को देने के लिए कलेक्टर के पास एक प्रतिनिधिमंडल जाता है, लेकिन बंद करवा रहे संगठनों के प्रतिनिधियों की भावना और मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला कलेक्टर रामावतार मीणा खुद अपनी कुर्सी छोड़कर कलेक्ट्रेट के बाहर पहुंचे और ज्ञापन लिया। कलेक्टर के इस कदम की सभी संगठनों ने प्रशंसा करते हुए झुंझुनूं कलेक्टर जिंदाबाद के नारे भी लगाए। इससे पहले दुकानें, बाजार, व्यावसायिक प्रतिष्ठान पूरी तरह बंद रहे। हालांकि मेडिकल, दूध व अन्य आवश्यक सेवाओं को इससे बाहर रखा गया था। बंद के दौरान लोगों ने आतंकी हमले की निंदा करते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

- बंद में निजी स्कूलें और आटो यूनियन भी शामिल रही, बंद के दौरान झुंझुनूं शहर में चारों तरफ सन्नाटा पसरा रहा

बंद में गौ संवर्धन संस्थान के जिलाध्यक्ष प्रवीण स्वामी, विश्व हिंदू परिषद के योगेंद्र कुंडलवाल, जिला मंत्री जयराज जांगिड़, बजरंग दल के सुशील प्रजापति, राजपूत समाज के रविंद्र तोलियासर, अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के संदीप गोयल, श्रीगणेश युवा मंडल अध्यक्ष अनिल शर्मा, हिंदू नागरिक मंच के धर्मेन्द्र तंवर, श्रीबालाजी व्यायामशाला के सोनू नायक की अगुवाई में शांतिपूर्ण किया गया। उसके बाद सर्व हिंदू समाज के सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ भाजपा राष्ट्रीय परिषद प्रतिनिधि विश्वंभर पूनियां, डॉ. राजेश बाबल, कुलदीप पूनियां, प्रमोद जानूं, रामगोपाल महमिया, कैलाश शर्मा टैक्सी यूनियन, भोपालसिंह बस यूनियन अध्यक्ष, सूरजगढ़ से नवीन रामबास, महेश जीनगर, अजीत जखोड़ा, पार्षद संजय पारीक, चंद्रप्रकाश शुक्ला, विजय कुमार सैनी, प्रमोद खंडेलिया, रणवीर झुरिया, पंकज टेलर, जगदीश गोस्वामी, सोनू पुरोहित, एडवोकेट पंकज बावलिया, सुनील प्रधान, नरेंद्र शर्मा, सौरभ पुरोहित, जयकिशन शर्मा, श्रीकांत पंसारी, अनूप गाडिया, कमल केजड़ीवाल, सौरभ जोशी, विजयशंकर जोशी की अगुवाई में आक्रोश रैली गांधी चौक से कलेक्ट्रेट तक निकाली गई। पहली बार झुंझुनूं में ऐतिहासिक बंद रहा। इसमें मुस्लिम समाज का भी योगदान रहा। उनके प्रतिष्ठान पूर्णतया बंद रहे। उन्होंने मीटिंग लेकर के बंद का समर्थन किया था।

राजस्थान में भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर बीएसएफ ने सख्ती बढ़ाई

बीकानेर के देशनोक करणी मंदिर सहित सभी प्रमुख स्थलों पर पुलिस और गुप्तचर एजेंसियों की नजर

बीकानेर, (निसं)। पहलगाम में आतंकी घटना के बाद राजस्थान में भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर बीएसएफ ने सख्ती बढ़ा दी है। राजस्थान सेक्टर पर स्थित सभी पर्यटन स्थलों पर सिक्योरिटी बढ़ाई गई है।

राजस्थान सेक्टर के आईजी एमएल गर्ग ने कहा कि बीकानेर के देशनोक करणी मंदिर सहित सभी प्रमुख स्थलों पर पुलिस और गुप्तचर एजेंसियां नजर रखे हुए है। प्रशासन और पुलिस के साथ मिलकर निगरानी रखी जा रही है। आईजी ने कहा कि बीएसएफ हमेशा हर हालात से निपटने में सक्षम है। आईजी पश्चिमी राजस्थान से सटे बॉर्डर की चैक पोस्ट का निरीक्षण कर रहे हैं। इस दौरान बीकानेर में मीडिया से बात करते हुए पहलगाम की घटना से जुड़े सवाल पर कहा कि घटना कहीं भी हो सकती है। हमें सरकार और फोर्स के साथ खड़े होना है। किसी भ्रम में नहीं पड़ना है। ऐसा नहीं है कि किसी चीज का जवाब नहीं दिया जाएगा। ये दो देशों के बीच का मुद्दा है, इसे अन्य किसी नजरिए से नहीं देखना चाहिए। पिछले दो दिन में जैसलमेर और बीकानेर सेक्टर की पोस्ट का निरीक्षण किया गया है। सभी पोस्ट अलर्ट हैं। कहीं किसी तरह की समस्या नहीं है।

आईजी ने पाकिस्तानी नागरिकों को निकालने के मुद्दे पर कहा कि ये काम प्रशासन कर रहा है। सीमा सुरक्षा बल की पोस्ट पर जवानों से मिलने और चर्चा करने के सवाल पर गर्ग ने कहा कि ये सामान्य गतिविधि है। दिल्ली से लेकर फ्रंटियर तक जवानों से मुलाकात हो रही है। अधिकारियों के साथ मीटिंग हो रही है ताकि कोई एक्शन हो तो सभी को सूचना रहें। कहीं किसी तरह की लापरवाही ना रहें। आईजी ने कहा कि क्या हुआ है, हम सभी को पता है। इस दौरान कई तरह की भ्रामक खबरें आती हैं। किसी तरह के बहकावे में न आएं और न ही उन पर किसी तरह का कमेंट करना चाहिए। गर्ग ने इशारा किया कि सभी तरह की सोशल मीडिया पर नजर रखी जा रही है। गर्ग ने बताया कि राजस्थान में तापमान बढ़ रहा है। इस बार पचास डिग्री से ऊपर जाएगा। ऐसे में सीमा पोस्ट पर बैठे जवानों के लिए सुविधाएं बढ़ाई जा रही है। पोस्ट पर छाछ-दही इत्यादि हर रोज उपलब्ध कराए जा रहे हैं। जवान को गर्मी से बचाने की कोशिश हो रही है। वैसे बीएसएफ का जवान सर्दी और गर्मी दोनों की प्रतिकूल परिस्थितियों में भी काम करने में सक्षम है।

बछार गांव में पैंथर पिंजरे में कैद हुआ

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर शहर के बछार गांव में शनिवार को एक लेपर्ड पिंजरे में कैद हो गया। कैली तालाब के पास वन विभाग द्वारा लगाए गए पिंजरे में सुबह लेपर्ड को देखकर ग्रामीणों ने वन विभाग को सूचित किया। वनकर्मियों ने मौके पर पहुंचकर लेपर्ड को रेस्क्यू कर उदयपुर भेजा।

ग्रामीणों के अनुसार क्षेत्र में तीन लेपर्ड का आतंक था जो लगातार गांव के बाड़ों में घुसकर पशुओं का शिकार कर रहे थे। इससे परेशान ग्रामीणों ने वन विभाग में शिकायत की थी जिस पर विभाग ने शुक्रवार को पिंजरा लगाया था। ग्रामीणों का कहना है कि अभी भी दो लेपर्ड क्षेत्र में देखे जा रहे हैं। वन विभाग ने ग्रामीणों की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई की। शिकायत के एक दिन बाद ही पिंजरा लगाया गया, जिसमें लेपर्ड कैद हो गया। विभाग के अधिकारियों के अनुसार क्षेत्र में अन्य लेपर्ड की मौजूदगी की जांच की जा रही है और आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त पिंजरे लगाए जाएंगे।

योग्यताविहीन अभ्यर्थियों ने डिप्टी कमांडेंट के आवेदन भरे

- आरपीएससी की आवेदन दस्तावेजों की जांच में हुआ खुलासा

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा उपसमादेष्टा (गृह रक्षा विभाग) भर्ती 2025 के निकाली गई डिप्टी कमांडेंट की भर्ती में बिना योग्यता आवेदन करने का मामला सामने आया है। इसका खुलासा आयोग की आवेदन दस्तावेजों की जांच में हुआ है। आयोग ने ऐसे में वांछित योग्यता न होने पर भी ऑनलाइन आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को आवेदन विड्रॉ करने का अवसर दिया है।

आयोग सचिव ने बताया कि 18 मार्च को उपसमादेष्टा (गृह रक्षा विभाग) भर्ती 2025 का विज्ञापन जारी कर 24 मार्च से 22 अप्रैल तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए थे। विज्ञापन में उल्लेखित अनिवार्य योग्यताओं अनुसार उक्त पदों के लिए आवेदन करने हेतु केवल सेना के कैप्टन स्तर के सेवानिवृत्त या त्यागपत्र देने वाले भूतपूर्व अधिकारी अथवा इमरजेंसी व शॉर्ट सर्विस कमीशन से मुक्त-विमुक्त ही पात्र हैं। भर्ती के लिए इस प्रकार की विशिष्ट योग्यता होने के उपरांत भी अनेक अयोग्य अभ्यर्थियों ने इस पद के लिए आवेदन किया है। अनपेक्षित संख्या में ऑनलाइन आवेदन प्राप्त होने पर प्राप्त आवेदनों की आयोग द्वारा जांच की गई। आयोग द्वारा योग्यता न होने पर भी आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को आगाह किया है कि वे अपना ऑनलाइन आवेदन पत्र 9 मई तक विथड्रॉ कर लेवें अन्यथा उनके विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी।

आयोग के सचिव ने बताया कि डिप्टी कमांडेंट पदों हेतु ऑनलाइन आवेदन करने वाले विज्ञापन के अनुसार वांछित अनिवार्य योग्यताधारी अभ्यर्थियों को भी अपना सेवानिवृत्ति प्रमाण पत्र ऑनलाइन आवेदन पत्र के साथ 9 मई तक अपलोड करना होगा। सेवानिवृत्ति प्रमाण पत्र अपलोड करने हेतु ऑनलाइन संशोधन एवं ऑनलाइन आवेदन विथड्रॉ करने का लिंक उक्त दिनांक तक सक्रिया रहेगा।

कुएं पर मोटर चलाते होद में गिरा युवक, मौत

युवक को तैरना नहीं आने से वह पानी में ही डूब गया

मालपुरा, (निसं)। मालपुरा उपखण्ड क्षेत्र के अजमेरों की ढाणी में शनिवार को कुंए पर पानी की मोटर चलाने के दौरान असंतुलित होकर पानी से भरे होद में गिरने व पानी में डूबने से युवक की मौत हो गई।

मिली जानकारी में सामने आया कि अजमेरों की ढाणी निवासी 20 वर्षिय युवक मनीष पुत्र अर्जुन वर्मा शनिवार की दोपहर अपने खेत पर पानी की मोटर चला रहा था। इसी दौरान पास ही बने तकरीबन 25 फीट गहरे पानी के होद की दीवार से असंतुलित हो युवक पानी में जा गिरा। युवक को तैरना नहीं आने से युवक पानी में ही डूब गया। धमाके की आवाज सुन दौड़े परिजनों ने खेतों में काम कर रहे लोगों के सहयोग से तत्काल बाहर निकाल 108 एम्बुलेंस की सहायता से मालपुरा जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां परिजनों ने युवक को वार्ड में भर्ति करवाया। तकरीबन आधा घंटे तक वार्ड के ईमरजेंसी में उपचार तो दूर ईसीजी तक की सुविधा नही मिली। मजबूरन परिजनों ने बाहर से ईसीजी मंगवा युवक की धड़कन जांची। रिपोर्ट के बाद चिकित्सकों ने युवक को मृत घोषित किया।

दो बहिनो पर इकलोते भाई की दर्दनाक मौत से परिवार मे कोहराम मच गया। द्वितीय वर्ष मे अध्ययनरत मृतक मनीष के पिता ने दो दिन पहले ही बेटे को उच्च शिक्षा ग्रहण करवाने के लिये कॉलेज की फीस जमा करवाई थी। परिवार में शादी होने के चलते युवक घर पर आया हुआ था।

हाइवे पर चोरी की योजना बनाते तीन गिरफ्तार

- ट्रेलर व सोने-चांदी के जेवर बरामद

उदयपुर, (निसं)। खेरोदा थाना पुलिस ने हाइवे पर चोरी की योजना बनाते चोर गैंग के तीन बदमाशों को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से ट्रेलर व सोने-चांदी के जेवरात बरामद किए।

जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर खेरोदा थानाधिकारी सुरेश विश्नोई के नेतृत्व में गठित दल 25 अप्रेल को नवानिया पुलिया के पास हाइवे 48 पर नाकाबंदी की जा रही थी। इस दौरान रोड़ किनारे ट्रेलर खड़ा था। मौके पर पहुंचने पर तीन व्यक्ति पुलिस को देख भागे जिन्हें पिछा कर दबोचकर पूछताछ की तो जयपालसिंह पुत्र घनश्याम निवसी चितावड़ा बिजौलिया भीलवाड़ा, सज्जन पुत्र राधेश्याम निवासी दुधीतलाई निवासी विजयपुर चित्तौड़गढ़, सिकन्दर पुत्र मांगीलाल निवासी हांडी पिपलिया मनासा नीमच एमपी बताया। जिनकी तलाशी ली तो ट्रेलर चालक की सीट नीचे पड़े बैग में सोने-चांदी के आभूषण व नकदी व लोहे के सरिये पड़े मिले। पूछताछ में आरोपियों ने जेवरात बनासकांठा गुजरात से चोरी करना कबूल किया। पूछताछ में बदमाशों ने बताया कि ट्रेलर साथ में रखते हैं तथा रात के समय सरिये से ताले तोड़ कर चोरी की वारदात को अंजाम देते हैं।

छत से गिरकर महिला की मौत

उदयपुर, (निसं)। शहर के सूरजपोल थाना क्षेत्र में मकान की छत से गिरने पर महिला की मौत हो गई।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार सूरजपोल थाना क्षेत्र मोगरावाड़ी में स्थित मकान की छत से गिरने पर रोजी सिनेमा के पिछे कालपुर अहमदाबाद निवासी फरजाना बानू (45) पत्नी युनुस खां की मौत हो गई। फरजाना अपने रिश्तेदार के यहां मोगरावाड़ी में शादी समारोह में आई थी। शुक्रवार रात में परिजनों के साथ मकान की छत पर सोई थी। दूसरे दिन तडके जाग होने पर संतुलन बिडगने पर वह नीचे गिर गई। परिजन उसे उपचार के लिए चिकित्सालय ले गए, जहां उसकी मौत हो गई। सूरजपोल थाना एसआई विरमसिंह एमबी चिकित्सालय मोर्चरी पहुंच पुत्री नफीसा द्वारा रिपोर्ट देने पर बिना पोस्टमार्टम कराए शव परिजनों को सौंपा।

अपराध की योजना बनाने वाले छह युवक गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। शहर की गोवर्धन थाना पुलिस ने आमजन में भय पैदा करने व अपराध की योजना बनाने के मामले में छह युवकों को गिरफ्तार किया है।

जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर गोवर्धन विलास थानाधिकारी दिलीपसिंह झाला के नेतृत्व में गठित दल ने अभियुक्त रोहित निमावत उर्फ आरडीएक्स पुत्र दुर्गेश निमावत निवासी होली घाटी फलासिया, हनी निमावत उर्फ डोमेशन पुत्र मांगीलाल निमावत निवासी खटीकवाड़ा धानमण्डी, अंश गहलोत पुत्र महेश गहलोत निवासी नाईवाड़ा धानमंडी, अक्षय खूबचंदानी पुत्र दीपक खूबचंदानी निवासी सिंधी कॉलोनी शिव मंदिर के पास प्रतापनगर, अरदीन उर्फ लाला पुत्र साईदखान निवासी शांतिनगर हिरणमगरी से. 5 हाल खांजीपीर सूरजपोल तथा इस्माईल उर्फ मन्नू उर्फ बड़ा मेवाती पुत्र मो. जलील मेवाती निवासी धोलीमगरी सज्जननगर को गिरफ्तार किया। रोहित के खिलाफ पांच, हनी निमावत के खिलाफ नौ, अंश गहलोत के खिलाफ आठ, अक्षय के खिलाफ तीन, अरदीन के खिलाफ 11 तथा ईस्माईल उर्फ मन्नू उर्फ बडा मेवाती के खिलाफ 7 अपराधिक प्रकरण दर्ज हैं।

गत दिनों मुखबीर से मिली सूचना के पर गोवर्धन विलास थानाधिकारी की टीम ने जोगी तालाब की पाल से आरोपी रोहित निमावत उर्फ आरडीएक्ट को गिरफ्तार कर इसके कब्ज से एक देशी पिस्टल बरामद किया, जिससे पूछताछ के बाद रोहित निमावत को गिरफ्तार किया। प्रकरण दर्ज होने पर की गई पूछताछ के आधार पर अंश गहलोत, हनी निमावत, अक्षय खुबचंदानी, अरदीन उर्फ लाला को गिरफ्तार किया। आरोपियों ने पूर्व में विरेन्द्र निमावत निवासी खटीकवाड़ा हाथीपोल पर हमला कर घायल किया था। जिससे दोनों पक्षों के बीच विवाद चल रहा है।

लूट मामले में तीन गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। ऋषभदेव थाना पुलिस ने हाइवे पर खड़े ट्रक के चालक के साथ मारपीट कर मोबाइल व नकदी लूट के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पीड़ित विरेन्द्र पुत्र नारायणलाल निवासी उड़ जीला सिरोही ने रिपोर्ट दी। जिसमें उसने बताया कि 30 जनवरी रात में परसाद से खेरवाड़ा की तरफ मुंगफली से भरा ट्रक लेकर जा रहा था। कागदर में हाइवे पर पैट्रोल पम्प के पास ट्रक खड़ा कर रस्सा खींच रहा था। इसी दौरान आए तीन युवक चाकू दिखाकर मेरा मोबाइल व 29 हजार रूपये नकदी जेब से निकाल ले गए। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर ऋषभदेव थानाधिकारी भरतसिंह राजपुरोहित के नेतृत्व में गठित दल ने पीड़ित से की गई पूछताछ एवं मौके से मिले साक्ष्यों के आधार पर सोमा पुत्र कचरा निवासी कागदर माण्डवा ऋषभदेव, बाबूलाल, चुन्नीलाल पुत्र नानका निवासी कागदर मांडवा ऋषभदेव को गिरफ्तार किया।

65.25 लाख का डोडा-पोस्त बरामद

जालोर जिले के नोसरा पुलिस ने अवैध डोडा-पोस्त बरामद किया।

जालोर, (कासं)। जालोर जिले के नोसरा पुलिस ने शनिवार को मिठड़ी ग्राम सरहद में स्कॉर्पियो वाहन में भरे 4.35 क्विटल अवैध डोडा-पोस्त बरामद किया। बरामद डोडा-पोस्त की बाजार किमत 65.25 लाख रूपये आंकी गई है। अवैध डोडा-पोस्त के परिवहन में प्रयुक्त वाहन स्कॉर्पियो वाहन को भी जब्त किया है।

महानिरीक्षक पुलिस विकास कुमार जोधपुर, रेंज जोधपुर के द्वारा रेंज में अवैध मादक पदार्थ व अवैध शराब परिवहन की रोकथाम के लिए "मिशन मदमर्दन" के तहत कार्रवाई करने के निर्देशानुसार ज्ञानचन्द्र यादव, जिला पुलिस अधीक्षक जालोर के निर्देशानुसार जिले में मादक पदार्थों व अवैध शराब की बड़ी खेप की धरपकड़ एवं बड़े सरगनाओं तथा आपूर्तिकर्ताओं के विरूद्ध कार्रवाई के लिए चलाये जा रहे "ऑपरेशन भौकाल" के तहत नोसरा थानाधिकारी पन्नालाल के नेतृत्व में शनिवार को सुबह लॉकल एवं स्पेशल एक्ट की कार्रवाई के लिए हल्का क्षेत्र में गश्त की जा रही थी, इस दौरान थाना हल्का क्षेत्र के गांव मिठड़ी से देसू जाने वाली मरडियां रोड के बीच-बीचों खड़ी स्कोर्पियो वाहन की सूचना मिलने पर मौके पर जाकर देखा जाने पर अवैध डोडा-पोस्त से भरी हुई पाई जाने पर स्कॉर्पियो वाहन से अवैध मादक पदार्थ डोडा-पोस्त बरामद किया। पुलिस ने उक्त डोडा-पोस्त को बरामद आगे की कार्रवाई शुरु की।

- स्कॉर्पियो कार में भरे 4.35 क्विटल अवैध डोडा-पोस्त को बरामद किया

लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने सपरिवार द्वारिकाधीश के दर्शन किये

राजसमंद, (निसं)। मेवाड़ के पूर्व राजपरिवार के सदस्य डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने शनिवार को अपने शाही लवाजमे के साथ कांकरोली स्थित पुष्टिमार्गीय संप्रदाय के प्रसिद्ध द्वारिकाधीश मंदिर में दर्शन किए। यह अवसर इसलिए भी विशेष था क्योंकि द्वारिकाधीश मंदिर के पीठाधीश्वर मेवाड़ के पूर्व राजपरिवार के गुरु हैं और पाग दस्तूर की रस्म के बाद यह पहली बार था, जब लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ सपरिवार प्रभु द्वारिकाधीश के दर्शन करने पहुंचे थे। डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ का मंदिर पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया।

मंदिर के युवराज वेदांत कुमार और सिद्धांत कुमार ने उनकी अगवानी की। गोवर्धन चौक पर द्वारकाधीश मंदिर के सुरक्षा प्रभारी लक्ष्मीलाल खण्डेलवाल के नेतृत्व में जवानों ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया, जबकि मंदिर का बैंड मधुर ध्वनि बिखेर रहा था। यहां से डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ सीधे बैठक हॉल में पहुंचे, जहां उन्होंने विराजमान पीठाधीश्वर डॉ. वागीश कुमार महाराज को दंडवत प्रणाम कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके पश्चात, उन्होंने प्रभु द्वारिकाधीश की राजभोग झांकी के दर्शन किए और प्रभु के समक्ष लेटकर प्रणाम किया। गोस्वामी वागीश कुमार महाराज ने आरती उतारी। इसके बाद, लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ और उनके परिवार ने छोटे मंदिर मथुराधीश और दाऊलालजी के भी दर्शन किए और भेंट पूजा अर्पित की। इस दौरान गोस्वामी वागीश कुमार महाराज ने लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ और उनके पुत्र हरितराज सिंह के गले में कंठी धारण करवाई। वहां से पूरा परिवार जनाना महल पहुंचा, जहां मेवाड़ राजवंश की परंपरा के अनुसार पीठाधीश्वर डॉ. वागीश कुमार महाराज सहित गोस्वामी परिवार के सदस्यों का फूलमाला, वस्त्र अर्पण और दक्षिणा भेंट कर स्वागत किया गया। दर्शनों के उपरांत, श्री द्वारकाधीश मंदिर में पीठाधीश्वर गोस्वामी डॉ. वागीश कुमार महाराज ने मंदिर की परंपरा के अनुसार डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ को पान बीड़ा, इकलाई और प्रसाद प्रदान किया तथा उन्हें रजाई ओढाकर सम्मानित किया।

राजसमंद में द्वारिकाधीश मंदिर में दर्शन के उपरान्त डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ का सम्मान किया।

बाड़मेर के जेठानंद पंवार को पुरस्कार मिलेगा

बाड़मेर/जयपुर। राजस्थानी भाषा के संवर्द्धन और प्रोत्साहन में संलग्न प्रयास संस्थान, चूरू द्वारा राजस्थानी भाषा के पैंतीस वर्ष से कम के युवाओं को दिया जाने वाला वार्षिक दुर्गेश युवा पुरस्कार वर्ष 2025 के लिए बाड़मेर के युवा कवि जेठानंद पंवार को दिया जाएगा। प्रयास संस्थान के अध्यक्ष और जाने माने साहित्यकार डॉ. दुलाराम सहारण ने बताया कि 23 अगस्त 2001 में बाड़मेर के गांव झाक में जन्मे जेठानंद पंवार को उनकी काव्यकृति 'थूं जाग मिनख' के लिए यह पुरस्कार दिया जाएगा। संस्थान सचिव कमल शर्मा ने बताया कि युवा कवि पंवार को चूरू में प्रस्तावित समारोह में पुरस्कार स्वरूप इक्कावन सौ रुपये नगद, शॉल, श्रीफल और मानपत्र प्रदान किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि चूरू के दिवंगत साहित्यकार, लघु कथाकार और कार्टूनिस्ट दुर्गेश की स्मृति में संस्थान द्वारा वर्ष 2016 से प्रारंभ इस पुरस्कार से अबतक कालू-बीकानेर के कमलकिशोर पीपलवा, उदयपुर की रीना मेनारिया, सूरतगढ़ के सतीश छींपा, राजपुरा-तारानगर के उम्मेद धानिया, जैसलमेर के महेंद्रसिंह छायण, गुसाईंसर बड़ा-बीकानेर के पूनमचंद गोदारा आदि युवा साहित्यकार समादृत हो चुके हैं।

शादी-पार्टियों में सप्लाई को जा रहे नकली पनीर और घी पकड़ा

- पुलिस ने नौ आरोपियों को किया गिरफ्तार
- आरोपियों के पास से करीब 2 हजार 800 किलो मिलावटी पनीर और 35 किलोग्राम घी बरामद किया

जयपुर। बस्सी थाना पुलिस ने मिलावटी पनीर और घी को ले जाते पांच पिकअप जब्त कर नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों के पास से करीब 2 हजार 800 किलो मिलावटी पनीर और 35 किलोग्राम घी बरामद किया है। इनकी सप्लाई जयपुर में होने वाली शादी और पार्टियों में की जा रही थी।

आईपीएस अभिजीत पाटिल ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि मिलावटी डेयरी उत्पादों की खेप जयपुर की ओर जा रही है। इस पर बस्सी थाना पुलिस ने टीम का गठन किया। टीम ने राजाधोक टोल प्लाजा के पास देर रात नाकाबंदी शुरू की। इस दौरान पुलिस ने पांच पिकअप गाड़ियों को रोका और चेक किया। चेकिंग के दौरान पिकअप में करीब 2800 किलोग्राम मिलावटी पनीर और 35 किलोग्राम नकली घी भरा हुआ था। इस पर पुलिस ने पांचों पिकअप जब्त कर मिलावटी उत्पाद बरामद कर लिए। पुलिस ने शिवदयाल, अरमान, साहिब खान, अंगद राम, हसन खान, रोहिताश, इरशाद, वारिश खान व मुस्तकीम मेव को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी मेवात व आस पास के इलाकों में मिलावटी पनीर व घी तैयार कर जयपुर शहर में सप्लाई करते है।

पुलिस गिरफ्त में चल रहे आरोपियों ने स्वीकार किया है कि वे पहले भी इस तरह की सप्लाई कर चुके हैं। ये लोग शादी का ऑर्डर लेते हैं। माल एक- दो दिन में खप जाता है। किसी को पता भी नहीं चलता। दुकानों में सप्लाई इसलिए नहीं करते क्योंकि अगर माल काफी दिनों तक रुक जाता है। वह सड़ने लगता है। इसलिए मिलावटी पनीर की सप्लाई केवल शादी पार्टी के लिए ही किया जाता है।

बुजुर्ग दम्पत्ती का ध्यान भटका कर रुपये छीने

जयपुर। जयपुर घूमने आए बुजुर्ग दंपत्ति का ध्यान भटका कर दो युवक 10 लाख रुपए से भरा बैग ले गए। पीडित के पौत्र ने कानोता थाने में मामला दर्ज करवाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच पडताल में जुटी है। पुलिस के अनुसार रायपुर छत्तीसगढ़ निवासी गगनदीप अरोडा ने मामला दर्ज करवाया कि उसके दादा व दादी जयपुर घूमने आए थे। इस दौरान वे आगरा रोड पर स्थित एक होटल व गेस्ट हाउस में रुके थे। वहां पर दादा के मित्र का बेटा राहुल शर्मा और राजू प्रजापति आए और उनका ध्यान बंटा कर 10 लाख रुपए का भरा नीले रंग का बैग ले गए।

भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव समारोह ताड़केश्वरजी मंदिर में हुई महाआरती

सर्व ब्राह्मण महासभा महिला प्रकोष्ठ की ओर से मनाये जा रहे भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव समारोह के अन्तर्गत शनिवार को भगवान ताड़केश्वर मंदिर में 5100 दीपकों से महाआरती का आयोजन किया गया।

जयपुर। सर्व ब्राह्मण महासभा महिला प्रकोष्ठ द्वारा मनाये जा रहे भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव समारोह के अन्तर्गत आज चौड़ा रास्ता स्थित भगवान ताड़केश्वर मंदिर में 5100 दीपकों से महाआरती का आयोजन किया गया।

सर्व ब्राह्मण महासभा महिला प्रकोष्ठ की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम की संयोजक पूजा शर्मा ने बताया कि महासभा के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में विप्रजनों ने महाआरती में भाग लेकर कार्यक्रम की शोभा को और अधिक बढ़ा दिया। वहां उपस्थित सभी पदाधिकारी एवं विप्रजन ने भगवान परशुराम एवं ताडकेश्वर नाथ के जयकारे लगाकर महाआरती के महोत्सव को और अधिक मंलगमय बना दिया। मंदिर में शंख, घंटी, घडियाल बज रहे थे एवं पण्डित सस्वर पाठ कर रहे थे।

इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री नीलम मिश्रा ने कहा कि भगवान शिव और भगवान परशुराम का शास्त्रों में अलग-अलग चित्रण मिलता है जो कि प्रेरणास्पद है और भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव समारोह में आयोजित सभी कार्यक्रमों का उद्देश्य समाज का हित एवं कल्याण स्वरूप कदम उठाना है। इस अवसर पर भगवान ताड़केश्वर जी का विशेष श्रृंगार भी किया गया और बाबा के जयकारे लगाये।

इस अवसर पर सर्व ब्राह्मण महासभा कि राष्ट्रीय महामंत्री सविता शर्मा जयपुर शहर अध्यक्ष अनिल सारस्वत हवामहल अध्यक्ष लक्षण शर्मा युवा प्रकोष्ठ जयपुर शहर अध्यक्ष दिनेश शर्मा के महामंत्री मनोज जोशी प्रमोद शर्मा राजेश शांडिल्य एडवोकेट कमलेश शर्मा हवामहल पार्षद प्रत्याशी कमला शर्मा ,सुनीता शर्मा, ब्रजलता शर्मा, मधु मिश्रा, ज्योति शर्मा, सरोज शर्मा, अनीता शर्मा , सोनू शर्मा मधु शर्मा संगीता शर्मा तारकेश्वर मंदिर पिंकी शर्मा शशि शर्मा सुनीता शर्मा सुशीला शर्मा प्रियंका शर्मा शोभा शर्मा स्वामी ने मिलकर तारकेश्वर भगवान की महाआरती की।

राष्ट्रीय पोषण पखवाड़ा में राजस्थान अव्वल रहा

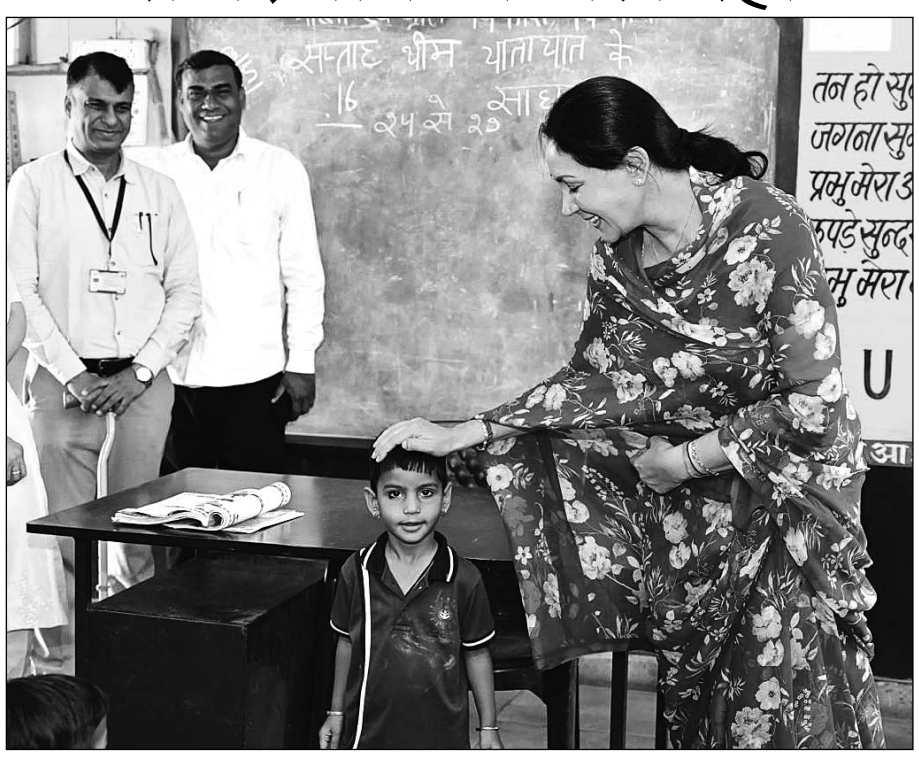

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के राष्ट्रीय पोषण पखवाड़ा के संबंध में किये गये प्रयास रंग लाए हैं। उन्होंने विभागीय अधिकारियों-कर्मचारियों को कड़ी मेहनत से हासिल की गई इस उपलब्धि पर बधाई दी है।

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के प्रयास रंग लाए हैं, राष्ट्रीय पोषण पखवाड़ा के सम्बन्ध में 3 अप्रैल को बैठक आयोजित कर उनके द्वारा आईसीडीएस (महिला एवं बाल विकास विभाग) के अधिकारियों को दिए गए निर्देशो ने साकार रूप लिया है।

उपमुख्यमंत्री ने निर्देश दिए थे कि 8 अप्रैल से 22 अप्रैल तक आयोजित हो रहे राष्ट्रीय पोषण पखवाड़ा में राजस्थान राष्ट्रीय स्तर पर अपने पिछले प्रदर्शन चौथी रैंक में सुधार करते हुए इस बार पहला स्थान प्राप्त करने हेतु कड़ी मेहनत करें। महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों के द्वारा उक्त निर्देशों की पालना में की गई कड़ी मेहनत रंग लाई है। इस बार 8 अप्रैल से 22 अप्रैल तक आयोजित राष्ट्रीय पोषण पखवाड़ा में राजस्थान ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इस बार राजस्थान के मुकाबले छत्तीसगढ़ 9 लाख एंट्रीज से पीछे छूट गया है। पहले स्थान पर रहें राजस्थान के 33 जिलों द्वारा इस बार 11860962 गतिविधियों की एंट्रीज की गई। जबकि दूसरे स्थान पर रहे छत्तीसगढ़ के 33 जिलों द्वारा 10951961 गतिविधियों की एंट्रीज की गई है। वहीं तीसरे स्थान पर रहें महाराष्ट्र के 36 जिलों द्वारा 6712236 गतिविधियों की एंट्रीज की गई है।

उपमुख्यमंत्री ने विभागीय अधिकारियों कर्मचारियों को कड़ी मेहनत से हासिल की गई इस उपलब्धि पर बधाई दी है।

राष्ट्रीय पोषण पखवाड़ा भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे 'पोषण अभियान' का एक महत्वपूर्ण घटक है, जिसका उद्देश्य देश में ''जन आंदोलन के माध्यम से पोषण के प्रति जागरूकता फैलाना'' है।

जज्बे और प्रतिभा को कोई नहीं रोक सकता : देवनानी

- सेरेब्रल पालसी रोग से ग्रसित बच्चों के लिए निःशुल्क चिकित्सा शिविर एवं संगोष्ठी
- 'विशेष योग्यजन व्यक्ति में एक कमी के बावजूद दूसरी क्षमता अपार होती है, जिससे उनका जीवन उज्ज्वल बन सकता है'

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि विशेष योग्यजन राष्ट्र की पूंजी और धरोहर है। लोगों को इन्हें सम्मान देना चाहिए। परिवार समाज और चिकित्सा के सहयोग से ही हम वातावरण को बदल सकते है। उन्होंने कहा कि दिवयांगता अभिशाप नहीं है। यह चुनौती है। विशेष योग्यजन व्यक्ति में एक कमी के बावजूद दूसरी क्षमता अपार होती है, जिससे उनका जीवन उज्ज्वल बन सकता है। ऐसे बच्चों को प्यार, स्नेह, सम्मान, समझ, समर्पण और समान अवसर दिये जाने की आवश्यकता है।

देवनानी शनिवार को यहां पंचायती राज संस्थान में शारदा शिक्षा एवं विकास समिति द्वारा आयोजित सेरेब्रल पालसी रोग ग्रसित विशेष योग्यजन बच्चों के उपचार हेतु आयोजित नि:शुल्क चिकित्सा शिविर और संगोष्ठि को सम्बोधित कर रहे थे। देवनानी ने कहा कि विशेष योग्यजन बच्चों को मुख्यधारा में लाने की आवश्यकता है, ताकि उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जा सके। इस पुण्यदायि कार्य में प्रत्येक व्यक्ति को सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए। समारोह को डॉ. तरल नागदा, वैध गोपेश बंसल और नीलम शर्मा ने भी सम्बोधित किया।

रीको ने 182 भूखंडों का आवंटन कर 300 करोड़ रुपये का लक्ष्य प्राप्त किया

- औद्योगिक भूमि आवंटन योजना में 650 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की भूमि बिक चुकी
- प्रत्यक्ष आवंटन योजना के दूसरे चरण के आवेदन 15 मई से प्रारंभ

जयपुर। रीको द्वारा चलाई जा रही प्रत्यक्ष भूमि आवंटन योजना के पश्चात् ई-ऑक्शन को भी निवेशकों से शानदार प्रतिक्रिया मिली है। राज्य सरकार द्वारा आयोजित 'राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024' के तहत रीको की पहल से निवेशकों में भारी उत्साह देखने को मिला है। अब तक रीको द्वारा विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में 650 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की औद्योगिक भूमि का सफलतापूर्वक आवंटन किया जा चुका है।

रीको द्वारा 7 अप्रैल से प्रारंभ किए गए ई-नीलामी कार्यक्रम के तहत 197 भूखंडों के लिए 493 आवेदन प्राप्त हुए। इस नीलामी के माध्यम से लगभग 300 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित होने की संभावना है। साथ ही, रीको द्वारा 182 भूखंडों का आवंटन कर 300 करोड़ रुपये का लक्ष्य प्राप्त किया गया है।

'राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024' के दौरान विभिन्न निवेशकों के साथ हुए एमओयू के बाद औद्योगिक इकाइयों की स्थापना हेतु भूमि आवंटन की प्रक्रिया को गति मिली है। राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप, 'प्रत्यक्ष भूखंड आवंटन नीति-2025' के तहत भी निवेशकों को भूखंड आवंटन हेतु अवसर प्रदान किया जा रहा है। रीको द्वारा अब तक 350 करोड़ रुपये के भूखंड आवंटित किए जा चुके हैं, जिनमें से 98 भूखंडों के लिए ऑफर लेटर जारी कर दिए गए हैं तथा शेष आवेदनों की कार्यवाही प्रगतिरत है।

उल्लेखनीय है कि रीको ने औद्योगिक भूखंडों के साथ-साथ अब वाणिज्यिक एवं संस्थागत उपयोग हेतु भी भूखंडों के आवंटन की प्रक्रिया अगले सप्ताह प्रारंभ हो जाएगी। इसके अंतर्गत होटल, हॉस्पिटल, शिक्षण संस्थान, रिटेल दुकानें आदि के लिए भी भूखंड उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन एवं वाणिज्य के क्षेत्रों में निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा। लगभग 500 भूखंडों को वाणिज्यिक एवं संस्थागत उपयोग के लिए चिह्नित किया गया है, जिनके लिए भी शीघ्र ही ई-नीलामी प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी।

देश की जांच एजेंसियां कर रही है निष्पक्ष कार्य : मदन राठौड़

- 'सोनिया, राहुल और वाड्रा सहित कई कांग्रेस नेता जमानत पर बाहर आकर आरोप लगा रहे हैं, यह उचित नहीं'

.। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि जो लोग भ्रष्टाचार करेंगे, उन्हें सजा अवश्य मिलेगी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जो जांच की, उसके आधार पर कार्रवाई की जा रही है और यह पूरी तरह से कानून का काम है, जिसमें भाजपा का कोई हस्तक्षेप नहीं है। राठौड़ ने कांग्रेस के नेताओं राहुल गांधी, रॉबर्ट वाड्रा और सोनिया गांधी के जमानत पर आकर प्रताड़ना का आरोप लगाने पर कहा कि गलती करने के बाद मिथ्या आरोप लगाना, यह उचित नहीं है।

मदन राठौड़ ने कहा कि कानून सभी के लिए एक समान है। जांच एजेंसियां स्वतंत्र और निष्पक्ष हैं और वे निष्पक्ष रूप से स्वत: निर्णय लेती हैं। किसी भी राजनीतिक पार्टी के आधार पर जांच एजेंसियां कार्रवाई नहीं करती है और न ही करनी चाहिए। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि किसी भी राजनीतिक पार्टी को पुलिस, कानून या न्यायिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने गहलोत के बयानबाजी पर पलटवार करते हुए कहा कि गहलोत स्वयं विधायक है, वे विधानसभा प्रस्ताव ला सकते है, तो उन्हें ऐसा करना चाहिए और सरकार उसमें विचार करेगी। केवल घड़ियाली आंसू बहाना सही नहीं है। सहानुभूति हासिल करने के लिए इस तरह के बयानबाजी करना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार आतंकी हमलों में अपनों को खोने वालों के साथ खड़ी है और सभी को हरसंभव सहायता प्रदान की जा रही है। राठौड ने यह स्पष्ट किया कि पार्टी न्यायिक प्रक्रिया में पूर्ण विश्वास रखती है और सभी को जांच एजेंसियों के साथ हमारी न्याय प्रणाली पर विश्वास करना चाहिए।

पीड़ितों के एलआईसी दावों का शीघ्र निपटारा होगा

जयपुर। एलआईसी ऑफ इंडिया ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले में निर्दोष नागरिकों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया। एलआईसी ऑफ इंडिया प्रभावित लोगों की सहायता करने के लिए प्रतिबद्ध है और वित्तीय राहत प्रदान करने के लिए दावों के निपटान में तेजी लाएगी। एलआईसी के सीईओ और एमडी सिद्धार्थ मोहंती ने एलआईसी पॉलिसियों के दावेदारों की कठिनाइयों को कम करने के लिए कई रियायतों की घोषणा की। मृत्यु प्रमाण पत्र के बदले, आतंकवादी हमले के कारण पॉलिसीधारक की मृत्यु के सरकारी रिकॉर्ड में कोई भी सबूत या केंद्र/राज्य सरकार द्वारा भुगतान किया गया कोई भी मुआवजा मृत्यु के प्रमाण के रूप में स्वीकार किया जाएगा। यह सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रयास किए जाएंगे कि दावेदारों तक पहुँचा जाए।

डिलीवरी एजेंट ने चुराए साढ़े तीन लाख के पार्सल

जयपुर। मालपुरा थाना इलाके में डिलीवरी एजेंट द्वारा साढ़े तीन लाख रुपए के 100 पार्सल चोरी करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुटी है। पुलिस के अनुसार नरेंद्र कुमार ने मामला दर्ज करवाया कि वह ब्ल्यू डार्ट एक्सप्रेस का मैनेजर है। कम्पनी में काम करने वाले डिलीवरी एजेंट पिंटू चेजारा ने कम्पनी ने धोखाधडी कर करीब साढ़े तीन लाख रुपए के सामान के 100 पार्सल पार कर दिए।

सेशन कोर्ट में फर्जी जमानत देने वाला चढा पुलिस के हत्थे

- पॉक्सो एक्ट के आरोपी को जमानत देने पर जमानती ने फर्जी आधार कार्ड और फर्जी असल जमाबंदी पेश

जयपुर। सेशन कोर्ट में फर्जी जमानत देने वाले एक फर्जी जमानती को गिरफ्तार किया है।फर्जी जमानती ने पॉक्सो एक्ट के आरोपी को जमानत देने पर फर्जी आधार कार्ड और फर्जी असल जमाबंदी पेश की थी। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम अमित कुमार ने बताया कि सदर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सेशन कोर्ट में फर्जी जमानत देने वाले फर्जी जमानती 65 वर्षीय राज बहादुर निवासी चौथ का बरवाड़ा जिला सवाई माधोपुर हाल करणी विहार जयपुर को गिरफ्तार किया है। आरोपी पॉक्सो एक्ट के आरोपी को जमानत देने पर जमानती ने फर्जी आधार कार्ड और फर्जी असल जमाबंदी पेश की थी। जिसे जब्त कर जांच पड़ताल कर रही है।

थानाधिकारी निरमा पुनिया ने बताया कि आरोपी राजबहादुर से पूछताछ में सामने आया कि स्वयं का असल नाम राजबहादुर निवासी चौथ का बरवाड़ा जिला सवाई माधोपुर हाल करणी विहार जयपुर बताया है और उसके कब्जे से खाता संख्या 09 खसरा नम्बर 122 ग्राम कोटखावदा की असल जमाबंदी मिली। जिसके बारे में पूछताछ करने पर सामने आया कि मुल्जिमों द्वारा अपने सहयोगी कादिर निवासी शास्त्री नगर जयपुर ई मित्र संचालक द्वारा तैयार कर सेशन कोर्ट में फर्जी जमानत देने के लिए बनाया गया है। वहीं न्यायालय के समक्ष पेश जमाबंदी फर्जी होना राजस्व रिकॉर्ड के मुताबिक पायी गयी। आरोपित राजबहादूर के कब्जे से मिले असल फर्जी जमाबंदी व रंगीन फर्जी आधार कार्ड को जरिये जब्त किये गये। पुलिस पूछताछ में और भी कई वारदातें खुलने की आशंका जताई जा रही है। वहीं वांछित आरोपी कादिर अपने घर से फरार चल रहा है जिसकी तलाश की जा रही है।

'लघु और मध्यम समाचार पत्रों के सामने अनेक चुनौतियां हैं, जिनका उन्हें मुकाबला करना होगा'

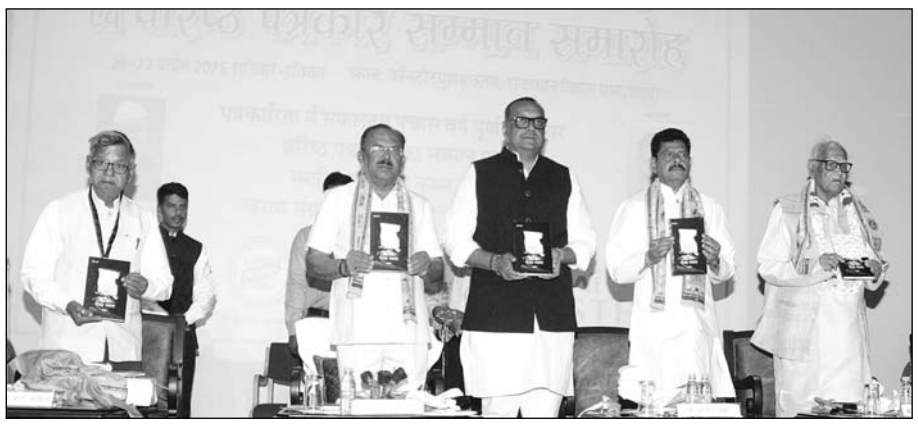

कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान के सभागार में एसोसिएशन ऑफ स्माल एण्ड मीडियम न्यजपेपर्स ऑफ इण्डिया के 31 वें राष्ट्रीय अधिवेशन में विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने एसोसिएशन की स्मारिका कलम कुम्भ और अनुराग शर्मा का काव्य संग्रह गूंजता एकांत का विमोचन किया। इस मौके पर एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष केशव दत्त चंदोला मौजूद थे।

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने लघु और मध्यम समाचार पत्रों के सामने अनेक चुनौतियां है, जिनका उन्हें मुकाबला करना होगा। उन्होंने कहा कि पारदर्शी निष्पक्ष विज्ञापन नीति को अपनाने की जरूरत है। इसके लिए वे राज्य सरकार और केन्द्र सरकार को लघु एवं मध्यम समाचार पत्रों के लिए आवश्यक बिन्दुओं के बारे में अवगत कराएंगे। श्री देवनानी ने कहा कि समाचार पत्रों को राष्ट्रभक्ति और सनातन संस्कृति के साथ आगे बढना चाहिए।

देवनानी शनिवार को यहां कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान के सभागार में एसोसिएशन ऑफ स्माल एण्ड मीडियम न्यजपेपर्स ऑफ इण्डिया के 31वें राष्ट्रीय अधिवेशन और पांच दशक तक पत्रकारिता करने वाले वरिष्ठ पत्रकारों के अभिनन्दन समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। देवनानी ने समारोह में 28 वरिष्ठ पत्रकारों को सम्मानित किया। दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का शुभारम्भ किया। समारोह के आरम्भ में पहलगाम की घटना में दिवंगत हुए लोगों के लिए मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। देवनानी ने कहा कि पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ और जनतंत्र की नींव है। आजादी के आन्दोलन और आपातकाल में समाचार पत्रों ने मिशन के तौर पर कार्य किया। लोगों के भाव जागृत किये, मुद्दे उठाए जिनके आधार पर आज लोकतंत्र चल रहा है। आज के बदलते डिजिटल दौर में भी प्रिन्ट मीडिया का अपना महत्व है। समाचार पत्रों के सम्पादकीय पृष्ठ नई पीढी को आगे बढाने में बेहतर भूमिका निभाते है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले की सराहना करते हुए कहा कि अब कोई भी राष्ट्र नायकों का अपमान नहीं कर सकेगा। उन्होंने कहा कि कुछ दलों के नेतागण ने देश के नायकों के अपमान का सिलसिला जारी रख एक माहौल बनाने की कोशिश की थी। ऐसे लोगों को सुप्रीम कोर्ट के फैसले से मुंह तोड जवाब मिला है।

विधायक गोपाल शर्मा ने कहा कि देश में विचित्र परिस्थितियों के साथ अनायस हमले ने भारत माता को चुनौती दी है। भारत हर चुनौती का मुकाबला करता रहा है। अब भी भारत चुनौतियों पर विजयी रहेगा और भारत माता की जय विश्व में गूंजेगी। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता की साख को बढाने के लिए पत्रकारों ने ईमानदारी से कार्य किया है। राजस्थान की पत्रकारिता गौरवशाली रही है। छोटे अखबारों के पत्रकार भी पत्रकारिता के आदर्श है। समारोह को एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष केशव दत्त चंदोला, राष्ट्रीय महामंत्री शंकर कतीरा, प्रदेश अध्यक्ष गोपाल गुप्ता, वरिष्ठ पत्रकार प्रवीण चन्द छाबडा ने भी सम्बोधित किया। समारोह में देवनानी ने एसोसिएशन की स्मारिका कलम कुम्भ और अनुराग शर्मा का काव्य संग्रह गूंजता एकांत का विमोचन किया।

- एसोसिएशन ऑफ स्माल एण्ड मीडियम न्यूजपेपर्स ऑफ इण्डिया के 31वां राष्ट्रीय अधिवेशन और पांच दशक तक पत्रकारिता करने वाले वरिष्ठ पत्रकारों का अभिनन्दन समारोह

पांच दशक की पत्रकारिता करने वाले वरिष्ठ पत्रकारों प्रवीण चन्द छाबडा, विनोद भारद्वाज, सुधीन्द्र पटेल, रामस्वरूप सोनी, एस.सी.जैन, वेदवृत शर्मा, आर.के.जैन राधेश्याम, ओम सैनी, गोपाल गीतेश, आनन्द शर्मा, बृहस्पति शर्मा, पदम मेहता, गुलाब बत्रा, प्रकाश भण्डारी, सत्य पारीक, सत्यनारायण शर्मा, आशा पटेल, एल.सी. भारतीय, जगदीश शर्मा, महेश शर्मा, महेश झालानी, अजय ढढडा और हरि सिंह सोलंकी को सम्मानित किया गया।

शाम-ए-हसरत कार्यक्रम में प्रस्तुत गीतों पर श्रोता झूमे

जयपुर। संगीत ग्रुप अरुणाज़ गीत गाता चल की ओर से गा मेरे मन गा-सीजन 4 के तहत प्रस्तुत कार्यक्रम शाम-ए-हसरत में पेश बॉलीवुड के पुराने गीतों का श्रोताओं ने जमकर लुत्फ़ उठाया। एक के बाद एक सुपरहिट गीतों की प्रस्तुति पर दर्शक झूमते नजर आये। गा मेरे मन गा-सीजन 4 जाने-माने गीतकार हसरत जयपुरी को समर्पित किया गया। कार्यक्रम में उनके द्वारा लिखे गए लोकप्रिय गीतों की महफ़िल सजाई गई। 1950 से 1980 के दशक के लगभग 30 मीठे-मधुर गीतों को गायक-गायिकाओं ने अपनी दिलकश आवाज में पेश किया। प्रारम्भ में कार्यक्रम की अध्यक्ष देवरंजनी म्यूजिक स्कूल की निदेशक सरिता द्विवेदी और विशिष्ट अतिथि कांता धवन, राजीव दीवान, महेश माहेश्वरी, अनुराग माहेश्वरी, आयुष कल्ला और रजनी कोठारी ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।संस्था की तरफ से सभी अतिथियों का सम्मान किया गया। कथक नृत्यांगना निष्ठा जैन ने सरस्वती वंदना पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में संयोजिका अरुणा जैन के साथ अजय कल्ला, वीनू मित्तल, अटल शर्मा, वर्षा श्रीवास्तव, श्वेता मिश्रा, पुखराज गांधी, शशि तिवारी, ऋतु माथुर, प्रेम भारती, दिव्या भारती, जया कल्ला, रेनू माथुर, विक्टर मोटवानी, संध्या शील, रजनीश उपाध्याय, शास्त्रीय गायक अंजन चौधरी, पी एन माथुर, इंदुमति, जितेंद्र नाग, इला नाग, अम्बे माथुर, रेनू जैन, देवेन्द्र सिन्हा और पी सी जैन ने अपने फ़न से सुरमयी गीतों की लड़ी पिरोई। संगतकारों में की-बोर्ड पर कपिल बालोदिया, गिटार पर अंशु सक्सेना और पवन बालोदिया, ढोलक पर पावन डांगी, तबला पर सावन डांगी और ऑक्टोपैड पर इरशाद ख़ान ने गायक कलाकारों का भरपूर साथ दिया।

महिला की मौत मामले में भाई ने ससुराल वालों पर गंभीर आरोप लगाये

भाई का आरोप है कि दहेज के लिए ससुराल वालों ने मेरी बहन को मार डाला

पावटा, (निसं)। पावटा के ग्राम खेलना की बेटी के साथ एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जहां एक भाई ने उसकी बहन को दहेज के लालच में ससुराल वालों पर मानसिक व शारीरिक रूप से प्रताड़ित करने व जान से मारने के आरोप लगाए हैं।

भाई मुकेश कुमार मीणा का कहना है कि उनकी बहन को आए दिन उसके ससुराल वाले दहेज के लिए परेशान करते रहते थे। उन्होंने अब बहन काजल से रुपयों पैसों व गाड़ी की मांग की थी, जिसकी मांग पूरी न करने पर ससुराल वालों ने उसे मानसिक व शारीरिक रूप से प्रताड़ित कर उसको मार दिया। मुकेश कुमार मीणा पुत्र कल्याण सहाय मीणा निवासी खेलना ने मामला दर्ज करवाते हुए बताया कि बताया कि साल 2022 में उसकी बहन काजल की शादी भूपेंद्र कुमार मीणा पुत्र सुरेश कुमार मीणा निवासी जोधपुरा के साथ हुई थी। मुकेश ने कहा कि शादी के कुछ समय बाद से ही उसकी बहन काजल को उसके ससुराल वाले परेशान कर रुपए पैसों व गाड़ी की मांग करने लगे। उन्होंने मांग पूरी करने या घर से निकालने की धमकी दी व उसे मारपीट कर घर से निकाल दिया, जिस पर समझाइश करने पर उन्होंने गलती मानते हुए फिर से ऐसा नहीं करने की बात कही, लेकिन वो फिर से बहन काजल को मानसिक व शारीरिक रूप से प्रताड़ित करने लगे, लेकिन बहन काजल लोक लज्जा के कारण चुपचाप सब सहन करती रही। अचानक गत 18 अप्रैल को मध्यरात्रि बहन काजल का फोन आया व उसने कहा कि मेरे सास, ससुर व पति मेरे साथ मारपीट कर रहे हैं आकर मुझे बचा लो, यह मुझे जान से मार देंगे। जिस पर रात अधिक होने के कारण अगले दिन सुबह जल्दी ही छोटा भाई अमित व भांजा गौतम जोधपुरा उदयपुरवाटी बहन काजल के ससुराल पहुंचे, जहां बहन काजल की

मृतका की फाइल फोटो।

- मृतका के भाई के बयानों पर पति, ससुर, सास आदि के खिलाफ मामला दर्ज हुआ

हालत खराब देख घर खेलना ले आए, लेकिन उसकी तबियत बिगड़ती देख उसे पावटा एक प्राइवेट हॉस्पिटल लेकर गए वहां भी हालत गंभीर देख उसे जयपुर एसएमएस हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया। जहां जांच के दौरान पता चला कि वह गर्भवती है जिस पर उसे जानना अस्पताल जयपुर भेज दिया गया। वहां चिकित्सकों ने बताया कि बच्चा पेट में खत्म हो गया है।

मुकेश ने बताया कि चिकित्सकों द्वारा बताया गया कि बहन काजल के साथ बहुत ही दरिंदगी की गई है। जिस पर उसकी डिलेवरी कर उसे वापस जयपुर एसएमएस हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया, जहां 24 अप्रैल मंगलवार को उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। भाई मुकेश ने बताया कि उसके ससुराल वाले बहन काजल के साथ मारपीट व मानसिक व शारीरिक रूप से प्रताड़ित भी करते थे। ऐसे में उन्होंने पुलिस में नामजद मामला दर्ज कर न्याय की गुहार लगाई है। वहीं इस मामले में थाना उदयपुरवाटी झुंझनू में मृतक के भाई के बयानों पर आरोपी पति भूपेंद्र कुमार मीणा, ससुर सुरेश कुमार मीणा, सास सोमवती मीणा, रतन मीणा पुत्र फत्तराम के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने मायका पक्ष की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। उन्होंने बताया काजल का पोस्टमार्टम कराकर पीहर पक्ष परिजनों को सौंप दिया है। जहां पीहर पक्ष द्वारा मृतका का अंतिम संस्कार किया गया।

हत्या के प्रयास में फरार मुख्य आरोपी गिरफ्तार

ब्यावर, (निसं)। पुलिस ने हत्या के प्रयास में फरार मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी करीब दो माह से फरार चल रहा था। प्रकरण में पूर्व में 3 आरोपियों को गिरफ्तार व 1 नाबालिग को निरूद्ध किया जा चुका है।

जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक व वृताधिकारी के निकट सुपरविजन में थानाधिकारी पुलिस थाना ब्यावर सदर मय टीम द्वारा पिछले करीब दो माह से हत्या के प्रयास के मामले में फरार चल रहे मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया। 22 फरवरी को प्रार्थी देवेन्द्र रेगर निवासी सरगांव ने पुलिस थाना सदर पर प्रकरण दर्ज करवाया कि आरोपी ने हमें सरगालिया चौराहे पर बुलाया जहां डांस की बात को लेकर बोलचाल हो गई। हमें देखते ही रितेश गोरा जातिसूचक गाली- गलौच करते हुए हमें जान से मारने की नियत से चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। जिस पर प्रकरण दर्ज कर मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना स्तर पर एक विशेष टीम का गठन किया जाकर टीम द्वारा प्रकरण में पूर्व में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया तथा एक विधि से संघर्षरत बालक को निरूद्ध किये जा चुका है। प्रकरण में मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी हेतु सूचना संकलन व तकनिकी डाटा विशलेषण के आधार पर पुलिस टीम ने आरोपी का डिटेन कर गहनता से पूछताछ की। आरोपी ने बताया कि हमारे बीच शादी प्रोग्राम में किसी बात को लेकर विवाद हो जाने के कारण मैने व मेरे दोस्तों ने मिलकर उक्त वारदात को अंजाम दिया। जिस पर आरोपी ग्राम देलवाड़ा निवासी रितेश गोरा पुत्र शंकरलाल जाट को गिरफ्तार किया गया।

शराब ठेके को लेकर क्षेत्रवासियों का प्रदर्शन

अजमेर, (कासं)। शहर में गली-मोहल्लों में खुले शराब ठेकों को लेकर क्षेत्रवासियों द्वारा प्रदर्शन किए जा रहे है। शनिवार को नारीशाला रोड स्थित अशोक नगर में शराब के ठेके के संचालन को लेकर क्षेत्रवासी महिला-पुरुषों ने विरोध प्रदर्शन किया। सड़क मार्ग जाम कर दुकान का बैनर जलाकर नारेबाजी की और जिला प्रशासन से शराब का ठेके शीघ्र हटाने की मांग की।

- लोगों ने मुख्य मार्ग जाम कर दुकान का बैनर जलाया

प्रदर्शनकारियों क्षेत्रवासी महिला-पुरुषों का कहना रहा कि नारीशाला रोड स्थित अशोक नगर में जो शराब का ठेका संचालित किया जा रहा है शराब ठेके के पास ही एक स्कूल संचालित है, जिससे बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता बनी हुई है। शहर जिला कांग्रेस कमेटी के सचिव सागर मीणा ने बताया कि तीन साल पहले भी नारीशाला रोड सैनी स्वीमिंग पुल के पास शराब का ठेका खोला गया था, तब भी विरोध प्रदर्शन को देखते हुए ठेका बंद कर दिया गया, क्षेत्रवासियों की मांग की है कि क्षेत्र में ठेका नहीं खोला जाए, लेकिन जिला प्रशासन और आबकारी विभाग द्वारा हठधर्मिता अपनाते हुए पुन: शराब का ठेका खोला जा रहा है। मीणा ने कहा कि बस्तियों में इस प्रका के ठेके खोले जा रहे है, जिससे स्कूली बच्चों पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा। इस ठेके को निरस्त किया जाए, निरस्त नहीं होने पर प्रदर्शन जारी रहेगा।

वहीं स्थानीय निवासी अनु शर्मा, जगदीश, चंचल चौहान सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियों ने कहा कि शराब ठेके को लेकर पहले भी जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर ठेके को बंद करवाया था, लेकिन फिर से ठेके के संचालन की अनुमति विभाग द्वारा दी गई। प्रदर्शनकारी महिलाओं का कहना रहा कि ठेके के कारण अराजकतत्वों की मौजूदगी से क्षेत्र में असुरक्षा का माहौल बन रहा है। महिलाओं का निकला दुश्वार हो रहा है, प्रदर्शनकारियों ने जिला कलेक्टर से ठेके को बंद करने अथवा अन्यत्र स्थानांतरित करने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही उनकी मांग का निराकरण नहीं किया गया तो उग्र आंदोलन किया जाएगा।

सड़क हादसे में महिला की मौत

टोंक, (निसं)। मेहंदवास थाना क्षैत्र स्थित हाइवे के पास खेत से ईधन लेकर लौट रही महिला को ट्रेलर ने टक्कर मार दी, जिससे महिला की मौत हो गई।

मेहंदवास थानाधिकारी ने बताया कि मृतका भूली देवी सेनी पत्नी बद्री लाल निवासी मेहंदवास जो सुबह खेत पर गई थी, लौटते समय जलाने के लिए ईधन सिर पर रखकर आ रही थी। इसी बीच जयपुर-कोटा हाइवे पर सड़क किनारे चल रही भूली देवी को ट्रेलर ने पीछे से टक्कर मार दी। हादसे की सूचना पर मेहन्दवास पुलिस पहुंची तथा एम्बुलेंस से घायल भूली को सआदत अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस नेपोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

आरोपी गिरफ्तार

बौंली-बामनवास, (निसं)। नाबालिग बालिका को बहलाकर भाग ले जाने के आरोपी विशाल पटेल निवासी इंदिरा कॉलोनी जवाहर नगर थाना पंतनगर जिला उधमसिंह (उत्तराखंड) को बौंली पुलिस ने गिरफ्तार किया। बौंली पुलिस थाने के हैड कांस्टेबल धर्मेंद्र चौधरी ने बताया कि 17 अप्रैल को परिवादी ने मामला दर्ज कराया था।

कार की टक्कर से एक की मौत

मालपुरा, (निसं)। टोडारायसिंह-बिसलपुर सड़क मार्ग पर काली मिर्ची खान के पास कार के पीछे से अन्य वाहन के द्वारा टक्कर मारने से कार सवार एक युवक की मौत हो गई वहीं दो जने घायल हो गये। मृतक के भाई की और से थाना पुलिस को दी रिपोर्ट मे बताया कि मृतक गोविन्द वर्मा पुत्र पूरणमल निवासी छोटी डाबर जिला टोंक अपने दोस्त राहुल खटीक व रिश्तेदार सुरज वर्मा के साथ कार से टोंक जा रहे थे। इसी दौरान प्रधान नगर मोड़ के पास कार को अन्य वाहन ने पीछे से टक्कर मार दी। जिससे कार असंतुलित हो पुलिया से टकरा गई। हादसे में कार सवार एक जने की मौत हो गई और दो जने घायल हो गये।

बिना मान्यता के चल रहे स्कूल के खिलाफ लोगों का धरना जारी

श्रीगंगानगर, (निसं)। यहां सुखाड़िया सर्किल के सामने स्थित श्री चैतन्य स्कूल के खिलाफ अभिभावकों का आक्रोश थमने का नाम नहीं ले रहा है। बिना मान्यता के संचालित हो रहे इस स्कूल के खिलाफ शुक्रवार को शुरू हुआ धरना शनिवार को भी जारी रहा। अभिभावकों ने स्कूल प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाए हैं कि स्कूल न केवल बिना मान्यता के चल रहा है, बल्कि 8 से 15 हजार रुपए तक की फीस वसूलने के साथ 1500 रुपए में अनिवार्य एप इंस्टॉल भी करवा रहा है। किताबें भी

- अभिभावकों ने आरोप लगाया कि स्कूल प्रबंधन बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहा है,स्कूल न केवल बिना मान्यता के चल रहा है, बल्कि 8 से 15 हजार रुपए तक की फीस वसूलने के साथ 1500 रुपए में अनिवार्य एप इंस्टॉल भी करवा रहा है

स्कूल से ही जबरन दिलवाई जा रही हैं। जब बच्चों की छुट्टी का समय हुआ तो स्कूल प्रबंधन ने मुख्य गेट बंद कर दिया, जिससे बच्चों को बाहर निकलने में परेशानी हुई। नाराज अभिभावकों ने पुलिस को बुलाया, जिन्होंने गेट खुलवाया। इस दौरान हंगामा भी हुआ। मौके पर पहुंचे शिक्षा विभाग के अधिकारियों और जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) ने स्पष्ट किया कि श्री चैतन्य स्कूल के पास संचालन की वैध मान्यता नहीं है। डीईओ ने कहा कि स्कूल ने मान्यता के लिए आवेदन अवश्य किया है, लेकिन अभी प्रक्रिया पूरी नहीं हुई है।

अभिभावकों ने आरोप लगाया कि स्कूल प्रबंधन बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। स्कूल प्रबंधन के खिलाफ आज भी दर्जनों अभिभावकों ने स्कूल परिसर के बाहर प्रदर्शन जारी रखा। स्कूल प्रबंधन की ओर से अभी तक कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया है। वहीं शिक्षा विभाग ने जांच शुरू कर दी है और जल्द कार्रवाई का भरोसा दिलाया है।

तलवार लहराते एक व्यक्ति गिरफ्तार

सादुलपुर, (निसं)। राजगढ़ थाना पुलिस ने गश्त के दौरान शनिवार को धारदार तलवार सहित एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

थानाधिकारी राजेश कुमार सिहाग ने बताया कि एरिया डोमिनेशन अभियान की कार्रवाई अंतर्गत सूचना मिली कि राजगढ़ कस्बे में मोहल्ला नरडिान में पिलानी फाटक व बहल फाटक के बीच रेलवे लाइनों के पास एक व्यक्ति गलियों में धारदार तलवार लहरा रहा है।

सूचना मिलते ही एसआई धर्मेंद्र सिंह पुलिस दल के साथ मौके पर पहुंचे तो देखा कि एक व्यक्ति तलवार लहराता हुआ गलियों में घूम रहा है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आरोपी को दबोच कर नाम पता पूछा तो अपना नाम मोहम्मद हुसैन कायमखानी निवासी वार्ड नंबर 25 राजगढ़ होना बताया। तलवार का कोई लाइसेंस परमिट के बारे में पूछा तो नहीं होना बताया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से धारदार तलवार बरामद किया है।

सट्टा खेलने वालों के खिलाफ कार्रवाई, तीन गिरफ्तार

ब्यावर, (निसं) जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक व वृताधिकारी के निकट सुपरविजन में जिला स्पेशल टीम व थानाधिकारी पुलिस थाना ब्यावर सिटी मय टीम ने रूपये पैसों का दांव लगाकर सट्टा खेलते तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। वहीं उनके कब्जे से

- छक्कादाना से रूपये पैसे से दांव लगाकर सट्टा खेल रहे थे

36 हजार रुपये जब्त किये।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार को जिला स्पेशल टीम व थानाधिकारी पुलिस थाना ब्यावर सिटी को मुखबीर से सूचना मिली कि नगर परिषद के पास 3-4 व्यक्ति छक्कादाना से रूपये पैसों का दांव लगा कर सट्टा खेल रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर देखा तो तीन व्यक्ति बैठे नजर आये। तीनों व्यक्ति पुलिस जाप्ता देख भागने लगे, जिस पर घेरा देकर तीनों को डिटेन किया जाकर देखा तो उक्त तीनों छक्कादाना पर रूपये पैसों का दांव लगा कर सट्टा खेल रहे हैं। जिनकी तलाशी लेने पर उनके कब्जे से 36,600 रूपये मिले जिनको जब्त कर ललित कुमार शर्मा पुत्र गिरधारी लाल शर्मा, शोयब छिपा पुत्र रफीक छीपा, मौहम्मद ऐजाज पुत्र ईकबाल को गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस ने जुआ सट्टा के आरोपियों को गिरफ्तार किया।

मारपीट कर नकदी लूटी

उदयपुर, (निसं)। सुखेर थाना पुलिस ने मारपीट कर मौलाना से रूपये छीनने वाले दो आरोपियों को डिटेन किया। प्रकरण के अनुसार शुक्रवार रात में यूपी हॉल रूपनगर कच्ची बस्ती निवासी मुस्तकीम रजा पुत्र शहादत हुसैन के साथ आरोपी यूपी हॉल रूपनगर कच्ची बस्ती निवासी आकाश पुत्र वीरमा तथा सतिश पुत्र सीताराम मारपीट कर 25 हजार रूपये नकदी छीन ले गए। इस मामले की सूचना मिलने पर सुखेर थानाधिकारी रविन्द्र चारण के नेतृत्व में गठित दल ने आरोपी आकाश व सतिश को डिटेन किया है। मुस्तकीम रजा रूपनगर कच्ची बस्ती में मौलाना है जो रात में अपने भाई के मकान अलीपुरा जा रहे थे, जहां बीच रास्ते में आरोपी वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए थे।

डॉ. गौरव गोंबर के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी पर चिकित्सकों ने आपत्ति जताई

बीकानेर, (निसं)। वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. गौरव गोंबर के खिलाफ सदर थाने में दर्ज एफआईआर पर चिकित्सा समुदाय में असंतोष व्याप्त है। इस संबंध में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए), मेडिकल प्रैक्टिशनर्स सोसाइटी (एमपीएस) और उपचार संगठन के पदाधिकारियों ने जिला पुलिस अधीक्षक कावेंद्र सागर से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. गौरव गोंबर के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी पर आपत्ति जताई और इसे अनुचित बताया।

प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि 4 मार्च को पीबीएम अस्पताल के अधीक्षक द्वारा गठित पांच सदस्यीय विशेषज्ञ मेडिकल बोर्ड ने डॉ. गोंबर को किसी भी प्रकार की लापरवाही से मुक्त पाया था। इस बोर्ड में न्यूरोलॉजिस्ट, नेफ्रोलॉजिस्ट, पीडियाट्रिशियन, पीडियाट्रिक सर्जन और मेडिकल ज्यूरिस्ट शामिल थे। इसके बावजूद, 21 मार्च को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. पुखराज

- प्रतिनिधिमंडल ने एसपी से डॉ. गोंबर के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी निरस्त करने की मांग की

साध ने दो सदस्यीय बोर्ड का गठन किया, जिसमें खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रमेश कुमार गुप्ता और सिटी डिस्पेंसरी नंबर एक के पीडियाट्रिशियन डॉ. मुकेश जनागल शामिल थे। इस बोर्ड ने उच्च स्तरीय जांच की सिफारिश की। हालांकि, 17 अप्रैल को इसी बोर्ड ने डॉ. गोंबर को लापरवाह ठहराया, जबकि दोनों रिपोर्टों में केवल तारीख और कुछ पंक्तियों का अंतर था।

प्रतिनिधिमंडल ने आरोप लगाया कि सीएमएचओ द्वारा गठित बोर्ड ने न तो डॉ. गोंबर को बुलाया, न ही उनका पक्ष सुना, जो प्रक्रिया की गंभीर अनदेखी है। उन्होंने यह भी बताया कि पीबीएम मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट के बाद सीएमएचओ द्वारा की गई जांच का कोई औचित्य नहीं है, क्योंकि यह निचले स्तर की जांच है और उसमें विशेषज्ञ चिकित्सक भी शामिल नहीं थे। प्रतिनिधिमंडल ने यह भी बताया कि राजस्थान सरकार के गृह विभाग द्वारा 29 मई 2022 को जारी मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुसार चिकित्सकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने से पहले उचित प्रक्रिया अपनाई जानी चाहिए थी। उन्होंने आरोप लगाया कि एएसआई अशोक अदलान ने इस एसओपी का उल्लंघन करते हुए डॉ. गोंबर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की।

प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस अधीक्षक से अनुरोध किया कि इस मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और डॉ. गोंबर के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को निरस्त किया जाए। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि यदि ऐसे मामलों में चिकित्सकों को निशाना बनाया जाता रहा, तो इससे चिकित्सा समुदाय में भय का माहौल बनेगा और समाज को योग्य चिकित्सकों की सेवाओं से वंचित होना पड़ेगा।

हत्या के प्रयास में बदमाश गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। बडगांव थाना पुलिस ने हत्या करने के प्रयास में एक बदमाश को गिरफ्तार किया। प्रकरण के अनुसार 17अप्रैल को पीड़ित गुलाबसिंह पुत्र रामसिंह निवासी गुरू की पालड़ी बडगांव ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दी। जिसमें उसने बताया कि 16 अप्रैल रात में पाली गांव में रोड़ पर दो व्यक्ति हल्ला कर रहे थे। जिनको टोकने पर एक व्यक्ति ने स्वयं को हुकमसिंह बेदला बताते हुए धमकाते हुए चले गए। आज

- आरोपी के खिलाफ सात अपराधिक प्रकरण दर्ज है

सांय हुकमसिंह बेदला व साथी बाइक पर मेरे घर आए तथा सरिये से सिर पर हमला कर दिया। चिल्लाने पर आरोपी फरार हो गए। मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा, पुलिस उप अधीक्षक कैलाश चन्द्र के सुपरविजन में बडगांव थानाधिकारी पूरणसिंह राजपुरोहित के नेतृत्व में गठित दल ने आसूचना एव तकनीकी अनुसंधान में मिले साक्ष्यों के आधार पर आरोपी हुकमसिंह पुत्र मनोहरसिंह निवासी आस्था ट्रेनिंग सेटर के पास बेदला को गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ हत्या के प्रयास के तीन, डकैती का एक, मारपीट व हथियार रखने का एक प्रकरण सहित सात अपराधिक प्रकरण पूर्व में दर्ज है।

अवैध अफीम जब्त

उदयपुर, (कासं)। चित्तौड़गढ़ की बस्सी तहसील के संग्रामपुर गांव में एक घर पर छापा मारकर अवैध अफीम जब्त की और एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। उप नारकोटिक्स आयुक्त, कोटा ने बताया कि केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो जयपुर प्रकोष्ठ के अधिकारियों ने 25 अप्रैल को चित्तौड़गढ़ जिले की बस्सी तहसील के संग्रामपुर गांव में एक घर पर छापा मारकर 1 किलो 085 किलोग्राम अवैध अफीम जब्त की और एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।

वांछित दो जनों सहित सात संदिग्ध गिरफ्तार

सादुलपुर, (निसं)। राजगढ़ थाना पुलिस ने विभिन्न मामलों में वांछित दो व्यक्तियों सहित सात संदिग्ध व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपियों से पूछताछ कर न्यायालय में पेश किया गया।

थाना अधिकारी राजेश कुमार सिहाग ने बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक की ओर से चलाए गए एरिया डोमिनेशन अभियान के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक किशोरी लाल के निर्देशन में गठित टीमों ने अलग-अलग जगह पर दबिश देकर हार्डकोर, भगोड़े, स्थाई वारंटी एवं मामलों में वांछित आरोपी व संदिग्ध व्यक्तियों के विरुद्ध कार्रवाई की।

- सभी आरोपियों से पूछताछ कर न्यायालय में पेश किया गया

अभियान अंतर्गत वांछित आरोपी आर्म्स एक्ट अंतर्गत मोहम्मद हुसैन पुत्र नासिर खान कायमखानी को गिरफ्तार किया गया।

इसके अलावा बीएनएस में वांछित आरोपी ओमप्रकाश उर्फ बल्लू पुत्र मांगेराम नाई निवासी बिरही कलां पुलिस थाना दादरी जिला चरखी दादरी हरियाणा को गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा शहर में संदिग्ध घूम रहे मीर सिंह जाट निवासी धीन्धवा बिचला पुलिस थाना पिलानी जिला झुंझुनूं, अरविंद कुमार जाट, राहुल जाट, नरेंद्र कुमार जाट निवासीगण दुधवा खारा चूरू, जैन पुत्र बाबूराम सांसी निवासी माता मंडी वार्ड नंबर 2 राजगढ़, रखमान उर्फ रुस्तम तेली निवासी वार्ड 33 राजगढ़, राम सैनी निवासी वार्ड नंबर 15 अग्रसेन नगर चूरू जिला चूरू को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि सभी आरोपियों से पूछताछ कर न्यायालय में पेश किया गया।

न्यायाधिपति गर्ग ने चूरू न्यायालय के भवन का शिलान्यास किया

चूरू कोर्ट को मिलेगी आधुनिक भवन की सौगात, हाईकोर्ट के जजों ने आधारशिला रखी

चूरू (निसं)। पुलिस लाइन में आवंटित भूमि पर न्यायालय के नये भवन की आधारशिला शनिवार को समारोहपूर्वक रखी गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधिपति व चूरू न्याय क्षेत्र के संरक्षक मनोज गर्ग थे। वहीं न्यायाधिपति कुलदीप माथुर व जिला एवं सत्र न्यायाधीश रविन्द्र कुमार कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अभिभाषक संघ के अध्यक्ष नरेंद्र सैनी ने की। इस अवसर पर आगंतुक अतिथियों ने भूमि पूजन कर भवन की आधारशिला रखी और शिलालेख पट्टिका का अनावरण किया। पं. रवि षर्मा ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना करवायी।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये जस्टिस मनोज गर्ग ने कहा कि न्याय व्यवस्था के आधुनिकीकरण में वर्तमान समय को देखते हुए भवन का वास्तु एवं नक्शा तैयार किया गया है। उन्होंने उपस्थित अधिवक्ताओं व न्यायिक अधिकारियों को नवीन न्यायालय के निर्माण की शुभकामनाएं देते हुए लंबित मामलों के त्वरित निस्तारण में अधिवक्ताओं से सहयोग का आव्हान किया। समारोह को संबोधित करते हुए जस्टिस कुलदीप माथुर ने कहा कि वर्तमान समय में मामलों का त्वरित निस्तारण करने वाले जज व वकीलों के आगे बढ़ने के अवसर ज्यादा होते हैं। चूरू के अधिवक्ता व न्याय विभाग को लम्बे समय से विशाल भवन की आवश्यकता थी, जो अब पूरी होने जा रही है। इस दौरान चूरू जिले से आये बार अध्यक्ष व अन्य प्रतिनिधियों ने अपनी-अपनी मांगों को लेकर चूरू न्याय क्षेत्र के संरक्षक मनोज गर्ग को ज्ञापन सौंपा।

कार्यक्रम में जिला संरक्षक बीरबल सिंह लाम्बा, आशाराम सैनी, अनंतराम सोनी, हकीम खान, पूर्व अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह शेखावत, रोशन सिंह राठौड़, वरुण सैनी, माणक चंद भाटी, जिला अभिभाषक संघ के प्रवक्ता ओमप्रकाश वर्मा, अभिषेक टावरी, ललित गौतम, धनराज सैनी, काशीराम शर्मा सहित वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया। कार्यक्रम के अन्त में पहलगाम के मृतकों को 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

राज. केन्द्रीय विश्वविद्यालय में मांगों को लेकर एबीवीपी का धरना जारी

अजमेर, (कासं)। राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय में कुलपति प्रोफेसर आनंद भालेराव के रवैये, विश्वविद्यालय में व्याप्त अनियमितताओं एवं विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को छात्रावास से निष्कासित करने के तुगलकी फरमान के विरोध में विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार के आगे चल रहा ए.बी.वी.पी. का अनिश्चितकालीन धरना तीसरे दिन भी जारी रहा।

विश्वविद्यालय इकाई अध्यक्ष रामूराम जानी ने बताया कि विद्यार्थी लगातार तीसरे दिन भी भयंकर तपती धूप में धरने पर बैठे हैं। इस दौरान कुछ विद्यार्थियों की तबियत भी खराब हुई, लेकिन फिर भी विद्यार्थी विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ अब भी मजबूती से डटे हुए हैं। धरना प्रदर्शन शुक्रवार रात को भी जारी रहा और छात्रावास से निष्कासित सभी विद्यार्थी रात को धरना स्थल पर ही सोए। इससे पूर्व इस मामले में ाक्रोश रैली निकाली गई थी तथा अजमेर जिला कलेक्ट्रेट पर भी कुलपति का पुतला फूंक कर कार्यकर्ताओं ने अजमेर जिला कलेक्टर को केंद्रीय शिक्षा मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा था। इस दौरान एबीवीपी के प्रदेश मंत्री जितेंद्र लोधा ने चेतावनी दी थी कि जल्द मांगें नहीं मानी गई तो संपूर्ण राजस्थान में कुलपति के खिलाफ प्रदर्शन किया जाएगा। जितेंद्र लोधा आज धरना स्थल पर भी पहुंचे। इस मामले में शुक्रवार को विश्वविद्यालय कुलसचिव अमरदीप शर्मा ने विद्यार्थियों की मांग सुनने एवं धरने पर बैठे विद्यार्थियों से चर्चा करने के लिए छह प्राध्यापकों की एक कमेटी का गठन किया। दोपहर बाद कमेटी धरना स्थल पर पहुंची तथा विद्यार्थियों से चर्चा कर लिखित में मांग पत्र मांगा। जिस पर एबीवीपी ने विद्यार्थियों के निष्कासन को वापस लेने, विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद द्वारा पारित 300 मीटर के दायरे में धरना प्रदर्शन प्रतिबंध के आदेश पर पुनर्विचार करने तथा हॉस्टल में पेयजल सहित विभिन्न समस्याओं के निवारण की मांग की।

- अभाविप के प्रदेश मंत्री जितेंद्र लोधा धरना स्थल पर पहुंचे

विद्यार्थियों ने यह भी बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने धरने को दबाने के लिए यहाँ पर आने वाले विद्यार्थियों की गेट पर डीटेल्स लिखवाना शुरू कर दिया है ताकि उन्हें टारगेट करके, दबाव बनाकर धरने में शामिल नहीं होने के लिए डरा धमका सके। प्रदेश मंत्री लोधा ने कहा कि वीसी साहब खुद ए.सी. की हवा में बैठे हैं और कैंपस की मूलभूत समस्याओं व प्रशासन की हीटलरगिरी को लेकर इस भीषण गर्मी में धरने पर बैठे विद्यार्थियों की सुध नहीं ले रहे हैं, ऐसे कुलपति को अपने पद पर बने रहने का कोई अधिकार नहीं है। साथ ही कुलपति को चेताया कि अगर जल्द सभी मांगें नहीं मानी गई तो पूरे प्रान्तभर में कुलपति के पुतले फूंके जाएंगे। विश्वविद्यालय इकाई अध्यक्ष रामूराम जाणी ने बताया कि विश्वविद्यालय में वित्तीय अनियमितताओं, भर्ती प्रक्रिया में धांधली, सरकारी पैसे के दुरुपयोग को लेकर एबीवीपी जल्द बड़ा खुलासा करेगी।

नीरज चोपड़ा को न अपनी देशभक्ति साबित करने की जरूरत है और ना ही खुद को। एक खिलाड़ी और सैनिक ही विदेशी धरती पर तिरंगा लहराकर देश का नाम रोशन करता है। आप एक खिलाड़ी होने के साथ-साथ सैनिक भी हैं।

- योगेश्वर दत्त

भारतीय पहलवान, नीरज चोपड़ा के समर्थन में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

महेन्द्र सिंह धोनी

चेन्नई सुपरकिंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने इंडियन प्रीमियर लीग में यहां सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ पांच विकेट की हार के बाद स्वीकार किया कि उनकी टीम बल्लेबाजी के लिए बेहतर हालात का फायदा उठाने में नाकाम रही और उन्होंने 15 से 20 रन कम बनाए। धोनी ने स्वीकार किया कि उनकी टीम बल्लेबाजी के लिए बेहतर हालात का फायदा नहीं उठा पाई। धोनी ने मैच के बाद कहा, "मुझे लगता है कि हम लगातार विकेट खोते रहे। एक और बात यह है कि पहली पारी में विकेट थोड़ा बेहतर था और 157 (154) रन उचित स्कोर नहीं था।

क्या आप जानते हैं ?... गुजरात टाइटन्स के साई सुदर्शनपास फिलहाल ऑरेंज कैप है। साई सुदर्शन ने 8 मैचों में कुल 417 रन बनाए हैं।

कोहली की विराट फार्म से भी जूझेगी दिल्ली

नई दिल्ली, 26 अप्रैल। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मौजूद सत्र में अब तक 392 रन ठोक चुके विराट कोहली की शानदार फॉर्म रविवार को यहां मेजबान दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के खिलाफ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के अभियान का अहम हिस्सा होगी। अरुण जेटली स्टेडियम में कल शाम आईपीएल की दो शीर्ष टीमें आमने सामने होंगी। कोहली की शीर्ष पर निरंतरता आरसीबी के हालिया प्रदर्शन का आधार रही है, जिससे टीम को अपने पिछले चार मैचों में से तीन में जीत मिली है। कोहली ने पिछले मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 70 रन की मैच जिताऊ पारी खेली थी। कप्तान रजत पाटीदार इस लय का फायदा उठाने और दिल्ली के खिलाफ टीम के मजबूत रिकॉर्ड को जारी रखने की कोशिश करेंगे, जिसने दोनों टीमों के बीच पिछले सात मुकाबलों में से पांच में जीत दर्ज की है। दिल्ली को अपने खुद के प्रदर्शन से प्रेरणा लेनी होगी, जिसने लखनऊ सुपर जायंट्स पर 8 विकेट से जोरदार जीत दर्ज की है। कप्तान अक्षर पटेल फॉर्म में चल रहे केएल राहुल और अभिषेक पोरेल पर भरोसा करेंगे, जिन्होंने पिछले मैच में अच्छा प्रदर्शन किया था।

लखन ने दूसरे दिन जीते नौ स्वर्ण पदक

लखनऊ, 26 अप्रैल। लखनऊ के खिलाड़ियों ने यूपी स्टेट सब जूनियर, कैडेट, जूनियर कराटे चैंपियनशिप-2025 के दूसरे दिन शनिवार को नौ स्वर्ण पदक जीतकर अपना दबदबा कायम रखा। वहीं गौतमबुद्ध नगर के खिलाड़ियों ने तीन और वाराणसी के खिलाड़ियों ने दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए। कराटे एसोसिएशन ऑफ यूपी के तत्वावधान में कराटे एसोसिएशन ऑफ लखनऊ द्वारा चौक स्टेडियम स्थित लालजी टंडन बहुउद्देश्यीय हाल में आयोजित चैंपियनशिप के दूसरे दिन लखनऊ के वेदांत सिंह, विवान आहूजा, इशिता, रूद्र आहूजा, साहिल यादव, अरहम खान, अनंत कुमार, अग्रिम दक्ष व अंश लोधी ने स्वर्णिम सफलता हासिल की। लखनऊ ने दूसरे दिन नौ स्वर्ण, 1 रजत व 4 कांस्य पदक जीते और अब तक 14 स्वर्ण, 3 रजत व 7 कांस्य सहित कुल 24 पदक के साथ तालिका में सबसे आगे चल रहा है। दूसरी ओर गौतमबुद्ध नगर ने 3 स्वर्ण, 4 रजत व 4 कांस्य और वाराणसी ने 2 स्वर्ण, 2 रजत व 2 कांस्य पदक जीते।

मेजबान चीन की नजर सुदीरमन कप खिताब पर

शियामेन (चीन), 26 अप्रैल। मेजबान चीन का लक्ष्य अपने सुदीरमन कप खिताब को बचाना और टूर्नामेंट में रिकॉर्ड 14वां खिताब हासिल करना है। रविवार को पूर्वी चीन के फ़ुज़ियान प्रांत के शियामेन में विश्व बैडमिंटन मिश्रित टीम चैंपियनशिप शुरू हो रही है। 1989 में स्थापित, इस आयोजन के 19वें संस्करण में पुरुष और महिला एकल, युगल और मिश्रित युगल में 16 टीमें प्रतिस्पर्धा करेंगी। चीन, दक्षिण कोरिया और इंडोनेशिया सहित केवल तीन देशों ने ही कभी ट्रॉफी पर कब्ज़ा किया है, चीन ने 2019 से पिछले तीन संस्करणों को जीतकर हाल के वर्षों में दबदबा बनाया है। एक मजबूत रोस्टर का दावा करते हुए, चीन की टीम में महिला लाइनअप में चार ओलंपिक चैंपियन चेन यूफेई (महिला एकल), चेन किंगचेन, जिया यिफान (महिला युगल) और हुआंग डोंगपिंग (मिश्रित युगल) शामिल हैं। पुरुषों में दुनिया की नंबर एक शि युकी एकल में बढ़त बनाए हुए हैं, जबकि पेरिस ओलंपिक रजत पदक विजेता जोड़ी लियांग वेइकेंग/वांग चांग पुरुष युगल में शीर्ष पर हैं। वांग झीयी, जियांग जेनबैंग और वेई याक्सिन जैसे उभरते सितारे भी चीनी पक्ष को और मजबूत करते हैं। टीमों को चार पूल में विभाजित किया गया है, जिसमें शीर्ष दो टीमें नॉकआउट चरण में पहुंचेंगी।

आईपीएल में अब 300 रन बनाना भी संभव : रिंकू सिंह

मुबंई, 26 अप्रैल। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का प्रतिनिधित्व कर रहे रिंकू सिंह का मानना है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) अब उस मुकाम पर पहुंच चुका है जहां 300 रन बनाना असंभव नहीं है। जियो हॉटस्टार के कार्यक्रम 'जनरल बोल्ड' पर रिंकू ने कहा मैं आमतौर पर नंबर 5 या 6 पर बल्लेबाजी करता हूं मैंने यूपी और आईपीएल में ऐसा किया है, इसलिए मुझे इसकी आदत है। मैं फिटनेस पर बहुत ध्यान देता हूं क्योंकि आईपीएल में 14 मैच होने के कारण, अपने शरीर को बनाए रखना और अच्छी तरह से रिकवर करना मेरी जिम्मेदारी है। मैं माही भाई (महेन्द्र सिंह धोनीद्ध से भी अक्सर बात करता हूं। वह मुझे शांत रहने और मैच की स्थिति के अनुसार खेलने के लिए कहते हैं। जब आप संयमित रहते हैं तो चीजें अपने आप ठीक हो जाती हैं। रिंकू ने कहा जब से मैंने आईपीएल में खेलना शुरू किया है, तब से मैं सीख रहा हूँ। मैं रसेल को करीब से देखता हूँ, खासकर कि वह अंतिम ओवरों में कैसे बल्लेबाजी करता है और कैसे वह अपने शरीर का इस्तेमाल ताकत पैदा करने के लिए करता है। मैं उसे देखता रहता हूँ और उससे कुछ सीखता रहता हूँ। उन्होने कहा आईपीएल उस मुकाम पर पहुँच गया है जहाँ 300 रन भी संभव है। पिछले साल, पंजाब ने कुल 262 रन का पीछा किया था। इस सीज़न में सभी टीमें मज़बूत हैं और कोई भी 300 रन तक पहुँच सकता है।

कोलकाता में बारिश के कारण मैच रद्द

केकेआर और पंजाब को मिले एक-एक अंक

कोलकाता, 26 अप्रैल। इंडियन प्रीमियर लीग का पंजाब किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच मुकाबला बारिश के कारण हार जीत के फैसले के बिना खत्म हो गया। पंजाब किंग्स ने पहले खेलते हुये चार विकेट पर 201 रन बनाये थे जिसके जवाब में कोलकाता ने एक ओवर में सात रन बना लिये थे जिसके बाद बारिश शुरु हो गयी। रात करीब 11 बजे अंपायरों ने बारिश के कारण मुकाबला रद्द कर दिया। इस मुकाबले में दोनो टीमो को एक एक अंक दिया गया जिसके बाद पंजाब 11 अंकों के साथ अंक तालिका के शीर्ष चार में पहुंच गया है जबकि कोलकाता सातवें स्थान पर है। आज के मैच का आकर्षण प्रभसिमरन सिंह (83) और प्रियांश आर्य (69) के बीच 120 रन की तूफानी शतकीय रही जिसकी बदौलत पंजाब किंग्स ने 44वें मुकाबले में शनिवार को कोलकाता नाइट राइडर्स के सामने जीत के लिये 202 रन का लक्ष्य रखा। ईडन गार्डन मैदान पर कप्तान श्रेयस अय्यर के टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी के फैसले को सही ठहराते हुये प्रियांश और प्रभसिमरन ने विस्फोटक शुरुआत की और पहले 50 रन मात्र 4.3 ओवर में ठोक डाले। प्रभसिमरन ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी का मुजाहिरा करते हुये अपना अर्धशतक मात्र 27 गेंदो में पूरा किया वहीं प्रियांश भी पूरी लय में नजर आ रहे थे।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद का सख्त रुख

अब बर्दाश्त नहीं, खत्म हो सभी क्रिकेट संबंध : सौरव गांगुली

नई दिल्ली, 26 अप्रैल। पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने 22 अप्रैल, मंगलवार को कश्मीर घाटी में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान को सख्त संदेश दिया है। पत्रकारों से बात करते हुए गांगुली ने कहा कि भारत को पाकिस्तान के साथ अपने सभी क्रिकेट संबंध तोड़ देने चाहिए और आईसीसी तथा एशियाई टूर्नामेंटों में भी उनके साथ नहीं खेलना चाहिए। दोनों देशों के बीच क्रिकेट संबंधों के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि हर दूसरे साल भारतीय धरती पर कोई न कोई आतंकी गतिविधि होती है और इसे अब बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए।

सौरव गांगुली ने संवाददाताओं से कहा, "100 प्रतिशत, भारत को ऐसा करना चाहिए (पाकिस्तान के साथ संबंध तोड़ना चाहिए)। कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। यह एक मजाक बन गया है कि ऐसी चीजें हर साल हो रही हैं। आतंकवाद बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।"

22 अप्रैल को एक बार फिर भारतीय धरती पर आतंक का कहर देखने को मिला, जब पांच से छह आतंकवादियों ने पहलगाम के बैसरन मैदानों में गोलीबारी की, जिसमें 26 लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) से जुड़े पाकिस्तानी आतंकवादी समूह द रेजिस्टेंस फोर्स (टीआरएफ) ने इस हमले की जिम्मेदारी ली।

भारतीय दिग्गज फुटबॉलर विजयन केरल पुलिस से सेवानिवृत्त

मलप्पुरम, 26 अप्रैल। पूर्व भारतीय फुटबॉल कप्तान और दिग्गज स्ट्राइकर आईएम विजयन पुलिस बल में 38 साल के लंबे करियर को समाप्त करने के बाद सेवानिवृत्त हो गए। मालाबार स्पेशल पुलिस में सहायक कमांडेंट के पद पर कार्यरत आईएम विजयन शनिवार को सेवा से सेवानिवृत्त हो गए। एमएसपी ग्राउंड में आयोजित विदाई परेड में साथी अधिकारियों से सलामी लेने के बाद विजयन सेवा से सेवानिवृत्त हुए। विदाई परेड के बाद, फुटबॉल के दिग्गज ने अपनी खुशी व्यक्त की और सेवानिवृत्ति के बाद अपनी योजनाओं का खुलासा किया।

वानखेड़े में एलएसजी के खिलाफ नये आत्मविश्वास से उतरेगी मुंबई

मुंबई, 26 अप्रैल। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में चार मैचों में शानदार जीत से उत्साहित मुंबई इंडियंस (एमआई) रविवार को वानखेड़े स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ नये आत्मविश्वास के साथ मैदान पर उतरेगी। यह मैच मुंबई के लिए प्लेऑफ में जगह बनाने के लिहाज से महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। मुंबई अब तक नौ मैचों में 10 अंकों के साथ चौथे स्थान पर हैं वहीं एलएसजी ने इस सीजन में असंगत प्रदर्शन किया है और वह पांच जीत और चार हार के साथ छठे स्थान पर है। मुंबई की वापसी काफी हद तक उनके प्रमुख खिलाड़ियों के फॉर्म की वजह से है। सीजन की धीमी शुरुआत के बावजूद, एमआई ने हाल के मैचों में अपनी किस्मत बदल दी है। उनकी बल्लेबाजी और गेंदबाजी इकाइयों ने सही समय पर काम करना शुरू कर दिया है। रोहित शर्मा ने हाल के मैचों में लगातार दो अर्धशतक जड़कर अपनी लय फिर से हासिल कर ली है। उनके हालिया प्रदर्शनों में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 46 गेंदों पर 70 रन की पारी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाती है।

युवा खिलाड़ियों की निडरता से शास्त्री प्रभावित

मुंबई, 26 अप्रैल। पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में चमक रहे युवा बल्लेबाजों की नई पीढ़ी की तारीफ करते हुये कहा कि आयुष म्हात्र,वैभव सूर्यवंशी,प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह का अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में भविष्य उज्जवल है। शास्त्री ने आईसीसी रिव्यू के नये एपिसोड में मेजबान संजना गणेशन के साथ बातचीत मं कहा कि वह भारतीय युवा सनसनी के निडर रवैये से हैरान हैं जिन्होंने

टूर्नामेंट में तूफान मचा दिया है। पूर्व भारतीय कोच ने चेन्नई सुपर किंग्स के आयुष म्हात्रे और राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी के साथ-साथ पंजाब किंग्स की आक्रामक सलामी जोड़ी प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह जैसे युवाओं की हिम्मत की दाद दी और कहा कि यह चौकड़ी भविष्य में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस फॉर्म को अच्छी तरह से दोहरा सकती है। शास्त्री ने कहा, पंजाब के दो सलामी बल्लेबाज शानदार बल्लेबाजी कर रहे हैं। ऐसा लग रहा है कि ये युवा खिलाड़ी जो अभी आए हैं, वे 14 साल या 17 साल के हैं और पहले छह ओवरों में ही रन बना लेते हैं। आर्य टूर्नामेंट की शुरुआत से ही शानदार फॉर्म में हैं। गौरतलब है कि 23 वर्षीय आर्य ने 8 पारियों में 201.58 की शानदार स्ट्राइक रेट से 254 रन बनाए हैं, जिसमें सीएसके के खिलाफ़ एक शानदार शतक भी शामिल है। आर्य को चोटिल रुतुराज गायकवाड़ की जगह टीम में शामिल किया गया था, और उन्होंने सिर्फ़ 15 गेंदों पर 32 रन बनाए, जिसमें चार चौके और दो छक्के शामिल थे, उन्होंने मुंबई इंडियंस के स्टार खिलाड़ियों से सजी लाइन-अप के खिलाफ़ अपने बोल्ड स्ट्रोक्स से प्रशंसकों और विशेषज्ञों को हैरान कर दिया।

23वें कुमार सुरेन्द्र सिंह मेमोरियल शूटिंग चैम्पियनशिप-2025

पिस्तौल स्पर्धा में राजस्थान के खिलाड़ियों को मैडल

जयपुर, 26 अप्रैल। राजस्थान राइफल एसोसिएशन को अपने प्रतिभाशाली एथलीटों पर गर्व हो रहा है जो की भोपाल, मध्य प्रदेश में आयोजित 23 वें कुमार सुरेंद्र सिंह मेमोरियल शूटिंग चैंपियनशिप-2025 पिस्तौल स्पर्धा और दिल्ली में आयोजित राइफल स्पर्धा में राजस्थान का प्रतिनिधित्व कर रहे है। यह आयोजन दिनांक 22 अप्रैल 2025 से 05 मई 2025 तक आयोजित किये जायेंगे इस प्रतिष्ठित आयोजन में देश भर के शीर्ष निशानेबाजों की भागीदारी होगी और राजस्थान का दल अपनी छाप छोड़ने के लिए तैयार है। इस आयोजन में 10 मीटर एयर पिस्तौल मिक्स्ड जूनियर टीम इवेंट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमे राज्य के प्रतिभाशाली निशानेबाज अंशुल और मोहिनी सिंह ने भाग लिया राजस्थान की इस जोड़ी ने मिलकर 578-11 अंको के साथ रजत पदक अपने नाम किया इस प्रतिस्पर्धा में सीनियर वर्ग मिक्स्ड टीम की जोड़ी में ओमप्रकाश मिठारवाल और मोहिनी सिंह ने मिलकर 573-13 अंक अर्जित किये और कस्य पदक हासिल किया । 10 मीटर एयर पिस्तौल सब युथ वीमेन इंडिविजुअल इवेंट में दीक्षिता चौधरी ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया, 10 मीटर एयर राइफल इवेंट की पैरा वीमेन इवेंट में रीना कुमारी ने 584.8 अंको के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया और 10 मीटर एयर राइफल सब युथ वीमेन इंडिविजुअल इवेंट में धुविशा चौधरी ने 628.8 अंक अर्जित किये और स्वर्ण पदक हासिल किया। नेशनल राइफल एसोसिएशन द्वारा आयोजित इस प्रकार के आयोजन पूरे भारत में खेल भावना को बढ़ावा देने और प्रतिभा के पोषण के लिए एक महत्वपूर्ण मंच हैं। अनुभवी प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में राजस्थान के निशानेबाज उत्कृष्ट परिणाम हासिल करने और राज्य को गौरवान्वित करने के लिए आश्वस्त हैं।

भारत, श्रीलंका और द. अफ्रीका के बीच ट्राई सीरीज

नई दिल्ली, 26 अप्रैल। भारत, श्रीलंका और साउथ अफ्रीका रविवार, 27 अप्रैल से शुरू होने वाली ट्राई सीरीज में खेलेन के लिए पूरी तरह तैयार हैं। श्रीलंका इस सीरीज की मेजबानी कर रहा है। वहीं कोलंबो का आर प्रेमदासा स्टेडियम टूर्नामेंट के सभी सात मैचों की मेजबानी करेगा।

रविवार, 11 मई को टूर्नामेंट का फाइनल मैच खेला जाएगा, इससे पहले सभी टीमों को एक दूसरे के खिलाफ 4-4 मैच खेलने का मौका मिलेगा। पॉइंट्स टेबल में टॉप-2 पर रहने वाली टीमों के बीच खिताबी जंग होगी। ये ट्राई सीरीज वनडे फॉर्मेट में खेली जाएगी।

इस सीरीज के लिए भारत ने पहले अपनी टीम का ऐलान कर चुका है। जिसमें बाएं हाथ की स्पिनर शुचि उपाध्याय और श्रीचरणी व तेज गेंदबाज ऑलराउंडर काशवी गौतम को पहली बार इंटरनेशनल टीम में शामिल किया गया है। यास्तिका भाटिया और स्नेहा राणा की भी टीम में वापसी हुई है। श्रीलंका की टीम की कमान अनुभवी ऑलराउंडर चमारी अटापट्टू के हाथों में होगी और टीम में अनकैप्ड स्पिनर माल्की मदारा के अलावा पिउमी वत्सला और डेवमी विहंगा को भी शामिल किया गया है। साउथ अफ्रीका टीम की कप्तानी विकेटकीपर कराबो मेसो, स्पिनर सेशनी नायडू और ऑलराउंडर मियान स्मिट को पहली बार वनडे टीम में शामिल किया गया है।

बीसीबी ने 250 करोड़ टका की निकासी पर दी सफाई

ढाका, 26 अप्रैल। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने शनिवार को नेतृत्व परिवर्तन के बाद से किए गए कुछ वित्तीय लेन-देन पर स्पष्टीकरण जारी किया है। बीसीबी ने दावा किया है कि ये लेन-देन बीसीबी के फंड की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए किए गए थे ताकि संस्था को 'निहित स्वार्थों' से बचाया जा सके। बोर्ड ने यह सफाई तब जारी की है जब कुछ मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया था कि फारुक अहमद के बीसीबी अध्यक्ष बनने के बाद से वित्तीय लेन-देन में कुछ अनियमितताएं हुई हैं। बीसीबी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, अगस्त 2024 में बीसीबी अध्यक्ष की भूमिका संभालने पर, फारुक अहमद ने बोर्ड के वित्तीय हितों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। विशेष रूप से पिछले वर्षों में वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों और जुलाई-अगस्त 2024 के बड़े पैमाने पर विद्रोह के बाद देश द्वारा अनुभव किए जा रहे कठिन आर्थिक दौर के संदर्भ में बीसीबी ने कहा बोर्ड के धन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, बोर्ड ने एक 'रणनीतिक निर्णय' लिया है कि बांग्लादेश बैंक द्वारा जोखिमपूर्ण श्रेणी में रखे गए बैंकों से 250 करोड़ टका वापस ले लिए जाएं तथा इसका अधिकांश हिस्सा ग्रीन और येलो जोन में वर्गीकृत बैंकों में पुनर्निवेशित किया जाए।

रक्षित के धुंआदार शतकीय पारी से सोनी क्रिकेट एकेडमी की एकतरफा जीत

जयपुर, 26 अप्रैल। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 27वीं नवीन-नफीस स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में आज नारायणा क्रिकेट ग्राउण्ड सिरसी ग्राम पर खेले गये पूल-ई के मैंच में रक्षित लुणावत 148 रन नाबाद (72 गेंद, 13 चौके 9 छक्के), की आतिशी पारी यश चौधरी 56 रन नाबाद की अद्धर्शतकीयपारी की बदोलत कोडाई स्पोर्टस एकेडमी को 138 रन से हराकर 2 अंक अर्जित किये।

टॉस जीतकर सोनी क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुये अपना पहला विकेट 13 रन पर गवा दिया लेकिन दूसरे विकेट पर रक्षित लुणावत 148 रन नाबाद तथा यश चौधरी 56 रन नाबाद ने मिलकर 214 की नाबाद साझेदारी निभाकर अपनी टीम का स्कोर निर्धारित 20 ओवर में 1 विकेट खोकर 227 रन पहुँचा दिया। कोडाई क्रिकेट एकेडमी की ओर से शुभम निर्वाण 38 रन पर 1 विकेट लेकर एकमात्र सफल गेंदबाज रहे। जवाबी पारी में कोडाई स्पोर्टस एकेडमी के राहुल नायर 24 रन, गुणवंश निर्वाण 21 रन नाबाद, राज 13 रन, सुमित सैनी 10 रन ही सोनी क्रिकेट एकेडमी के गेंदबाजों ललित शेरावत 10 रन पर 2 विकेट, जयकिशन 11 रन पर 2 विकेट हर्ष जाखड़ 26 रन पर 2 विकेट तथा परिक्षीत व यश चौधरी प्रत्येक 1-1 विकेट के समक्ष कुछ हद तक टीक सके, शेष बल्लेबाज कि विफलता के चलते पूरी टीम 19.3 ओवर में 89 रन पर सिमट गई। मैन ऑफ दा मैच रक्षित लुणावत 148 रन नाबाद (72 गेंद, 13 चौके, 9 छक्के) सोनी क्रिकेट एकेडमी रहे।

क्लार्क के पंजे की मदद से सरे ने समरसेट को 283 रन पर समेटा

लंदन, 26 अप्रैल। जॉर्डन क्लार्क ने (5-68) की घातक गेंदबाजी की बदौलत सरे ने ओवल में पहले दिन समरसेट की पहली पारी को 283 रनों पर समेट दिया।

समरसेट की ओर से टॉम लैमनबी ने सर्वाधिक 76 रन बनाए। एक समय समरसेट के दो विकेट पर 146 रन थे और उसकी स्थिति संतोषजनक थी मगर क्लार्क की सनसनाती गेंदो के चलते कुछ ही समय में उसका स्कोर सात विकेट पर 187 रन हो गया। हालांकि बाद में कप्तान लुईस ग्रेगरी (62) ने वापसी की और शुक्रवार को आखिरी तीन विकेटों के लिए 96 रन जोड़े। ग्रेगरी अंतिम ओवर में डीप में कैच आउट हुए और समरसेट 283 रन पर आउट हो गया।

आरसीए कन्वीनर जयदीप बिहानी ने आरसीए एकेडमी में चल रहे एनसीए अंडर-16 केम्प का जायजा लिया

जयपुर, 26 अप्रैल। बीसीसीआई द्वारा राजस्थान क्रिकेट संघ को एनसीए अन्डर-16 प्रशिक्षण शिविर के आयोजन की जिम्मेदारी दी गयी है। राजस्थान क्रिकेट संघ तदर्थ कार्यकारिणी के संयोजक जयदीप बिहानी आज सुबह आरसीए एकेडमी पहुंचे एवं शिविर में भाग ले रहे खिलाड़ियों एवं स्टॉफ से रूबरू हुये। बिहानी से एनसीए स्टॉफ को आरसीए की तरफ से दी जा ही सुविधाओं के बारे में फीडबैक प्राप्त किया एवं उन्हे आश्वस्त किया कि इस सेन्टर पर आपको किसी भी प्रकार की समस्या नहीं आयेगी एवं बीसीसीआई के मापदण्ड़ो के अनुसार हर सुविधा आपको प्रदान की जावेगी। बिहानी ने बताया कि प्रशिक्षण शिविर आरसीए एकेडमी पर दिनांक 18 अप्रैल से प्रारम्भहुआ है जो कि दिनांक 14 मई, 2025 तक चलेगा। इस शिविर में अन्डर-16 विजय मर्चेन्ट प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले देश के विभिन्न राज्यो के 25 खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। वही बीसीसीआई क्वालिफाईड 4 कोचेज, 2 फिजियो, 2 ट्रेनर द्वारा इन खिलाड़ियों पर बारीकी से नजर रखी जा रही है। साथ ही सम्पूर्ण गतिविधियों को विडियो एनलिस्ट द्वारा कैमरे में भी कैद किया जा रहा है एवं उसके उपरान्त खिलाडियों को क्लास में विड़ियों के अनुसार तकनीकी ज्ञान एक्शन इम्प्रूव भी किया जा रहा है। एक महीने के इस शिविर के दौरान खिलाड़ियों को नेट्स, फिल्डिंग प्रेक्टिस, मैच सिनारियो, जिम, पुल सेशन आदि दिये जाते है। पूरा कार्यक्रम बीसीसीआई / एनसीए द्वारा तैयार किया जाता है। शिविर के शुरूआत में खिलाडियों के विभिन्न मेडिकल टेस्ट कराये जाते है एवं फिट होने पर ही खिलाड़ियों को शिविर में शामिल किया जाता है। गौरतबल है कि आरसीए द्वारा दी जा रही बेहतरीन सुविधाओं के चलते बीसीसीआई द्वारा आरसीए को हर वर्ष अन्डर 16, अन्डर 19 अथवा महिला प्रशिक्षण शिविर की जिम्मेदारी दी जाती है। इन प्रशिक्षण शिविरों में भाग ले चुके विभिन्न खिलाड़ी आज आईपीएल एवं भारत के लिए खेल रहे है जिसमें ध्रुव जुरैल, रियान पराग एवं संजु सैमसंग आदि शामिल है।

इलेवन स्टार क्रिकेट क्लब ने राजीव क्रिकेट क्लब को हराया

जयपुर, 26 अप्रैल। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अनुराग मिश्रा स्मृति बी डिवीजन लीग के पूल सी के मैच में इलेवन स्टार क्रिकेट क्लब ने राजीव क्रिकेट क्लब को 10 विकेट से हराया। राजीव क्रिकेट क्लब ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ज्यानील सदानानी के 22 रन, प्रथम गंगलानी के 13 रन, दक्ष जैन के 26 रन, निकेत मीणा के 14 रनों से 27 ओवर में मात्र 95 रन बनाकर आउट हो गई। इलेवन स्टार क्रिकेट क्लब के लिए लोकेंद्र चौधरी ने घातक गेंदबाजी करते हुए 10 रन पर 6 विकेट लिए, देवांक सिंगोदिया ने 20 पर 3 व हर्षित गौर ने 11 पर 1 विकेट लिया। जवाबी पारी में इलेवन स्टार क्रिकेट क्लब की टीम ने गौरव तोड़ावत के नाबाद 75 रन व क्षितिज के 12 रन नाबाद से 8.3 ओवर में बिना विकेट 96 रन बनाकर मैच जीत लिया।

राजस्थान आवासन मण्डल

हमारा प्रयास, सबको आवास

इस गर्मी में अपनी होगी छत, अपनी होगी छांव... आवासन मण्डल लाया अपने घर की सौगात

ई-ऑक्शन के माध्यम से आवासीय/व्यावसायिक प्रीमियम संपत्तियों को खरीदने का सुनहरा अवसर

ई-ऑक्शन की तिथि 26 से 28 मई, 2025

योजना का नाम - रंगबाड़ी, कोटा (बड़े व्यावसायिक भूखंड)			
भूखण्ड संख्या	कुल भूखंड संख्या	क्षेत्रफल (वर्ग मीटर)	न्यूनतम बोली मूल्य (रुपयों में)
5-C-2	1	1178.92 sqm	80000/-प्र.व.मी.
योजना का नाम - न्यू आर.एच.बी.कॉलोनी, डीटीओ के पास, हनुमानगढ़ (बड़े व्यावसायिक भूखंड) RAJ/P/2023/2457			
A-53 (SC) (C), A-15 (C), B-08 (ST) (C)	3	30 sqm	51000/-प्र.व.मी.
A-26, A-27, A-30 (SC), A-35 (ST), A-36 (SC)	5	90 sqm	48500/-प्र.व.मी.
A-52 (ST) (C), A-08 (ST) (C), A-53(C), A-59 (SC) (C)	4	72 sqm	51000/-प्र.व.मी.
A-03, A-02, A-07, A-06 (SC)	4	54 sqm	48500/-प्र.व.मी.
B-19 (SC), B-24 (SC)	2	72 sqm	48500/-प्र.व.मी.
योजना का नाम - मानसरोवर, जयपुर (बड़े व्यावसायिक भूखंड)			
14E/M-21	1	35.38 sqm	180000/-प्र.व.मी.
112/C/SP-01 (C)	1	2705.63 sqm	215000/-प्र.व.मी.
09 (RAJ/P/2023/2718) (C)	1	6282.01 sqm	216000/-प्र.व.मी.
योजना का नाम - माँ लतियाल भवानी एक्सटेंशन हाउसिंग स्कीम फलौदी, जोधपुर (बड़े व्यावसायिक भूखंड)			
C (Corner)	1	1578.85 sqm	20000/-प्र.व.मी.
योजना का नाम - न्यू आर एच बी कॉलोनी, डीटीओ के पास, हनुमानगढ़ (छोटे वाणिज्य भूखंड) RAJ/P/2023/2457			
B-02, B-03	2	21.60 sqm	48500/-प्र.व.मी.
B/K-06 (C)	1	6.25 sqm	51000/-प्र.व.मी.
B-30 (SC), B-38, B-31	3	16.20 sqm	48500/-प्र.व.मी.
A-51 (ST), A-16 (ST)	2	27.00 sqm	48500/-प्र.व.मी.
योजना का नाम - मानसरोवर, जयपुर (छोटे वाणिज्य भूखंड)			
14E/M-22, 14E/M-23 (ST)	2	27 sqm	180000/-प्र.व.मी.
योजना का नाम - इंदिरा गाँधी नगर, जयपुर (आवासीय भूखंड)			
7/H/37 (Plinth Level)	1	324 sqm	13500000/-प्रति आवास
योजना का नाम - इंदिरा गाँधी नगर, जयपुर (निर्मित आवास)			
7/H/222, 7/H/228, 7/H/235, 7/H/238	4	128.92 sqm	8000000/-प्रति आवास
9/L/565	1	67.50 sqm	4000000/-प्रति आवास
14/H/184, 14/H/188	2	128 sqm	7000000/-प्रति आवास
8/HMM/66	1	216 sqm	8000000/-प्रति आवास
11/H/195-C (DUPLEX)	1	236.25 sqm	19500000/-प्रति आवास

*उपरोक्त भूखण्ड/आवास 'जहाँ/जैसी स्थिति में है' आवंटित किये जायेंगे।

नीलामी की विस्तृत जानकारी के लिए QR कोड स्केन करें

नीलामी में भाग लेने, विस्तृत शर्तों एवं अन्य जानकारी के लिए राजस्थान आवासन मण्डल की वेबसाइट https://rhb.rajasthan.gov.in देखें। तथा भवन निर्माण पेरामीटर्स भवन विनियम 2020 के अनुसार रहेंगे।

हेल्पलाइन नं. कार्यालय समय में: **0141-2744688, 2740009**, कार्यालय समय उपरान्त: 9461054291/92/319 एवं **9460254319, 6376868696** या समन्वयक अधिकारी श्री भारत भूषण जैन **(9828363615)** से सम्पर्क करें

Rera Website: www.rera.rajasthan.gov.in राज.संवाद/सी/25/1377

आवासन आयुक्त

प्रवासी राजस्थानियों का मातृभूमि को समृद्ध बनाने में योगदान है : मुख्यमंत्री भजनलाल

मुंबई में ''कर्मभूमि से मातृभूमि'' कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने पानी, ऊर्जा, रोजगार व औद्योगिक विकास पर जोर दिया

मुंबई/जयपुर, 26 अप्रेल। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार करने के लिए राज्य सरकार पानी, ऊर्जा, रोजगार और औद्योगिक क्षेत्र के विकास को प्राथमिकता देते हुए समर्पित भाव से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि इस संकल्प को साकार करने में 8 करोड़ प्रदेशवासियों की भागीदारी के साथ ही राजस्थानी भाई-बहनों की भी अहम भूमिका होगी।

शर्मा शनिवार को मुंबई में आयोजित ''कर्मभूमि से मातृभूमि'' कार्यक्रम में प्रवासी राजस्थानी समुदाय को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मुझे अपनी देश-विदेश की विभिन्न यात्राओं के दौरान यह देखकर अत्यधिक प्रसन्नता हुई कि हमारे प्रवासी राजस्थानी अपनी कर्मभूमि के विकास में योगदान देने के साथ ही अपनी माटी से जुड़ाव रखते हुए राजस्थान को संवारने और समृद्ध बनाने में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

- मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि भामाशाहों व प्रवासी भाई-बहनों के सहयोग से राज्य में 45 हजार जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मुंबई में आयोजित ''कर्मभूमि से मातृभूमि'' कार्यक्रम में प्रवासी राजस्थानियों को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रवासी राजस्थानी समुदाय से राजस्थान में निवेश करने की अपील की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रवासी राजस्थानियों ने एक ऐसी ही पहल जल संचय के क्षेत्र में की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से राज्य सरकार द्वारा शुरू किए गए कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान में हमें भामाशाहों और प्रवासी भाई-बहनों का भरपूर सहयोग मिल रहा है। इसके तहत राज्य में लगभग 45 हजार जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण किया जाएगा। यह अभियान वर्षा जल की एक-एक बूंद को सहेजकर न केवल जल उपलब्धता बढ़ाएगा बल्कि भूजल स्तर को बढ़ाने में भी मददगार बनेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने राजस्थान में पानी की पर्याप्त उपलब्धता के लिए कई कदम उठाए हैं। वर्षों से लंबित ईआरसीपी (राम जल सेतु लिंक परियोजना) से जुड़ा समझौता करके हमने इसके कार्य भी प्रारंभ कर दिए हैं। शर्मा ने प्रवासी राजस्थानी समुदाय को राजस्थान में निवेश करने के लिए आमंत्रित करते हुए कहा कि राजस्थान में निवेश से उनका कारोबार तो बढ़ेगा ही, साथ ही प्रदेश की समृद्धि में भी महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। उन्होंने कहा कि इसके लिए राजस्थान सरकार हरसंभव मदद करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा दुनिया के विभिन्न देशों और देश के विभिन्न राज्यों में आईएएस अधिकारियों को नोडल अधिकारी के रूप में नियुक्त किया है, जो कि राज्य सरकार और निवेशकों के मध्य समन्वय का कार्य करेंगे।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में जल संचय के कार्य किए जा रहे हैं। साथ ही, घर-घर तक नल कनेक्शन के माध्यम से जल पहुंचाया जा रहा है। इस अवसर पर गुजरात के गृह राज्य मंत्री हर्ष सांघवी, वन राज्य मंत्री मुकेश भाई पटेल तथा जोधपुर विधायक अतुल भंसाली सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में प्रवासी राजस्थानी उपस्थित थे।

सांसद हनुमान बेनीवाल अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे

जयपुर, 26 अप्रेल। पुलिस उप निरीक्षक भर्ती को रद्द करवाने की मांग को लेकर शनिवार को जयपुर स्थित शहीद स्मारक पर अनिश्चितकालीन धरना शुरू हुआ,आरएलपी अध्यक्ष व नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल अपने समर्थकों के साथ जालूपुरा स्थित आवास से पैदल शहीद स्मारक पहुंचे और एसआई भर्ती को रद्द करने की मांग उठाई।

सांसद ने पीटीआई परीक्षा के छात्रों के दस्तावेज का पुनः सत्यापन कराने सहित कई विषयों पर भी अपनी बात रखी वहीं मीडिया से संवाद करते हुए भजनलाल सरकार पर कई आरोप लगाए और राजस्थान लोक सेवा आयोग में हुए भ्रष्टाचार की बात भी उठाई। दस्तावेजों के साथ आरएएस 2018 भर्ती को लेकर यह बात कही

सांसद हनुमान बेनीवाल ने कहा कि राजस्थान लोक सेवा आयोग भ्रष्टाचार में आकंठ डूबा हुआ है, इसके कई प्रमाण है , इसका अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि पदमा चौधरी नामक एक अभ्यर्थी जिसकी आरएएस 2018 में 24 वीं रैंक थी और इस अभ्यर्थी ने आरएएस मैंस के 4 पेपर

- उनकी मुख्य मांग, पुलिस उपनिरीक्षक भर्ती को रद्द करने की है।

में अंग्रेजी के प्रश्न संख्या 34 का उत्तर भी नहीं लिखा , उसमें उस मूल्यांकनकर्ता ने पहले तो शून्य नंबर दिए मगर इसके बाद 7 नंबर दे दिए जिससे उसकी रैंक 24 हो गई। यह पूरी सांठ गांठ आरपीएससी के चेयरमैन व कई सदस्यों तथा कोचिंग माफियाओं व सत्ता में बैठे युवाओं के सपनो के सौदागरों के संरक्षण के बिना सम्भव नहीं था, इस अभ्यर्थी के साक्षात्कार में भी 72 मार्क्स दिए गए जो बहुत अधिक है और बिना सांठ - गांठ असंभव है।

बेनीवाल ने कहा कि जयपुर के एक बड़े कोचिंग संस्थान स्प्रिंग बोर्ड के फर्जीवाड़े से एसडीएम बनी इस पदमा चौधरी को रोल मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया तथा अपनी कोचिंग के पब्लिकेशन से फर्जीवाड़े से आरएएस बनी पदमा चौधरी के नाम से हिंदी की बुक प्रकाशित करवाई तथा उसमें केवल उसके हिंदी का पेपर ही प्रकाशित किया क्योंकि अंग्रेजी के पेपर में तो खाली पेज में भी 7 मार्क्स दे रखें थे,सांसद बेनीवाल ने सीएम भजनलाल शर्मा व राज्यपाल के एक्स हैंडल पर पोस्ट करते हुए प्रदेश के युवाओं के हित में राजस्थान लोक सेवा आयोग को भंग करके उसका पुनर्गठन करने तथा इस मामले की जांच सीबीआई से करवाने तथा फर्जीवाड़े से आरएएस बनी पदमा चौधरी को तत्काल निलम्बित करने व साथ ही आरपीएससी के उस वक्त के तमाम उन सदस्यों और अधिकारियों को गिरफ्तार करने और उस वक्त के तमाम अभ्यर्थियों की कॉपियों को सार्वजनिक करने की मांग उठाई । शनिवार शाम पहलगाम में हुए आतंकी हमले में दिवंगत हुए नागरिकों को राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी ने श्रद्धांजलि अर्पित की,सांसद हनुमान बेनीवाल के नेतृत्व में कैंडल मार्च निकाला गया। बेनीवाल ने पीएम मोदी से पाक अधिकृत कश्मीर को फिर से भारत के हिस्से में लेने की मांग उठाई, बेनीवाल ने कहा कि मोदी के लिए अब भाषण देने का नहीं बल्कि कुछ करने का समय है।

सुरक्षा विशेषज्ञों की राय में, ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अनावश्यक वृद्धि से बचा जा सके।

सेवानिवृत्त लेफ्टिनेन्ट जनरल राकेश शर्मा ने भी जोर देते हुये कहा है कि जहाँ स्थानीय टकराव तथा भड़काऊ गतिविधियाँ सामान्य बातें है, वहीं दोनों देश आमतौर से रणनैतिक नियंत्रण से काम लेते हैं। उन्होंने कहा, ''ऐतिहासिक घटनाएं तथा अन्तर्राष्ट्रीय कूटनीतिक दबाव युद्ध छिड़ने की स्थिति को प्रभावी तरीके से रोकने का काम करते हैं।''

विश्लेषकों ने पाकिस्तान की खराब होती जा रही आर्थिक स्थिति, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उसका अलग-थलग पड़ जाना तथा वहां की अंदरूनी अस्थिरता की ओर ध्यान आकृष्ट किया है तथा कहा है कि ये कारण इस्लामाबाद की लम्बे संघर्ष में पड़ने की संभावनाओं को और भी कम करते हैं। इसके अलावा, वैश्विक ताकतें, जिनमें अमेरिका तथा चीन भी शामिल हैं, से भी अपेक्षा है कि वे स्थानीय तनावों को विरासत बनने से रोकने के लिए अपने कूटनीतिक प्रभावों को काम में लेंगी।

इस बीच, खुफिया एजेंसियों से सचेत किया है कि कुछ समय के लिए आतंकी गतिविधियों में वृद्धि सम्भव है। लेकिन गृह मंत्रालय के अधिकारियों ने इस बात को दोहराया है कि भारतीय सुरक्षा बल किन्हीं भी खतरों को निष्क्रिय करने में पूरी तरह सक्षम हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ''सरकार पूरी तरह से सजगता बरत रही है तथा स्थिति की बारीकी से मॉनिटरिंग कर रही है, लेकिन बड़े पैमाने पर सैन्य लामबन्दी की योजनाओं का कोई संकेत नहीं है।''

एक सरकारी बयान में, विदेश मंत्रालय ने उस क्षेत्र में शांति एवं स्थिरता की भारत के संकल्प को दोहराया है, साथ ही यह स्पष्ट किया है कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए किसी भी खतरे से दृढ़तापूर्वक निबटा जायेगा तथा उसका माकूल जवाब दिया जायेगा।

विशेषज्ञों ने आम जनता को सचेत किया है कि वह अप्रमाणित अफवाहों पर धयान नहीं दे तथा सनसनीखेज बातों से कोई मतलब नहीं रखे। अजय साहनी ने धैर्य के महत्व पर जोर दिया है तथा दोनों देशों के बीच सुस्थापित कम्यूनिकेशन चैनलों पर ही विश्वास करने को कहा है। उन्होंने निष्कर्ष के रूप में कहा, ''ऐसी अपेक्षा है कि आगामी दिनों में स्थिति शान्त हो जायेगी, बशर्ते, दोनों पक्ष रणनैतिक धैर्य से काम लेते रहें।'' इस समय, जम्मू-कश्मीर के अधिकांश भागों में हालात सामान्य है, हालांकि संवेदन स्थानों पर सुरक्षा की बड़ी व्यवस्था की गई है। अधिकारियों ने पर्यटकों तथा वहां के बाशिन्दों से कहा है कि वे सजग तो रहें, लेकिन आश्वस्त भी रहें कि जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक सावधानियां बरती जा रही हैं।

पाक सेना ने रात भर सीमा पर फायरिंग की

नई दिल्ली, 26 अप्रैल। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ लिए गए कठोर निर्णयों से बौखलाए पाकिस्तान की सेना ने शुक्रवार पूरी रात कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर फायरिंग की जिसका भारतीय सेना ने जोरदार जवाब दिया। सेना के सूत्रों ने शनिवार सुबह बताया कि पाकिस्तानी सेना ने 25 और 26 अप्रैल की दरम्यानी रात कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर अनेक चौकियों से छोटे हथियारों से फायरिंग की । सूत्रों ने कहा कि भारतीय सेना ने भी इसके जवाब में जोरदार फायरिंग की। फायरिंग के दौरान किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

भारी ''इन्सैन्टिव'' देने के बावजूद ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को कम करने की कोशिश कर रहे हैं। ''ऐसा लगता है कि दोनों सरकारें सावधानी से देख रही हैं और व्यापार को पूरी तरह से रोकना नहीं चाहतीं,'' उन्होंने कहा। ''कुछ कंपनियाँ बता रही हैं कि वे कुछ वस्तुएँ बिना शुल्क के ला पा रही हैं। अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। हम उसके इंतजार में हैं।''

फिर भी व्यापक निवेश परिदृश्य एक चिंताजनक तस्वीर पेश करता है। वर्ष 2024 में चीन में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश साल-दर-साल 27.1 प्रतिशत गिर गया, जो कि 2008 की वित्तीय मंदी के बाद सबसे तेज गिरावट है। बीजिंग ने इसे स्थिर करने के लिए 20-बिन्दु की कार्य योजना शुरु की, जिसमें दूरसंचार, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे क्षेत्रों को खोलने की बात शामिल है, लेकिन कारोबारी समुदाय अभी भी संशय में है।

एम चैम चाइना के केवल 33 प्रतिशत सदस्यों ने निवेश माहौल में सुधार की बात कही- जो पिछले वर्ष से महज़ पाँच प्रतिशत की बढ़ोतरी है। वहीं, खराब होते माहौल की बात करने वाले कंपनियों की संख्या घटकर 28 प्रतिशत रह गई, जो सात प्रतिशत की गिरावट है, लेकिन फिर भी यह एक बड़ी संख्या है। महत्वपूर्ण बात यह है कि अब 21 प्रतिशत सदस्य कंपनियाँ चीन को शीर्ष निवेश गंतव्य नहीं मानतीं। जो महामारी से पहले की तुलना में दोगुनी संख्या है।

इस समस्या का एक हिस्सा नीतियों को आगे भेजे जाने और कार्यान्वयन के तरीके में है। श्वेतपत्र कहता है, ''हमारे सदस्य कंपनियों के नजरिए से, नीति संबंधी उपायों को विदेशी उद्यमों तक बेहतर ढंग से पहुंचाया जाना चाहिए और सरकार के सभी स्तरों पर समान रुप से लागू किया जाना चाहिए।'' सदस्य कंपनियाँ ''खुले और स्पष्ट संवाद चैनलों'' की मांग कर रही हैं ताकि वे समय पर प्रतिक्रिया दे सकें और अपनी चिंताओं को साझा कर सकें।

व्यापार और नीतिगत अनिश्चितताओं के अलावा, अमेरिकी कंपनियों ने संरचनात्मक चुनौतियों को भी उजागर किया, विशेष रुप से डेटा सुरक्षा और तकनीक व वित्त जैसे प्रमुख क्षेत्रों के रणनीतिक अलगाव को लेकर। इसके अलावा विदेशी निवेशित कंपनियों के साथ घरेलू कंपनियों के मुकाबले भेदभाव की भावना भी चिंता का विषय बनी हुई है, भले ही सरकार ने भेदभाव नहीं करने का वादा किया हो।

कुल मिलाकर, श्वेत पत्र एक सतर्क विमुखता की तस्वीर पेश करता है- यह कोई सामूहिक पलायन नहीं है, लेकिन चीन में नया पूँजी, मानव संसाधन या रणनीतिक योजना लगाने में बढ़ती हिचकिचाहट जरुर है। जैसे-जैसे दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएँ जटिल विवादित संबंधों के बीच झूल रही हैं, सामान्य व्यापार की गुंजाइश तेजी से कम होती जा रही है।

अन्य देशों की बात करें, तो अमेरिका की नज़र वियतनाम, मैक्सिको, फिलीपींस, मलेशिया, थाईलैंड, पोलेंड और चेक गणराज्य पर भी है।

वियतनाम ''चीन प्लस वन की'' रणनीति से लगातार लाभ उठा रहा है। उसकी कम मजदूरी लागत, व्यापार समर्थक नीतियाँ और चीन से निकटता के कारण आपूर्ति शृंखला विशेषकर इलेक्ट्रॉनिक्स और वस्त्रों के लिए आदर्श स्थान बन गया है।

मैक्सिको अमेरिका के लिए आपूर्ति शृंखला को छोटा करने का एक आकर्षक विकल्प बनता जा रहा है यूएसएमसीए समझौते, भौगोलिक निकटता और कम लॉजिस्टिक लागतों के चलते।

फिलीपींस, मलेशिया और थाईलैंड आउटसोर्सिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स एसैम्बलिंग और सेवाओं के लिए हॉटस्पॉट बनते जा रहे हैं। ये देश प्रतिस्पर्धी श्रम, बेहतर हो रहे बुनियादी ढांचे और व्यवसाय के अनुकूल नीतियाँ पेश कर रहे हैं।

कुछ अमेरिकी कंपनियाँ, विशेष रुप से हाई-टैक और एयरोस्पेस क्षेत्रों में, पूर्वी यूरोप के देशों- खासकर पोलैंड और चेक गणराज्य -की ओर देख रही हैं, जहाँ कुशल श्रम, यूरोपीय संघ की पहुँच और यूरोप तथा यूरेशिया दोनों बाजारों की सेवा के लिए बेहतर रणनीतिक स्थिति है।

पी.डब्ल्यू.डी. ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की थी। इस प्रावधान के चलते जो अफसर व कर्मचारी 30 जून को रिटायर हुए, उन्हें एक वार्षिक वेतन बढोतरी का लाभ नहीं मिला। इससे उनकी पेंशन व अन्य परिलाभ भी प्रभावित हुए। वहीं राज्य सरकार कर्मचारी को वेतन वृद्धि पूर्व में काम कर चुकी अवधि के आधार पर देती है ना कि अग्रिम अवधि के लिए। ऐसे में यदि कर्मचारी एक साल काम करने के बाद तीस जून को रिटायर होते हैं तो उन्हें भी एक जुलाई से लगने वाली सालाना वेतन वृद्धि प्राप्त करने का अधिकार है।

याचिका कर्ता के वकील ने कहा, हाईकोर्ट ने प्रार्थी के मामले में राज्य सरकार के संबंधित विभाग को निर्देश दिया था कि वह प्रार्थी को एक वेतन वृद्धि सहित अन्य परिलाभ एक महीने की अवधि में दें। लेकिन अदालती आदेश का पालन नहीं हुआ। हाईकोर्ट अदालती आदेश की पालना सुनिश्चित करे और दोषी अफसरों को दंडित किया जाए। याचिका पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों को अवमानना नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

रेल अधिकारियों ने कश्मीर में नए ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ऊधमपुर श्रीनगर बारामुला रेललिंक के प्रमुख अधिकारियों, जिसमें प्रमुख सुरक्षा आयुक्त पंकज गंगवार और जम्मू डिवीजन के डिविजनल रेलवे मैनेजर भी उनके साथ थे। महाप्रबंधक और उनकी टीम ने महत्वपूर्ण परियोजनाओं, जैसे कि चेनाब और अंजी खड पुलों का निरीक्षण किया, इसके अलावा बनिहाल सुरंग का भी निरीक्षण किया। सूत्रों के अनुसार, रेलवे सुरक्षा बल (आर.पी.एफ.) और अन्य सुरक्षा कर्मचारियों की संख्या इन बिंदुओं पर बढ़ा दी गई है। स्टेशनों पर बैगेज स्कैनिंग के लिए अतिरिक्त कर्मचारी तैनात किए गए हैं, साथ ही सुरंगों और पुलों पर भी सुरक्षा कडी की गई है। वर्तमान में ट्रेनें दो मार्गों पर संचालित हो रही हैं: 184 किलोमीटर लंबा संगलदन से बारामुला मार्ग और 25 किलोमीटर लंबा उधमपुर-कटरा खंड। इसका 111 किलोमीटर लंबा कटरा-बनिहाल खंड सबसे चुनौतीपूर्ण माना जाता है और इसमें अधिक सुरक्षा की आवश्यकता है, क्योंकि इस खंड में भारत की सबसे लंबी, 12.77 किलोमीटर रेल सुरंग (टी-50), दुनिया का सबसे ऊंचा रेल पुल (चेनाब) और अंजी में पहला केबल-स्टे पुल है। इस खंड के 97 किलोमीटर - या 87 प्रतिशत - हिस्से में सुरंगें हैं, जिनमें आठ प्रमुख सुरंगें शामिल हैं। सूत्रों के अनुसार, आर. पी. एफ., जी. आर. पी. और राज्य पुलिस को रेल लाइन के साथ सुरक्षा सूचना साझा करने के लिए निर्देश दिए गए हैं। सभी सुरंगों के सी. सी. टी. वी. फुटेज की निगरानी के लिए समर्पित केंद्रों को सक्रिय किया गया है।

'गिरफ्तारी पर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पर दो साल से वो काबिज है। इस जमीन का एक व्यक्ति ने फर्जी पट्टा बना लिया। जिसकी सैंथल थाने में शिकायत की गई, लेकिन उस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। इस पर अदालती आदेश से मामला दर्ज किया गया।

दूसरी ओर सैंथल ग्राम पंचायत ने भी प्रार्थी के पट्टे को वैध बताया। परिवाद में कहा गया कि 19 दिसंबर, 2021 की रात आरोपियों ने पुलिस से मिलीभगत कर उसकी जमीन पर धावा बोल दिया और परिवादी व उसके परिजनों से मारपीट की। वहीं अपने अधीनस्थ कर्मचारी से प्रार्थी के खिलाफ एससी-एसटी व राजकार्य में बाधा का मामला दर्ज करा दिया। इसके अलावा घर की महिलाओं को सूर्योदय के बाद बिना महिला पुलिस की मौजूदगी में गिरफ्तार किया और मेडिकल भी नहीं कराया।

मस्जिद पर पोस्टर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

काम करना गलत है। पुलिस से भी हमने विधायक के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। पुलिस कमिश्नर ने हमसे दो दिन का समय मांगा है। विधायक लोगों में नफरत फैलाने का काम कर रहे हैं। इससे पहले भी विधायक केवल मुस्लिम समुदाय को टारगेट करते रहे हैं, कभी अजान के नाम पर, कभी हिजाब के नाम पर, कभी इमामबाड़े पर, कभी आधार कार्ड के नाम पर, तो कभी मोहल्लों के यूनानी डॉक्टर्स, कभी खाने की होटलों पर पहुंचकर खुद ही गैर कानूनी तरीके से रेड करने लगते हैं।

विधायक रफीक खान ने कहा कि जयपुर हमेशा से अपनायत का शहर रहा है,अफसोस कि आज कुछ लोग इसे बिगाड़ने पर तुले हैं। जामा मस्जिद,जौहरी बाजार की सीढ़ि यों पर चढ़ कर मुस्लिम समाज को उकसाने-चिढ़ाने एवं धार्मिक भावनाएं भड़काने का जो कुत्सित प्रयास विधायक बालमुकुंद आचार्य ने किया है, वह घोर आपत्तिजनक है, इसकी जितनी निंदा की जाए कम है। पहलगाम के कायराना आतंकी हमले के कारण पूरा देश दुखी है,आतंकवाद के खिलाफ एकजुट है।मगर कुछ लोग सिर्फ़ हिन्दू-मुसलमान करके देश को अंदर से कमजोर करने में लगे हैं।

'सैन्य अभियानों व आवाजाही की जानकारी का प्रसारण ना करे'

नयी दिल्ली, 26 अप्रैल। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने मीडिया चैनलों को राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में रक्षा अभियानों और सुरक्षा बलों की आवाजाही का सीधा प्रसारण न करने की सलाह दी है और कहा है कि अभियानों के मामले में खबर देते समय अभियान पूरा होने और आधिकारिक ब्रीफिंग के आधार पर ही रिपोर्ट दी जाए। मंत्रालय ने सभी मीडिया प्लेटफार्मों, समाचार एजेंसियों और सोशल मीडिया का उपयोग करने वालों को इस विषय में वर्तमान सभी नियम कानूनों का कड़ाई से अनुपालन करने को कहा है।

- सूचना प्रसारण मंत्रालय ने मीडिया प्लेटफॉर्म्स के लिए गाइडलाइन्स जारी की

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को भारत के निर्दोष नागरिकों पर पाकिस्तान प्रायोजित बर्बर आतंकवादी हमले के बाद मंत्रालय ने शनिवार को जारी इस आशय के परामर्श में कहा है, राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में, सभी मीडिया प्लेटफॉर्म्स, समाचार एजेंसियों और सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं को सलाह दी जाती है कि वे अत्यंत जिम्मेदारी के साथ काम करें और रक्षा एवं अन्य सुरक्षा से संबंधित अभियानों की रिपोर्टिंग करते समय मौजूदा कानूनों और नियमों का सख्ती से पालन करें। परामर्श में मीडिया मंचों से यह विशेष ध्यान रखने को कहा गया है कि रक्षा अभियानों या बलों की गतिविधियों से संबंधित किसी भी प्रकार का (तत्काल) रियल-टाइम (तत्क्षण) कवरेज, लाइव प्रसारण, या सूत्रों पर आधारित जानकारी का प्रकाशन नहीं किया जाना चाहिए।

बयान में कहा गया है कि संवेदनशील जानकारी का समय से पहले खुलासा करने से शत्रुतापूर्ण तत्वों को मदद मिल सकती है और इससे अभियानों की प्रभावशीलता और सुरक्षा बलों के कर्मियों की सुरक्षा को खतरा हो सकता है। इसी संदर्भ में कहा गया है कि कारगिल युद्ध, मुंबई आतंकवादी हमले (26/11), और कंधार अपहरण जैसी घटनाओं के दौरान, अनियंत्रित कवरेज का राष्ट्रीय हितों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा था।

लंदन में पाक डिप्लोमैट ने की शर्मनाक हरकत

लंदन/नयी दिल्ली, 26 अप्रैल। पाकिस्तानी राजनयिक की ओर से लंदन में पाकिस्तान उच्चायोग के बाहर प्रदर्शन कर रहे ब्रिटिश-भारतीयों का गला काटने का इशारा करने का मामला सामने आया है। लंदन स्थित पाकिस्तानी उच्चायोग के बाहर सैकड़ों ब्रिटिश और भारतीय नागरिक जम्मू-कश्मीर के पहलगाम हुए आतंकवाद हमले के विरोध में प्रदर्शन

- पाक उच्चायोग पर प्रदर्शन कर रहे ब्रिटिश भारतीयों की तरफ पहले तो उसने विंग कमांडर अभिनंदन की तस्वीर वाली तख्ती लहराई, उसके बाद उसने प्रदर्शनकारियों का गला काटने का इशारा किया

कर रहे थे। इस विरोध प्रदर्शन के दौरान एक पाकिस्तानी राजनयिक ने उच्चायोग की बालकनी से प्रदर्शनकारियों की तरफ गला काटने वाला इशारा किया। ब्रिटिश-भारतीय प्रदर्शनकारियों ने इस दौरान 'भारत माता की जय' और 'पाकिस्तान मुर्दाबाद' के नारे लगाए। कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में पाकिस्तान की भूमिका पर अपना गुस्सा जाहिर किया, जिसमें 26 पर्यटकों की जान चली गयी थी। प्रदर्शन के दौरान कर्नल तैमूर राहत नामक पाकिस्तानी राजनयिक ने भारतीय वायु सेना के विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान की तस्वीर वाली एक तख्ती पकड़ रखा थी।

ईडी 28 को महेश जोशी का और रिमांड ले सकती है!

महेश जोशी के पुत्र और उसकी कंपनी से जुड़े लोगों से भी ईडी पूछताछ कर रही है

जयपुर, 26 अप्रेल। जल जीवन मिशन (जेजेएम) में 900 करोड़ के घोटाले के मामले में ईडी की टीम पूर्व मंत्री महेश जोशी से पूछताछ कर रही है। पूर्व मंत्री महेश जोशी 28 अप्रेल तक ईडी की रिमांड में हैं। महेश जोशी ने कोर्ट में तीन डिमांड की थीं। कोर्ट ने तीनों बात मान ली है। उनकी डिमांड थी कि रिमांड के दौरान घर का खाना मिले, समय पर दवा मिले और उनकी पत्नी की तबीयत बहुत खराब है,उन्हें मिलने दिया जाए।

महेश जोशी से, पूर्व में गिरफ्तार हुए उनके परिचित और जलदाय विभाग के अधिकारियों के सामने बैठा कर पूछताछ की गई। महेश जोशी ने अपने बेटे रोहित जोशी की कंपनी में 50 लाख रुपए डाले थे, उसे लेकर भी ईडी, रोहित और उसकी कंपनी से जुडे लोगों से पूछताछ कर रही है।

- ईडी के अनुसार उसके पास महेश जोशी के खिलाफ पुख्ता सबूत हैं। कहते हैं कि कुछ आरोपियों और इंजीनियर्स ने महेश जोशी का सीधे नाम लिया है।

ईडी के अनुसार महेश जोशी के खिलाफ उनके पास पुख्ता सबूत हैं। जेजेएम घोटाले को लेकर ईडी ने महेश जोशी से कई सवाल पूछे। साथ ही उन कंपनियों के बारे में भी जानकारी ली गई, जिन कंपनियों को फर्जी दस्तावेजों के आधार पर टेंडर दिए गए। जानकारी के अनुसार, टैंडर जिनको मिले वह महेश जोशी के पारिवारिक रिश्तेदार और दोस्त निकले। सूत्रों के अनुसार, कुछ आरोपियों और इंजीनियर्स ने महेश जोशी का नाम सीधे तौर पर लिया है।

कानूनी प्रक्रिया के तहत हर दिन महेश जोशी का मेडिकल कराया जाएगा। उनके शुगर, बीपी की जांच सरकारी अस्पताल के डॉक्टर द्वारा की जाएगी। जानकारों का कहना है कि ईडी महेश जोशी का 28 तारीख को रिमांड कुछ और दिन का भी ले सकती है।

गौरतलब है कि जेजेएम घोटाला केंद्र सरकार की, हर घर नल पहुंचाने वाली जल जीवन मिशन योजना से जुड़ा है। साल 2021 में श्री श्याम ट्यूबवेल कंपनी और मैसर्स श्री गणपति ट्यूबवेल कंपनी के ठेकेदार पदमचंद जैन और महेश मित्तल ने फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र दिखाकर जलदाय विभाग से करोड़ों रुपए के 4 टेंडर हासिल किए थे।

श्री गणपति ट्यूबवेल कंपनी ने फर्जी कार्य प्रमाण पत्रों से पी.एच.ई.डी. की 68 निविदाओं में भाग लिया था। उनमें से 31 टेंडर में एल-1 के रूप में 859.2 करोड़ के टेंडर हासिल किए थे। वहीं, श्री श्याम ट्यूबवेल कंपनी ने 169 निविदाओं में भाग लिया और 73 निविदाओं में एल -1 के रूप में भाग लेकर 120.25 करोड़ के टेंडर हासिल किए थे। घोटाले का खुलासा होने पर एसीबी ने जांच शुरू की। कई भ्रष्ट अधिकारियों को दबोचा। फिर ईडी ने केस दर्ज कर महेश जोशी और उनके सहयोगी संजय बड़ाया सहित अन्य के ठिकानों पर दबिश दी थी। इसके बाद सीबीआई ने 3 मई 2024 को केस दर्ज किया। ईडी ने अपनी जांच पूरी कर 4 मई को सबूत और दस्तावेज एसीबी को सौंप दिए थे।

भारत को चीन से सबक लेना ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सिंधू जल प्रणाली की पश्चिमी नदियां, और भारत से गुजरने वाली पूर्वी नदियों में गर्मियों में भारी मात्रा में पानी आता है, जब हिमालय की चोटियों और ग्लेशियरों में तापमान बढ़ता है। हिमालय की बर्फ के पिघलने से लाखों क्यूसेक पानी नदियों में आता है।

हिमालय को भौगोलिक रूप से दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ताजे पानी का भंडार कहा जाता है, पहले दो भंडार है दोनों ध्रुवीय क्षेत्र। सर्दियों में जो बर्फ जमती है वह गर्मियों में पिघलकर उपमहाद्वीप की नदी में आ जाती है।

सिंधु जल प्रणाली में छह नदियां हैं - पूर्वी नदियां-व्यास, सतलुज और रावी- भारत को दी गई हैं। जबकि पश्चिमी नदियां सिंधू, झेलम और विनाब- पाकिस्तान के हिस्से में आती हैं। पश्चिमी नदियों को हिमालय की बर्फ पिघलने से भारी मात्रा में पानी प्राप्त होता है। लेकिन ऊपरी क्षेत्रों में बढ़ते जल प्रवाह को संग्रहित करने के लिए बहुत कम बांध या सरोवर बहुत कम हैं। इस पानी को रोकने की कोशिश विनाशकारी बाढ़ और अन्य खतरों को जन्म दे सकती है। इसके लिए बड़े पैमाने पर जल संबंधी क्षमता और इंजीनियरिंग कौशल की आवश्यकता होगी।

सामान्य जानकारी के अनुसार, वर्तमान में इस जल प्रवाह के एक बड़े हिस्से को संग्रहित करने के लिए कोई ठोस आधारभूत संरचना उपलब्ध नहीं है। वर्ष 1960 से अब तक हमने इस दिशा में कोई गंभीर योजना नहीं बनाई है। अगर कोई सुनियोजित योजना बनाई जाती, तो इसका व्यापक प्रभाव होता- केवल पाकिस्तान को नुकसान पहुंताना ही उद्देश्य नहीं होता। यह जल भारत के उत्तरी भागों में कृषि और पीने के पानी की आपूर्ति के लिए भी वरदान साबित हो सकता था।

अब, जब हमें समझ में आ रहा है कि यह पानी रणनीतिक हथियार बन सकता है, तो ऐसे कार्यक्रम के लिए एकीकृत योजना बनाना समय की मांग है। इसके लिए न केवल तकनीकी और इंजीनियरिंग क्षमता की आवश्यकता होगी, बल्कि भारी पूंजी भी लगानी पड़ेगी। हम पहले ही देख रहे हैं कि चीन किस तरह से हिमालय की ऊपरी जलधाराओं पर बांध बना रहा है ताकि वह वहां के विशाल जल संसाधनों का उपयोग कर सकें। हमें यह जानकर झटका लगता है कि चीन ब्रह्मपुत्र नदी को जल प्रवाह को उस जगह से बदलने की योजना पर पहले ही काम कर रहा है जहां से यह पूर्वी हिमालय में घूमती है और भारत में प्रवेश करती है। हमारे विरोधों के बावजूद, चीन इसे अपने मैदानों और खेतों की सिंचाई के लिए मोड़ने की योजना पर काम कर रहा है।

एक बार यह परियोजना पूरी हो गई, तो भारत का उत्तर-पूर्वी हिस्सा और बांग्लादेश के बड़े क्षेत्र रेगिस्तान बन सकते हैं। लेकिन चीन किसी भी देश के विरोध की परवाह नहीं करता।

हमें चीन से प्रेरणा लेकर सिंधू जल प्रणाली पर अपनी योजना बनानी चाहिए, ताकि इस पानी का अधिकतम लाभ उठाया जा सके। सिंधू जल प्रणाली के लिए संघर्ष अब शुरू हुआ है। अब जब हमने लंबे समय तक प्रवाह को नियंत्रित करने की प्रतिबद्धता जताई है, तो योजना बनाने और इसके क्रियान्वयन में बड़े प्रयासों की आवश्यकता है। पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो द्वारा भारत में ''खून की नदी बहाने'' की धमकी के बजाय, अब समय आ गया है कि भारत वास्तव में इन नदियों का नियंत्रण करे।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908